वर्ष : 02
अंक : 296
पृष्ठ : 08
मूल्य : तीन रुपये

वाराणसी, सोमवार, 12 फरवरी, 2024

RNI No. : UPHIN/2023/84879

परिवर्तन दूत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

4 फिर खतरा बना अफगानिस्तान

Email : pdnewsvns@gmail.com e-paper:www.parivartandoot.com

कंगना रानौत के बोल्ड ड्रेस में दिखाई... 8

संक्षिप्त

कांग्रेस से आए आरपीएन सिंह को राज्ससभा का टिकट

लखनऊ। राज्यसभा चुनाव में भाजपा ने उत्तर प्रदेश में सात प्रत्याशियों की घोषणा की है। भाजपा ने पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, यूपीए सरकार में मंत्री रहे और कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए आरपीएन सिंह और पार्टी के प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य को उम्मीदवार बनाया है। आगरा के पूर्व महापौर नवीन जैन, गाजीपुर सदर भाजपा की पूर्व विधायक संगीता बलवंत बिंद, मुगलसराय से भाजपा की पूर्व विधायक साधना सिंह और मथुरा के पूर्व सांसद तेजवीर सिंह को भी प्रत्याशी बनाया गया है।

प्रधानमंत्री ने दीन दयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी पुण्यतिथि पर रविवार को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उन्होंने भारतीय संस्कृति और विरासत को केंद्र में रखते हुए देश को आगे ले जाने का मार्ग प्रशस्त किया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि दीनदयाल उपाध्याय के विचारों ने विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरणास्रोत का काम किया है। मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को उनकी पुण्यतिथि पर देशभर के अपने परिवारजन की ओर से शत-शत नमन।

चौधरी चरण सिंह को 'भारत रत्न' किसानों का सम्मान- लक्ष्मी नारायण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गन्ना विकास मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने रविवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को दिया गया 'भारत रत्न' भारत के 90 करोड़ किसानों का सम्मान है। लक्ष्मी नारायण चौधरी ने रविवार को कहा, चौधरी चरण सिंह ने कहा था कि देश के विकास की ओर जाने वाला रास्ता खेतों से होकर गुजरता है। चौधरी जी ने किसानों के हित और कल्याण के लिए कई कदम उठाए थे।

एयरपोर्ट के रनवे पर 15 मिनट खड़ा रहा विमान

नई दिल्ली। देश के सबसे बिजी दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट (आईजीआई) पर रविवार को इंडिगो का एक विमान लैंडिंग के बाद रास्ता भटक गया। वह टैक्सी-वे पर न रुक कर रनवे के आखिरी छोर पर चला गया। इस वजह से 15 मिनट तक रनवे ब्लॉक रहा। इस दौरान कई विमान लैंडिंग और टेकऑफ परमिशन नहीं मिलने के कारण लेट हो गए। दरअसल, इंडिगो की फ्लाइट नंबर 6ए-2221 अमृतसर से सुबह 7:20 बजे उड़ान भरकर सुबह 8:30 बजे दिल्ली पहुंची थी। लैंडिंग के बाद उसे टैक्सी-वे से होकर पार्किंग तक पहुंचना था, लेकिन वह रनवे के आखिरी पॉइंट पर जाकर रुक गई। एयरपोर्ट मैनेजमेंट को जब इसकी सूचना मिली तो उसे टोइंग विमान से खींचकर पार्किंग तक लाया गया।

सिद्धरमैया ने अमित शाह को दी बहस की चुनौती

बेगलूरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने राज्य की यात्रा पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को खुली बहस की चुनौती देते हुए रविवार को कहा कि वह यह साबित कर सकते हैं कि गारंटी योजनाओं की वजह से राज्य का खजाना खाली नहीं हुआ है। आज सुबह मैसुरु पहुंचे शाह चामुंडेश्वरी मंदिर गए और आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा के लिए राज्य भाजपा के नेताओं के साथ बैठकों में भाग लेने से पहले एक मेले में शिरकत की।

शंभू बॉर्डर पर किसानों पर छोड़े गये आसू गैस

दिल्ली कूच पर अड़े किसान, पंजाब-हरियाणा सीमा सील, सड़कों पर ठोकीं कीलें

चंडीगढ़ में धारा 144 लागू

अंबाला। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के 13 फरवरी को दिल्ली कूच से पहले हरियाणा और पंजाब के शंभू, खनौरी समेत सभी बॉर्डर सील कर दिए गए हैं। शंभू बॉर्डर पर पंजाब की तरफ से धरना देने आ रहे थे। जिन्हे हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर उन्हें खदेड़ दिया। वहीं सिंघु और टिकरी बॉर्डर पर भी सीमेंट के बैरिकेड लगा दिए गए हैं। पंजाब से आने वाले किसानों को रोकने के लिए अंबाला के शंभू बॉर्डर और फतेहाबाद में बैरिकेड्स और लोहे की कीलें लगा दी गई हैं। हरियाणा के सात जिलों में आज सुबह से मोबाइल इंटरनेट, डोंगल और बल्क रटर बंद कर दिए गए हैं। यह रोक अंबाला, हिसार, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, फतेहाबाद और पुलिस जिला डबवाली समेत सिरसा जिले रहेगी। यह आदेश 13 फरवरी की रात 12 बजे तक लागू रहेंगे। हरियाणा के सोनीपत, झज्जर, पंचकूला, अंबाला, कैथल, हिसार, सिरसा, फतेहाबाद और जींद समेत 12 जिलों में धारा 144 लागू की गई है। इसके साथ पंजाब और दिल्ली के रूट भी डायवर्ट कर दिए गए हैं। केंद्र सरकार ने पैरामिलिट्री की 64 कंपनियों को हरियाणा भेजा है। जिनमें बीएसएफ-सीआरपीएफ के जवान भी शामिल हैं।

भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा समय की मांग-मोदी

टंकारा (गुजरात)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा समय की मांग है। मोदी ने आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के अवसर पर गुजरात के मोरबी जिले में उनके जन्मस्थल टंकारा में आयोजित एक कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, 'स्वामी दयानंद सरस्वती ने उस समय हमें यह दिखाया कि हमारी रूढ़िवादी सोच और सामाजिक बुराइयों ने हमें किस प्रकार नुकसान पहुंचाया है।इ उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासकों ने 'हिंदू समाज की रूढ़िवादिता और सामाजिक बुराइयों के कारण हमारे समाज की खराब छवि दिखाने की कोशिश की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्वामी दयानंद सरस्वती ने समाज में महिलाओं के लिए समान अधिकारों की वकालत की थी। उन्होंने कहा, "भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा व्यवस्था समय की मांग है।

मुख्यमंत्री संग मंत्री-विधायकों ने किए रामलला के दर्शन

गर्भगृह में बैठकर राम भजन गाए, की पूजा

अयोध्या। अयोध्या में राम जन्मभूमि पर बने भव्य मंदिर में रविवार को योगी सरकार ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। मंत्रियों और विधायकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ रामलला के दर्शन किए। पूजा-अर्चना की। इस दौरान सभी बेहद उत्साहित दिखे और भक्ति भाव में डूबे नजर आए। मुख्यमंत्री योगी अपने कैबिनेट मंत्रियों और विधायकों के साथ करीब 2 घंटे तक राम मंदिर में रहे। इनमें भाजपा के अलावा रालोद, बसपा और कांग्रेस विधायक भी शामिल रहे। कई मंत्रियों और विधायकों के परिवार वाले भी साथ रहे। इस दौरान जगह-जगह पर फूल बरसाकर मंत्री-विधायकों का स्वागत किया गया। राम जन्मभूमि के गेट नंबर-11 से 10 बसों में आए विधायकों और मंत्रियों को एंट्री दी गई।इससे पहले सुबह 10 बसों से विधायक और मंत्री अयोध्या पहुंचे। सीएम योगी रविवार सुबह पुणे में थे। वहां से वह सीधे अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे।

वहीं, रविवार होने के चलते अयोध्या में श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ है। इस वजह से विधायकों का हनुमानगढ़ी में दर्शन का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने एक सवाल के जवाब में कहा कि सपा विधायक अयोध्या जाना चाहते थे, लेकिन उनकी पार्टी की गाइडलाइन के चलते नहीं जा पा रहे हैं। रामलला के दर्शन करने के बाद दोपहर करीब ढाई बजे सभी सीएम योगी आदित्यनाथ कैबिनेट मंत्रियों और विधायकों के साथ राम जन्मभूमि से रवाना हो गए।

रास्ते में बाराबंकी में सभी की शानदार अगवानी हुई। यहां पर सभी ने नाश्ता किया और जय श्रीराम के उद्घोष के साथ आगे के लिए रवाना हो गए। बस में आरएलडी के विधायक भी साथ गए हैं। राजा भैया और आराधना मिश्रा आदि भी साथ में रवाना हुए हैं।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' छत्तीसगढ़ में फिर से शुरू

रायगढ़। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' दो दिन के विराम के बाद रविवार को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में फिर से शुरू हुई। राहुल ने यहां गांधी चौक पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और इसके बाद यात्रा जिले में खरसिया विधानसभा क्षेत्र के लिए रवाना हुई। गांधी चौक पर कांग्रेस नेताओं और समर्थकों का भारी हुजूम उमड़ा और लोग राहुल गांधी के साथ चले। राहुल कांग्रेस के छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश पार्टी प्रमुख दीपक बैज और विधानसभा में विपक्ष के नेता चरण दास महंत के साथ एक खुली जीप में सवार थे। कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने यहां बताया कि यात्रा ओडिशा से बृहस्पतिवार को रायगढ़ पहुंची थी और दो दिन के विराम के बाद रविवार दोपहर को यह फिर से शुरू हुई। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा) से शिकस्त मिलने के बाद इस यात्रा से पार्टी कार्यकताओं का मनोबल बढ़ेगा। इस यात्रा ने गुरुवार को छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर रायगढ़ जिले में रेंगालपाली जांच चौकी पर राज्य में प्रवेश किया था और राहुल गांधी ने वहां एक जनसभा को संबोधित किया था।

'भक्ति-शक्ति' के संगम से राम मंदिर का निर्माण हुआ-योगी

पुणे (महाराष्ट्र)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि 'भक्ति और शक्ति' के संगम से '500 साल की गुलामी की गाथा'को तोड़कर अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। महाराष्ट्र में पुणे जिले के आलंदी में गीता भक्ति अमृत महोत्सव को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने मुगल सम्राट औरंगजेब की सत्ता को चुनौती देने के लिए मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की भी प्रशंसा की। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में इस साल 22 जनवरी को एक भव्य समारोह में राममला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गयी। आदित्यनाथ ने कहा कि आज 'शक्ति और भक्ति' एक-दूसरे से मिल रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें सैकड़ों वर्षों से संतों का आशीर्वाद मिलता रहा है।

उन्होंने कहा, 'भक्ति से निकली यह शक्ति शत्रुओं को परास्त कर रही है। समर्थ रामदास ने इस धरती से छत्रपति शिवाजी महाराज को खड़ा किया, जिन्होंने मुगल शासक औरंगजेब की सत्ता को चुनौती दी और उसे तड़पने तथा मरने के लिए छोड़ दिया।' उन्होंने कहा कि पूज्य संतों से निकटता के कारण महाराष्ट्र वीरता की भूमि है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज के रूप में भक्ति और शक्ति का मिश्रण देखा जा सकता है। आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद वह आगरा गए थे। उन्होंने कहा, एक 'मुगल संग्रहालय' बनाया जा रहा था। मैंने कहा कि संग्रहालय का नाम छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर होना चाहिए, क्योंकि हम उनसे जुड़े हैं न कि मुगलों से। उन्होंने ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में एक रक्षा गलियारे की घोषणा की है और यह भी छत्रपति शिवाजी महाराज को समर्पित है।

ऑस्ट्रेलिया ने तोड़ा भारत का सपना

अंडर-19 विश्व कप भारत 79 रन हारा

बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका)। सीनियर स्तर पर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 फाइनल और वनडे विश्व कप 2023 फाइनल में भारत को हराने के बाद अब ऑस्ट्रेलिया ने जूनियर स्तर पर भी भारतीय फैंस का दिल तोड़ दिया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के बेनोनी में खेले गए अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में टीम इंडिया को 79 रन से शिकस्त दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में सात विकेट पर 253 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम 43.5 ओवर में 174 रन पर सिमट गई। एक साल के अंदर कंगारुओं ने तीसरी बार भारतीय टीम का विश्व कप जीतने का सपना तोड़ दिया है। पिछले साल जून में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में हराया था। फिर पिछले साल 19 नवंबर को कंगारुओं ने भारतीय टीम को वनडे विश्व कप के फाइनल में शिकस्त दी थी। अब 85 दिन बाद ऑस्ट्रेलिया ने तीसरी बार टीम इंडिया को किसी खिताबी मुकाबले में हराया अंडर-19 विश्व कप में यह ऑस्ट्रेलिया का चौथा खिताब है। इससे पहले वह 1988, 2002 और 2010 में भी खिताब जीत चुके हैं।

अवैध हथियार बनाने के कारखाने का भंडाफोड़

हथियारों का जखीरा बरामद, दो गिरफ्तार

हापुड़। पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में अवैध हथियार सप्लाई करने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मौके से अवैध हथियारों का जखीरा बरामद हुआ है। इसमें से एक रिवॉल्वर नोएडा से चोरी की गई थी। पुलिस को आशंका है कि इन हथियारों का इस्तेमाल लोकसभा चुनाव में भी हो सकता था। इस एंगल से भी मामले की डिटेल जांच शुरू कर दी गई है।

एसपी अभिषेक वर्मा ने बताया कि पुलिस और एसओजी को बाबूगढ़ के कनिया कल्याणपुर गांव के बाहर खंडहर में अवैध रूप से हथियार बनाने की फैक्ट्री की सूचना मिली थी। इस आधार पर छापेमारी कर दो तस्करों गाजियाबाद के भोजपुर के रहने वाले वाहिद उर्फ इल्लो और शाकिब को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं, मेरठ का रहने वाला कासिम भाग निकला। मौके से नोएडा से चोरी एक रिवॉल्वर, एक फैक्ट्री मेड पिस्टल सहित बड़ी संख्या में अवैध पिस्टल, रिवॉल्वर, तमंचे, बंदूक, अधबने हथियार और उपकरण बरामद किए गए। गिरफ्तार बदमाश के खिलाफ चोरी, लूट, गैंगस्टर आदि के एक दर्जन से अधिक केस दर्ज हैं। एसपी ने बताया कि बदमाश हथियारों का इस्तेमाल लोकसभा चुनाव में भी कर सकते थे। इसकी जांच की जा रही है और जिन बदमाशों को सप्लाई की गई है, उनकी भी शिनाख्त कराई जा रही है।

एसपी ने बताया कि आरोपी गाजियाबाद और एनसीआर के अन्य एरिया में पिस्टल 45-50 हजार रुपये, अवैध तमंचा 5-6 हजार रुपये, पोनिया को 15-20 हजार रुपये और रिवॉल्वर को 35-40 हजार रुपये में बेचते थे। एक रिवॉल्वर का सीरियल नंबर खरोंचा गया है। इसके बारे में एफएसएल से विधिवत जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

कुछ नेताओं के पाला बदलने से 'इंडिया' पर असर नहीं - पायलट

रायगढ़। 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कुछ घटक दलों के पाला बदलकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने के बीच कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने रविवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन 'मजबूत' है और इसकी सामूहिक ताकत से चिंतित भाजपा राजनीतिक परिदृश्य में 'उन्मत बदलाव' लाने की कोशिश कर रही है। पायलट ने एक साक्षात्कार में कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि उनके (बनर्जी के) साथ सीट-बंटवारे को लेकर बातचीत के दौरान आगे का कोई रास्ता निकलेगा।

नीतीश सरकार की अग्नी परीक्षा आज

सभी दलों को क्रॉस वोटिंग का सता रहा डर

पटना। बिहार की राजनीति में 12 फरवरी एक ऐतिहासिक दिन साबित होने जा रहा है। दिलचस्प तो यह है कि अविश्वास के माहौल में राज्य के राजनीतिक दल अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने जा रहे हैं। क्या सत्ता क्या विपक्ष सभी अपने अपने विधायकों की बाड़ेबंदी में लगे हैं। यह दीगर कि बाड़ेबंदी का तरीका अलग-अलग है। आइए जानते हैं किस दल ने किस तरह से विधायकों की बाड़ेबंदी की है।

पाला बदलने को लेकर सबसे पहले हवा कांग्रेस के भीतर चली। बयान निकलकर यह आ रहे थे कि कांग्रेस के 10 विधायक एनडीए के संपर्क में हैं। नतीजतन कांग्रेस नेतृत्व ने सत्ता के इस बयान का संज्ञान लिया और अपने विधायकों को लेकर हैदराबाद चले आए। अब कांग्रेस के 19 विधायक ठीक अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने सीधे 12 फरवरी को विधान सभा पहुंचेंगे।

आरजेडी नेतृत्व की तरफ से जब खेला होने की बात बार-बार आने लगी। तो बीजेपी रणनीतिकार भी सावधान हो गए। पर जब बीजेपी विधायकों के पास फोन आने शुरू हुए तो पार्टी के रणनीतिकारों ने एक स्ट्रेटजी के तहत विधायकों को बोधगया ले जाने का प्रोग्राम बना डाला। तर्क यह दिया गया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विधायकों को प्रशिक्षण देना है। लेकिन राजनीतिक विशेषज्ञों की माने तो बीजेपी विधायकों के पाला बदलने की सूचना के बरक्स यह डैमेज कंट्रोल किया गया है।

जेडीयू नेतृत्व भी विधायकों के पाला बदलने की खबर से परेशान हो गया। कई विधायकों के पास फोन आने की सूचना मिली। तब जेडीयू ने एक भोज के आवरण में अपने विधायकों को पटना बुलाया। भोज का आयोजन मंत्री श्रवण कुमार के यहां था। पर यहां भी कई विधायक अनुपस्थित पाए गए। रविवार को जदयू के विधायकों को मंत्री विजय चौधरी के आवास पर बुलाया गया है।

एक बार में 100 सेअधिक शादी नहीं

यूपी में सामूहिक विवाह योजना में सख्ती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनाइ के अंतर्गत होने वाले किसी भी आयोजन में अब 100 से अधिक शादियां नहीं हो सकेंगी। उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने यह जानकारी दी। अरुण ने साथ ही बताया कि हर विवाह का पंजीकरण अब कार्यक्रम स्थल पर ही किया जाएगा और फोटो युक्त विवाह प्रमाणपत्र भी तुरंत जारी किया जाएगा। राज्य सरकार ने ये कदम बलिया जिले में एक सामूहिक विवाह समारोह में हुई धोखाधड़ी के हालिया मामले के मद्देनजर उठाए हैं, जहां 240 अपात्र लोगों ने 'मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनाइ का लाभ प्राप्त करने के लिए अपना पंजीकरण कराया था। आरोप है कि इस कार्यक्रम के दौरान पहले से शादीशुदा लोगों की दोबारा शादी कराई गई थी। पुलिस ने इस मामले में समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों सहित 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। पूर्व आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी अरुण ने रविवार को कहा, अब सामान्य सामूहिक विवाह कार्यक्रमों में 100 से अधिक विवाह नहीं कराए जाएंगे। अगर किसी ऐसे कार्यक्रम में कोई मंत्री या कोई अन्य विशिष्ठ अतिथि आ रहा हो और उस कार्यक्रम में जिलाधिकारी स्वयं मौजूद हों तो 100 से अधिक विवाह कराने की अनुमति प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा, इसके अलावा हर शादी का पंजीकरण अब कार्यक्रम स्थल पर ही किया जायेगा और विवाह प्रमाणपत्र भी तुरंत जारी होगा। दूल्हा-दुल्हन की तस्वीर खींची जाएगी, सभी रस्म और संस्कार पूरे होने के बाद विवाह को कम्प्यूटर पर दर्ज किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक नवविवाहित जोड़ों के विवरण को डीबीटी और आधार कार्ड से जोड़ा जायेगा। उन्होंने बताया कि सामूहिक विवाह में गड़बड़ियों को रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर ग्राम सचिव और लेखपाल को जिम्मेदारी दी जाएगी।

हल्द्वानी हिंसा का मास्टर माइंड अब्दुल मलिक गिरफ्तार

हल्द्वानी। हल्द्वानी हिंसा के मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों से यह खबर आ रही है। जबकि इससे पहले पुलिस ने 5 लोगों को अरेस्ट कर चुकी है। इनमें 2 पूर्व पार्षद और सपा नेता भी शामिल हैं। रविवार को चौथे दिन हिंसा प्रभावित क्षेत्र को छोड़ बाकी शहर में इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गई हैं। हालांकि बनभूलपुरा इलाका अभी भी सील है। वहीं कर्फ्यू के चौथे दिन प्रशासन ने इस इलाके में दूध,सब्जियां और दवाओं की सप्लाई शुरू कराई है। पुलिस उपद्रवियों की अरेस्टिंग और अवैध असलहों की रिकवरी के लिए बनभूलपुरा इलाके में डोर टु डोर सर्च ऑपरेशन चला रही है। स्थानीय प्रशासन ने इस ऑपरेशन के लिए अर्द्धसैनिक बलों की 4 अतिरिक्त टुकड़ियों की मांग की है। प्रशासन चरणबद्ध तरीके से इस इलाके में भी कर्फ्यू में ढील देने की योजना बना रहा है।

राम-राष्ट्र से समझौता नहीं- प्रमोद कृष्णम

कांग्रेस से निष्कासन के बाद आचार्य की पहली प्रतिक्रिया

संभल। कांग्रेस पार्टी ने आचार्य प्रमोद कृष्णम को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को आधिकारिक पत्र जारी कर यह जानकारी दी। पत्र में कहा गया है कि प्रमोद कृष्णम को अनुशासनहीनता की शिकायतों और पार्टी के खिलाफ बार-बार बयानबाजी को ध्यान में रखते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित करने के उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में प्रमोद कृष्णम कई मुद्दों पर कांग्रेस और अपने नेता की आलोचना के कारण सुर्खियों में आ गए थे। शनिवार को कांग्रेस से हुए निष्कासन के बाद रविवार को आचार्य प्रमोद की पहली प्रतिक्रिया आई। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को टैग करते हुए एक पोस्ट लिखा है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने निष्कासित होने पर राहुल गांधी पर तंज कसते हुए लिखा कि राम और राष्ट्र पर समझौता नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि प्रमोद कृष्णम लगातार सार्वजनिक मंचों पर खुलकर विरोध करते रहे हैं। आचार्य प्रमोद कृष्णम कांग्रेस के नेताओं पर लगातार निशाना साध रहे थे। वह उनके बयानों से खफा थे और इसलिए ही उन्होंने कांग्रेस के कई नेताओं को हिंदू विरोधी भी बताया था। अयोध्या में श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण पत्र ठुकराने वाले नेताओं पर भी भड़के थे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता होने के बाद भी अपनी ही पार्टी का खुलकर विरोध शुरू किया तो कयास लगाए जाने लगे थे कि अब वह भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

भाजपा में शामिल होने से धमार्चार्य जीवन का भी पालन होगा और राजनीतिक सफर की नई शुरूआत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों से आचार्य काफी प्रभावित हैं और उन्होंने कहा भी है कि वह प्रधानमंत्री के विचारों की खुलकर प्रशंसा करते हैं। 19 फरवरी को प्रधानमंत्री शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि शिलान्यास कार्यक्रम में ही भाजपा में शामिल होने की घोषणा हो सकती है। कांग्रेस पार्टी की कार्रवाई के बाद शामिल होने के लिए राह आसान हो गई है।

शिवसेना विधायक पर कांग्रेस-एनसीपी ने की कार्रवाई की मांग

मुंबई। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे गुट की शिवेसना के एक विधायक ने बच्चों से कुछ ऐसा कह दिया है, जिस पर विवाद हो गया है। दरअसल विधायक ने बच्चों से कहा कि अगर उनके माता-पिता मुझे वोट नहीं देते हैं तो वे खाना छोड़ दें! शिवसेना विधायक की इस हरकत पर विवाद हो गया है और विपक्षी पार्टियों ने शिवसेना विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर दी है। कांग्रेस और शरद पवार की एनसीपी ने शिवसेना विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एनसीपी-शरद पवार के प्रवक्ता क्लाइड क्रेस्टो ने कहा बांगर ने जो भी बच्चों से कहा, वह चुनाव आयोग के दिशा निदेर्शों के खिलाफ है। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। वह बार-बार नियमों का उल्लंघन करते हैं, लेकिन सरकार में होने के चलते उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। चुनाव आयोग को उनके खिलाफ बिना किसी पक्षपात के कार्रवाई करनी चाहिए।

आसरा आवास योजना में आरक्षण खत्म करने का विरोध

आज कचहरी गेट पर खाट बिछाओ आंदोलन

शास्त्री नगर पार्क में दिव्यांगजनों ने की बैठक

कानपुर। शास्त्री नगर पार्क में दिव्यांगजनों ने एक बैठक की। जहां आसरा आवास योजना में दिव्यांगजनों के आरक्षण को खत्म करने को लेकर चर्चा की गई। कहा की संविधान में दिये गये अधिकारों को केवल विधायिका ही खत्म कर सकती है। प्रशासनिक अधिकारियों को ये अधिकार नहीं है। दिव्यांगजनों का आरक्षण खत्म करना विधायिका व संविधान का अपमान है।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि दिव्यांगजनों को पात्रता के आधार पर सत प्रतिशत आवास नहीं मिला तो अगले 12 फरवरी को जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर खाट बिछाओ - अधिकार दिलाओ आन्दोलन शुरू किया जायेगा ।ये आंदोलन तब तक चलेगा जब तक दिव्यांगजनों को उनका अधिकार नही मिल जाता। उन्होंने कहा कि प्रशासन और पुलिस को इस समस्या से पहले ज्ञापन देकर अवगत कराया जा चुका है लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। दिव्यांगों ने जो आवाहन किया था उसे वह जरूर पूरा करेंगे और विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसी तैयारी को लेकर के आज बैठक की गई है ।दिव्यांगजन को उनका अधिकार दिलाने के लिये हम किसी भी हद तक जा सकते हैं । दिव्यांग जनों ने कहा कि कलेक्ट्रेट के सभी गेट और कचहरी परिसर में दिव्यांगजन खाट लेकर जाएंगे और प्रदर्शन करेंगे।

ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, अल्पना कुमारी, अशोक कुमार, अरविन्द सिंह, कमलेश कुमार सिंह, वैभव दीक्षित, गौरव कुमार, गुड्डी दीक्षित, अर्जुन कुमार, अब्दुल रऊफ, आशिष कुमार, महेश चन्द्र साहू, दिलिप कुमार आदि शामिल रहे।

पिटाई से परेशान युवक ने दी जान

हरदोई। जिले में मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के गांव तेजीपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। बताया गया शाम को गांव के ही लोगों ने उसकी पिटाई की थी, जिससे वो आहत था। घटना की जानकारी होने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। आपको बता दे कोतवाली क्षेत्र के गांव तेजीपुर निवासी रामसागर प्रजापति पुत्र बाबू ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसका पुत्र लव कुश 23 वर्ष शनिवार की शाम 9:00 बजे प्रार्थी के घर पर गांव के जयप्रकाश पुत्र विक्रम, आकाश पुत्र जयप्रकाश, विनय पुत्र शारदा सिंह, शिवम पुत्र चुन्ना सिंह ने लवकुश को मारा पीटा और भविष्य में मार डालने की धमकी देकर चले गए। पीड़ित का पुत्र कमरा बंद करके सो गया और सुबह 10:00 बजे जब नही उठा तो परिजनों ने दरवाजा तोड़कर देखा कि वह छत के कुंड में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

रॉल्स रॉयस से लेकर फोर्ड आस्टिन की निकली सवारी

सड़कों पर दौड़ी विंटेज कारें, बिठूर में हुआ कार रैली का समापन

कानपुर। दशकों पुरानी विंटेज कारें सड़कों पर जब एक साथ दौड़ी चलीं तो जिसने भी देखा, देखता ही रह गया। बिठूर महोत्सव के तहत विंटेज कार रैली का आयोजन किया गया। गंगा बोट क्लब से विंटेज कारों को डीएम राकेश सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विंटेज कारों की सवारी करने के लिए डीएम भी खुद को रोक नहीं पाए।

गंगा बोट क्लब से निकलकर सभी कारों का समापन बिठूर में हुआ। यहां क्विज प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया है। वहीं आज आर्टिस्ट गीत कार्यक्रम, रामायण पर आधारित ड्रामा, क्रेजी हॉपर्स ग्रुप की डांस प्रस्तुति, देर रात हेमंत बृजवासी की रंगारंग प्रस्तुति नानाराव पेशवा पार्क में की जाएगी। ग्रीन पार्क विजिटर गैलरी व स्पोर्ट्स हब में स्पोर्ट्स फेस्ट भी किए जा रहे हैं।

रॉल्स रॉयल राजा-रजवाड़े की कार कही जाती है। इसमें बैठकर लगता ही नहीं कि आप किसी कार में बैठे हैं। सोफे जैसी सीटें और खिड़कियों पर पर्दे, राजसी ठाठ बयां करते हैं। इस कार में जर्मन सिल्वर का प्रयोग हुआ है। लालटेन जैसी लाइटें लगी हैं। यह एक लीटर में एक किमी चलती है।

फोर्ड पिकअप ए मछली के शिकार के लिए प्रयोग की जाती थी। इसमें लंबी-लंबी रॉड लगी हैं। इसका एवरेज सात या आठ किमी प्रति लीटर है। कहा जाता है कि इस कार का प्रयोग जंगल में भी शिकार करने में किया जाता था।

ऑस्टिन 7 की छत हट जाती है। 1930 में ही इस कार में खड़े होने की सुविधा मिली थी। यह चार सीटर कार है। फोर्ड जीप का प्रयोग द्वितीय विश्व युद्ध में किया गया था। इस कार में एक विशेषता है। टायर निकालने के बाद रिम के सहारे रेल की पटरियों पर दौड़ाया जा सकता है।

फोर्ड एंजिला शाहिद मिर्जा ने यह कार लखनऊ से पांच-छह साल पहले कबाड़ी से पांच लाख रुपये में खरीदी थी। इस कार को कानपुर के किसी नवाब की माना जाता है। यह कार गदर फिल्म में दिखाई गई थी। इसका एवरेज 10 से 12 किमी प्रति लीटर है। विलेज जीप यह अमरेकिन कंपनी की कार है। अब नहीं बनती है। इसमें स्पेशल गियर है। कचरे या कीचड़ में फंसने पर चौथा गियर लगाने पर आराम से निकल जाती है।

बिठूर महोत्सव के पहले दिन शनिवार रात को कैलाश खेर के बैंड कैलाशा से उद्घाटन किया। कैलाश खेर के गीतों को सुनने के लिए इस कदर भीड़ उमड़ी कि पुलिस कर्मियों को नानाराव पार्क के गेट तक बंद करने पड़ गए थे।

बेटा बताकर गांव पहुंचे दोनों जोगी निकले धोखेबाज

अमेठी। जिले में एक सप्ताह पहले जोगी के वेश में गांव पहुंचे दो युवकों में से एक युवक ने एक ग्रामीण का सालों पहले गायब हुआ बेटा बताते हुए हजारों रुपए की नकदी और कई कुंतल अनाज लेकर फरार हो गया। युवकों के जाने के बाद बुजुर्ग के मोबाइल पर पैसे के डिमांड के लिए फोन आने लगे, जिसके बाद बुजुर्ग ने पूरे मामले की शिकायत थाने में की। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल अब उसी युवक के कई फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। वहीं तिलोई सीओ अजय सिंह का कहना है कि पूरे मामले पर मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है।

संक्षिप्त खबरे...

5049 छात्र छात्राओं ने छोड़ी परीक्षा

अमेठी। जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आरओ और एआरओ की परीक्षा सम्पन्न हुई। दो पालियों में होने वाली इस परीक्षा में कुल 8 हजार 64 परीक्षार्थी शामिल होने थे, जिसमें से सिर्फ 3015 परीक्षार्थी ही परीक्षा में शामिल हुए और 5,549 छात्र-छात्राओं ने परीक्षा छोड़ दी। जिले के 18 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा को नकल विहीन सम्पन्न कराने के लिए परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। अमेठी डीएम के साथ एसपी लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहे। दरअसल आज अमेठी के 18 परीक्षा केंद्रों पर आरओ और एआरओ की परीक्षा सकुशल संपन्न हुई। अमेठी जिले में दो पालियों में आयोजित होने वाली इस परीक्षा में कुल 8 हजार 64 परीक्षार्थी शामिल होने थे, लेकिन सिर्फ 3015 परीक्षार्थी ही शामिल हुए और 5549 परीक्षार्थीयो ने परीक्षा छोड़ दी।

भाजपा के सामने नहीं झुकेंगे राहुल- इमरान

बाराबंकी। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी मुशायरा में भाग लेने बाराबंकी पहुंचे। जयंत चौधरी के भाजपा में जाने पर उन्होंने कहा कि जिसको जहां जाना है वहां जाए। उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी कहते थे कि वह चवन्नी नहीं की पलट जाएं, लेकिन अब अगर वह पलट रहे हैं तो जरूर उनकी कोई मजबूरी होगी।यह बहुत लंबी लड़ाई है और हम लोग राहुल गांधी के मजबूत सिपाही हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी बाराबंकी में कुर्सी विधानसभा क्षेत्र के बेलहरा कस्बे में शेख नत्थन बाबा उर्स के मौके पर आयोजित मुशायरे में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा की बाराबंकी से उनका बेहद खास रिश्ता है। इसलिए वह यहां आते रहते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो ने यात्रा ओडिशा और बिहार के बाद 16 फरवरी को उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के खिलाफ कांग्रेस बहुत लंबी लड़ाई लड़ रही है। वह लोग राहुल गांधी के मजबूत सिपाही हैं और लड़ाई में आखिरी तक साथ रहेंगे। भाजपा के सामने सब झुक जाए लेकिन राहुल गांधी नहीं झुकेंगे।

सीएचसी में गंदगी मिलने पर भड़के चिकित्सा अधीक्षक

महराजगंज (रायबरेली)। महराजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे चिकित्सा अधीक्षक डॉ एस पी सिंह ने गंदगी मिलने पर सफाई कर्मचारियों व स्टाफ को फटकार लगाई। लापरवाही पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी दी गयी। दो दिन के अंदर हर कोने में सफाई करने के निर्देश दिये। स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण पर आए अधीक्षक ने वार्ड में चादर सही से न बिछी होने वार्ड बॉय का वेतन रोकने के साथ साथ उसके खिलाफ जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया है। कहा कि दोष सिद्ध होने पर अन्य प्रतिकूल कार्यवाही अनुपालन में लायी जाएगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक ने बताया कि सीएचसी के निरीक्षण के दौरान साफ सफाई व बेड पर चादर सही से न मिलने पर चेतावनी दी गई है।

चुनाव में अग्निवीरों की भर्ती को मुद्दा बनाएगी कांग्रेस

कानपुर। आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रदेश और देश में युवाओं की नौकरी न मिलने का मुद्दा प्रमुखता से उठाएगी। रविवार को जय जवान अन्याय के विरुद्ध न्याय का युद्ध का पोस्टर जारी करते हुए कांग्रेस पदाधिकारियों ने अग्निवीरों योजना को निरस्त कर स्थाई किए जाने की मांग उठाई। रविवार को कांग्रेस की युवा विंग राष्ट्रीय छात्र संगठन (ठरवक) के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर अभिनव कुमार प्रदेश, महासचिव अंशुल यादव व कानपुर विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष अभय कठेरिया ने शहर कांग्रेस कमेटी कानपुर के अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी की उपस्थिति में जय जवान अन्याय के विरुद्ध न्याय का युद्ध का पोस्टर जारी किया। उन्होंने मांग उठाई कि वर्ष-2019 से 2022 के बीच सेवा में चयनित डेढ़ लाख अभ्यर्थियों की तत्काल जॉइनिंग हो और स्थाई सेवा भर्ती की बहाली व अग्निपथ योजना तत्काल निरस्त करते हुए वर्तमान अग्निवीरों का स्थाई प्रबंध किया जाए।

कानपुर में पूनम पांडे के खिलाफ शिकायत

सर्वाइकल कैंसर के नाम पर फैलाई मौत की झूठी खबर

कानपुर। मशहूर मॉडल पूनम पांडे के खिलाफ कानपुर में शिकायत दर्ज की गई। यह शिकायत सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने की है। उनका मानना है कि देश की करोड़ों महिलाओं की भावनाओं को आहत पहुंचाने का काम मॉडल पूनम पांडे ने किया है। वहीं पुलिस कमिश्नर ने फीलखाना थाना रलड को जांच के निर्देश दिए हैं। फैजान अंसारी ने कहा, पूनम ने पब्लिसिटी पाने के लिए खुद की मौत की झूठी अफवाह फैलाई और लोगों को गुमराह किया। पूनम पांडे ने सर्वाइकल कैंसर से मौत की झूठी खबर फैलाई। इससे महिलाओं और उनके परिवार वालों के मन में डर और दहशत बैठ गई। इसलिए उन पर 100 करोड़ रुपए मानहानि का दावा करते हुए शिकायत की है। कहा कि देश के अलग-अलग हॉस्पिटलों में दो-दो करोड़ रुपए का डोनेशन देकर बच सकती हैं। फैजान अंसारी मूल रूप से भोपाल के रहने वाले हैं। वह पिछले 10 साल से मुंबई में रह रहे हैं। इससे पहले उन्होंने मुंबई में भी पूनम पांडे के खिलाफ शिकायत की थी।

तमंचे के बल पर जबरन युवती माफी मंगवाये

कानपुर। जिले के यशोदानगर निवासी किशोर का एक युवती के पैर छूकर माफी मांगते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद किशोर ने थाने में तहरीर दी, लेकिन पुलिस की जांच में मामला गालीगलौज का निकलने के बाद दोनों पक्षों ने कार्रवाई से इनकार कर दिया। यह वीडियो निहाल सोनकर नाम की आईडी से इंस्टाग्राम पर अपलोड किया गया। जब वीडियो वायरल हुआ तो यशोदानगर निवासी किशोर ने नौबस्ता थाने में तहरीर देकर बताया कि गुरुवार को एक दर्जन युवक उसे रास्ते से उठाकर अर्मापुर के जंगलों में ले गए। वहां पीटने के बाद बाईपास बस्ती लाकर युवती से तमंचे के बल पर धमकाकर माफी मंगवाई।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

अस्पताल से तीमारदार को खाना देकर लौटते वक्त हुआ हादसा

प्रतापगढ़। जिले में तेज रफ़्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवक की मौत हो गई। दोनों युवक बाइक से मरीज के तीमारदार को खाना देकर घर लौट रहे थे। तभी सामने से आ रहे ट्रक की टक्कर में दोनों को मौत की नींद सुला दिया ।घटना को लेकर पूरे गांव में कोहराम मच गया है। रानीगंज थाना क्षेत्र के लच्छीपुर स्थित साई इंटर कॉलेज के सामने सड़क हादसा हुआ। कन्धई क्षेत्र के रखहा गांव निवासी ऋषिकेश सिंह 27 पुत्र लक्ष्मी नारायण सिंह गांव के ही शेखर सिंह 25 पुत्र छेदीलाल सिंह के साथ अपने चाचा के लड़के के ऑपरेशन के दौरान तीमारदार को खाना देने शनिवार की रात साढ़े 8 बजे दुगार्गंज गया था । देर रात 11बजे वह खाना देकर घर लौट रहा था कि करीब पौने दस बजे रानीगंज थाना क्षेत्र के लच्छीपुर स्थित साई इंटर कॉलेज के सामने पट्टी से रानीगंज की ओर जा रहे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी।

जिससे ऋषिकेश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया तथा घायल अवस्था में शेखर सिंह को जिला मेडिकल कॉलेज भेजा गया। जहां से उसे मेडिकल कॉलेज प्रयागराज रेफर कर दिया गया। ऋषिकेश सिंह दो भाइयों में छोटा था। उसका बड़ा भाई मुन्ना व पिता लक्ष्मी नारायण सिंह तीनों पुणे में मिठाई की दुकान चलाते थे। वहीं रहता था। लेकिन ऋषिकेश 12 फरवरी को रिश्तेदारी में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर आया था । दोनों युवकों के मौत की खबर जैसे ही गांव में पहुंची पूरे गांव में मातम सा छा गया। शेखर सिंह चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था तथा उसके पिता छेदीलाल मजदूरी करके घर का खर्च चलाते थे। रानीगंज थाना अध्यक्ष ने बताया आदित्य सिंह ने बताया की शव का पोस्टमार्टम कराया गया परिजनों को शव डे दिया गया हैं अभी तक तहरीर नहीं मिली हैं मामले की जांच कर विधित कार्रवाई की जायेगी।

बाइक चोर गैंग का पदार्फाश, एक गिरफ्तार

आरोपी की निशानदेही पर चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद

सीतापुर। जिले में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बाइक चोर गैंग का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गैंग के एक सदस्य को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर चोरी की दो बाइक को बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश शुरू कर दी है।

एसपी चक्रेश मिश्रा ने अपराध में संलिप्त व आपराधिक कृत्य से अपनी आय का स्रोत बना लेने वाले अपराधियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए थे। इसी के क्रम में संदना पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान अभियुक्त सुनील दीक्षित पुत्र छोटेलाल निवासी ग्राम शंकरपुर मजरा धवरपारा थाना संदना जनपद सीतापुर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे चोरी की 2 मोटरसाइकिलबरामद की है।

पुलिस ने बाइक बरामदगी के संबंध में अभियुक्त के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की है। पुलिस का कहना है कि अभियुक्त द्वारा अपराध से अर्जित संपत्तियों का पता लगाकर साक्ष्य के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ट्यूबवेल में फंसकर लड़की की मौत

बाराबंकी। खेत में फसल की सिंचाई करने के दौरान अचानक एक हादसा हो गया, जिसमें खेत पहुंची एक लड़की ट्यूबवेल की चपेट में आकर के बुरी तरह से लिपट गई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा है। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है तो वहीं मृतक लड़की के परिजनों में हादसे की वजह से कोहरा मचा हुआ है। आपको बता दें कि पूरा मामला उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत मझौआ गांव का है। जहां पर गांव की ही रहने वाली लड़की जिसके पिता अपने खेत में फसल की सिंचाई कर रहे थे, मौके पर पहुंची प्रियंका नाम की लड़की इंजन बंद करते समय अचानक हादसे का शिकार हो गई।

आरओ-एआरओ परीक्षा में ब्लूटूथ डिवाइस के साथ पकड़ा गया नकलची

प्रतापगढ़। जिले में हो रही आरओ एआरओ परीक्षा में एक युवक ब्लूटूथ डिवाइस के साथ पकड़ा गया है। आरोपी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। जिले में 35 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आरओ/एआरओ की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से शुरू हुई थी। परीक्षा को नकल विहीन संपन्न करने के लिए रविवार सुबह से ही टीम में लगातार परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर मॉनिटरिंग कर रही है। लालगंज तहसील के राम अजोर इंटर कॉलेज को भी परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इस परीक्षा केंद्र पर पट्टी इलाके का एक अभ्यर्थी प्रवीण पटेल पुत्र सुभाष चंद्र पटेल निवासी बेसहर पट्टी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के जरिए नकल करते पकड़ा गया। केंद्र व्यवस्थापक उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए अभ्यर्थी के पास से इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस मोबाइल सिम समेत तमाम उपकरण भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। लालगंज थाना अध्यक्ष ने बताया कि मामले की जांच की जा रही और इस गैंग में कितने लोग शामिल हैं, उसकी भी पड़ताल की जा रही है और पकड़े गए अभ्यर्थी से पूछताछ की जा रही है।

सुल्तानपुर जिला कारागार में कैदी की संदिग्ध मौत

सांस रोग से ग्रस्त था-जेल सुपरिटेंडेंट

सुलतानपुर। सुल्तानपुर जिला कारागार में संदिग्ध परिस्थितयों में एक सजा याफ्ता कैदी की मौत से हड़कंप मच गया है। कोतवाली नगर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम में भेजकर जांच शुरू कर दिया है। मृतक कैदी अमेठी जिले का रहने वाला है।

अमेठी जिले के मुसाफिरखाना कोतवाली अंतर्गत मरदानपुर निवासी तौफीक (77) की आज जेल में संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई है। तौफीक सजा याफ्ता कैदी है। कैदी की जेल कैंपस में मौत से सनसनी फैल गई। जेल प्रशासन ने परिवार वालों को सूचना देते हुए कोतवाली पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने पंचायतनामा भरते हुए शव को पोस्टमार्टम में भेजा है।

जेल सुपरिटेंडेंट एके गौतम ने बताया कि मृतक तौफीक सजा याफ्ता कैदी था। उन्होंने बताया कि लंबे समय से तौफीक सांस रोग से पीड़ित चल रहा था। आज सुबह तड़के उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। वही नगर कोतवाल श्रीराम पांडेय ने बताया कि शव के पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो पाएगी।

नौकर के साथ मिलकर रेता था पिता-बहन का गला

मुरादाबाद। सराफ योगेश चंद अग्रवाल और उनकी बेटी सृष्टि की हत्या का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर पदार्फाश कर दिया है। सराफ के इकलौते बेटे इशांक अग्रवाल ने अपने दिल्ली निवासी नौकर के साथ मिलकर दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया था। पुलिस ने बेहद चौंकाने वाला खुलासा किया है। इशांक अपना मकान बेचना चाहता था। जिसका योगेश चंद्र अग्रवाल विरोध करते थे, जबकि अपनी सारी प्रॉपर्टी बेटी सृष्टि के नाम करना चाहते थे। बस इसी बात से खफा इशांक ने दोहरे हत्याकांड को अंजाम दे दिया। इशांक केवल अपने पिता योगेश चंद्र अग्रवाल को मारना चाहता था, लेकिन तभी सृष्टि वहां आ गई। इसलिए उसकी भी हत्या कर दी। इतना ही नहीं हत्यारोपी बेटे इशांक ने अपने मृतक पिता पर कई गंभीर और आरोप लगाए हैं। फिलहाल पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। वारदात को अंजाम देने में शामिल रहे उसके दिल्ली निवासी नौकर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

बंद मकान को चोरों ने बनाया निशाना

60 हजार कैश व सोने-चांदी के जेवरात उड़ाए

एक संदिग्ध हिरासत में लाला का पुरवा मोहल्ले का मामला

सुलतानपुर। जिले में चोरों ने रेकी करके खाली घर को पहले तलाश किया। फिर रात के अंधेरे में अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे 60 हजार के आसपास कैश व लाखों के जेवरात उड़ा दिए। परिवार घर वापस लौटा तो घटना की जानकारी हुई। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली नगर पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है।

गोसाईगंज थाना क्षेत्र के सुरौली गांव निवासी एखलाक अहमद शहर के कोतवाली नगर स्थित लाला का पुरवा मोहल्ले में परिवार के साथ रहते हैं। तीन दिन पूर्व वो आवश्यक कार्य से परिवार को लेकर गांव चले गए। तभी चोरों ने बंद मकान की रेकी किया और 10 फरवरी को रात करीब दो बजे के आसपास धावा बोला और यहां अलमारी का लॉकर तोड़कर इसमें रखा 60 हजार कैश व सोने-चांदी का आभूषण पार कर दिया। लेकिन खटपट की आवाज सुनकर आसपास के लोग जाग गए। लोग घरों से बाहर निकले और गुहार लगाया।

इस पर चोर छत के रास्ते उतरे और भाग निकले। लेकिन मोहल्ले वालों ने मोहल्ले के ही निवासी अजीम पुत्र मोइन को पहचान लिया। मोहल्ले वालों ने इसे घेरा तो वो नाली के पास कुछ सामान फेक कर फरार हो गया। इसके बाद मोहल्ले के लोगों ने एखलाक को घटना की सूचना दिया। जिस पर वे शहर स्थित घर पर पहुंचे तो यहां सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत किया।

कोतवाल श्रीराम पाण्डेय ने बताया कि तहरीर मिली है। मामले की जांच किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पुलिस जांच कर रही है।

एक लाख से ज्यादा परीक्षार्थियों ने दी आरओ-एआरओ परीक्षा

वाराणसी में 122 सेंटर पर कंट्रोल रुम से प्रशासन की निगरानी

परीक्षा सकुशल संपन्न कराने को एडीएम सीटी ने कंट्रोल रुम का लिया जायजा

परिवर्तन दूत

वाराणसी (प.सं.)। वाराणसी के 122 सेंटरों पर रविवार को समीक्षा अधिकारी और सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ-एआरओ) की परीक्षा चली। जिले में करीब 1 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी आरओ-एआरओ के परीक्षा में शामिल हुए। उत्तर प्रदेश लोक सेवा द्वारा आयोजित यह परीक्षा आज दो पालियों में हो रही है। पहली पाली में सुबह साढ़े 9 बजे से साढ़े 11 बजे तक परीक्षा चली। जबकि दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2:30 बजे से शुरू हुई और यह साढ़े 3 बजे तक शेड्यूल है। अपर जिला जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा आरओ-एआरओ परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया। इससे जुड़े कई जरूरी दिशा निर्देश भी सुरक्षा अधिकारियों को दे दिए गए हैं। वाराणसी के एडीएम सिटी ने बताया कि सभी 122 सेंटरों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है। एग्जाम के बाद परीक्षार्थियों की संख्या और बाकी के डिटेल भी जारी किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश के 2387 सेंटर्स पर आरओ-एआरओ की परीक्षा चल रही है। फ्द के 334 पदों और एआरओ के 77 पदों पर भर्ती के लिए ये परीक्षा चल रही है। इसमें प्रदेश भर से कुल 20 लाख 76 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी एग्जाम दे रहे हैं।

संडे को भी खुले नगर निगम के काउंटर

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। नगर निगम द्वारा हाऊस टैक्स की वसूली की जा रही है और इसके लिए छुट्टी के दिन यानि रविवार को भी काउंटर खोले गए। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि छुट्टी के दिन भी लोग अपना हाऊस टैक्स जमा कर सकें। राजस्व निरीक्षकों की भी अपने-अपने एरिया में हाऊस टैक्स वसूली के लिए ड्यूटी लगाई गई है। नगर निगम के अधिकारी खुद ही लोगों के घर और दुकानों पर पहुंचकर हाऊस टैक्स जमा करा रहे हैं। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने बताया कि आज यानि रविवार को भी जोनल कार्यालय खुले हैं। इस दौरान गृह कर जमा कराए जाएंगे। राजस्व निरीक्षक भी अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर गृह कर की वसूली करेंगे। इसके साथ ही कुर्की की कार्रवाई भी की जाएगी। नगर आयुक्त ने भवन स्वामियों से अपील की है कि जिन भवन स्वामियों द्वारा अपना हाऊस टैक्स जमा नहीं किया गया है, वे जल्द से जल्द गृह कर जमा कर दें, ताकि कार्रवाई से बचे रहें।

साई की शोभायात्रा में झूमते दिखे भक्त

हजारों की संख्या में भक्त हुए शामिल, लगाया जयकारा

परिवर्तन दूत

वाराणसी (प. सं.)। नदेसर स्थित ओम साईं मंदिर से ठाट-बाट से बाबा की पालकी निकाली गई। भक्तों की धार्मिक धुनों पर थिरकते, झूमते चल रहे थे। रथ व घोड़े पर सजी झांकियां श्रीराम दरबार का दर्शन करा रही थीं। मार्ग में केशरिया व लाल झण्डा लहरा रहा था। शोभायात्रा विभिन्न मार्गों से होकर पुनः मंदिर पर समाप्त हुई।

मंदिर में रविवार की सुबह बाबा का श्रृंगार किया गया। शिरडी साईं मंदिर के में पूजन-अर्चन के बाद शोभायात्रा निकाली गई। भक्तों ने रास्ते में साईं बाबा के दर्शन कर आरती उतारे। जगह-जगह स्टाल लगाकर भक्तों में चाय-पानी का वितरण हुआ। शोभायात्रा घौसाबाद, लच्छीपुरा, चौकाघाट, तेलियाबाग, अंधरापुल, मिंट हाउस, राजा बाजार होते हुए पुनः मंदिर पहुंची, जहां भव्य आरती हुई। मंदिर परिसर में आकर्षक

सजावट की गई थी। भजन संध्या का आयोजन हुआ। भंडारा में सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम को करीब 5 बजे दोबारा से नदेशर पर यात्रा संपन्न हुआ। जिसके बाद में भंडारे का आयोजन किया गया। साई मंदिर के संस्थापक ने बताया नदेसर साई मंदिर से इस यात्रा का शुभारंभ किया गया। ये यात्रा पिछले 15 सालो से लगातार निकल रही है। उसी क्रम में इस बार भी इस यात्रा का शुभारंभ किया गया है। यात्रा नगर के विभिन्न मार्गो से होती हुई शाम को इस यात्रा का समापन किया जायेगा और भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा में शामिल जयप्रकाश वर्मा ने बताया इस यात्रा में हजारों लोगों की भीड़ रही । इस में भीड़ में लगातार वृद्धि होती जाएगी जिसके बाद में ये यात्रा नदेसर में सम्पन्न हो जायेगी।

संक्षिप्त खबरे...

अतुल पाठक को 2024 सीआईओ के लिए किया गया सम्मानित

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। छोटी गैबी निवासी एसटीसीआई फाइनेंस (पूर्व में सिक्योरिटीज ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) अतुल पाठक को वर्ष 2024 के सीटीओ/सीआईओ-बीएफएओई से सम्मानित किया है।अतुल पाठक ने मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में करियर शुरू किया और बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक और आईसीआईसीआई-एचएफसी के साथ काम किया। भारत सरकार की प्रतिभूतियों और सार्वजनिक क्षेत्र के बांडों में एक सक्रिय द्वितीयक बाजार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मई 1994 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एसटीसीआई को बढ़ावा दिया गया था। फ्द्दक ने 1997 और 2002 में रळउकमें अपनी हिस्सेदारी बेच दी। वर्तमान में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों की एसटीसीआई में हिस्सेदारी है।

काशी पत्रकार संघ ने आयोजित किया एस. अतिबल छाया चित्र प्रतियोगिता प्रदर्शनी

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। काशी पत्रकार संघ एवं वाराणसी प्रेस क्लब के तत्वावधान में रविवार को दशाश्वमेध घाट पर एस० अतिबल छाया चित्र प्रतियोगिता प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य छायाकारों का मनोबल बढ़ाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी नरसिंह व विशिष्ट अतिथि अशोक वर्मा पूर्व सचिव पीएनयू क्लब ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस प्रतियोगिता में छायाकारों द्वारा लगाए गए फोटो प्रदर्शनी को देखने वालों का तांता लगा रहा। प्रदर्शनी में विजेताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय व सांत्वना पुरस्कार से छाया पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में गंगा सेवा निधि के आशीष तिवारी, सुरजीत सिंह, हनुमान यादव को काशी पत्रकार संघ व प्रेस क्लब के सदस्यों ने स्मृतिचिन्ह व अंगवस्त्रम से सम्मानित किया। कार्यक्रम में आए अतिथियों ने इस कार्यक्रम की सराहना की।

छात्रों ने दिया नुक्कड़ नाटक से सामाजिक स्वच्छता का संदेश

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। बीएचयू के कला संकाय में छात्र कल्याण पहल के सहयोग से रविवार को "मैं परिवर्तन का भागीदार हूं" कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली पब्लिक स्कूल के क्लास 7 और 8 के स्टूडेंट्स ने बीएचयू के प्राचीन मंदिरों को देखा। इनमें बीएचयू का सबसे प्राचीन और ऐतिहासिक भवन डा. राधाकृष्णन हाल और ओल्ड सीएससी भवन शामिल है। बच्चों को महामना मदन मोहन मालवीय और उनकी अनोखी शैक्षिक पहल के महत्त्व के बारे में डा. प्रवीण राणा ने जानकारी दी। साथ ही ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित करने की जिम्मेदारी को भी बताया। बीएचयू में विद्यार्थियों द्वारा दो नुक्कड नाटक का मंचन ओपन थिएटर में हुआ, जिसमें भारी संख्या में कैंपस के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। दूसरे नुक्कड़ नाटक में बच्चों ने अपने आस-पास की सफाई व स्वच्छता कैसे रखें, ताकि अच्छे समाज का निर्माण हो सके का, मंचन किया। यह सामाजिक स्वच्छता के बारे में सकारात्मक तथ्यों के बारे में जागरूकता प्रदान करने पर केंद्रित था। कार्यक्रम में प्रोफेसर ज्योति राणा, डा. सचिन, डा. माधवी, डा. अभिषेक, प्रोफेसर प्रवीण राणा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

डिजिटल युग में कंप्यूटर शिक्षा जरूरी-पूनम

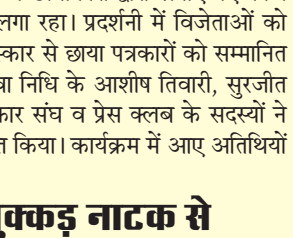

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम नागेपुर में रविवार को मुख्य ट्रस्टी रीतू पटवारी के नेतृत्व में अवादा फाउंडेशन की ओर से कम्युनिटी डेवलपमेंट सेंटर का उद्घाटन समारोह रविवार को हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य और विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. महेंद्र सिंह पटेल, एबीएसए प्रतिनिधि अरविंद सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करने के उपरांत दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद फीता काटकर सेंटर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर पूनम मौर्या ने प्रधानमंत्री नरनेद्र मोदी के गोद लिए आदर्श गांव नागेपुर में अवादा फाउंडेशन की ओर से किए गए सामाजिक कार्यों की सराहना की। समारोह में आए हुए सभी अतिथियों को अवादा फाउंडेशन द्वारा अंग वस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अवादा फाउंडेशन की संयोजक डॉ. छवि अंकिता ने बताया कि गांव के बच्चों को कंप्यूटर की शिक्षा के लिए कम्युनिटी डेवलपमेंट सेंटर में 25 कंप्यूटर लगाए गए हैं। इसमें कक्षा 9 से लेकर कक्षा 12 तक के बच्चे निःशुल्क कम्प्यूटर की शिक्षा लेंगे।

मंगलवार-बुधवार बारिश होने की संभावना

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। स्मार्ट एग्री कार्यक्रम के तहत किसानों को मौसम के समसामयिक सलाह देते हुए मंगलवार और बुधवार को बारिश होने की जानकारी दी गई है। ऑटोमैटिक वेदर मशीन शाहंशाहपुर में रिकॉर्ड की गई सूचना के अनुसार बारिश होने का पूर्वानुमान बताया गया है। सॉलिड्रेड स्मार्ट एग्री कार्यक्रम के तहत बारिश होने की संभावना को व्यक्त करते हुए बताया गया है कि 75 से 80% अनुमान सच होने की गुंजाइश है। सॉलिड्रेड के जिला समन्वयक अनिल खरे और संदीप मिश्रा ने जानकारी दी है कि 10 फरवरी से 16 फरवरी के बीच दिन में 14 डिग्री सेल्सियस तापक्रम रहने का अनुमान है। जबकि रात का तापक्रम 14 डिग्री सेल्सियस और आसपास रहने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि किसान भाई खेत में नमी को देखते हुए ही गेहूं की सिंचाई करें। कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि गेहूं की बालियों में इस समय दूध बनने की क्रांतिक अवस्था है। इस अवस्था में फसल की सिंचाई अवश्य करें।

एनएसएस ने चलाया स्वच्छता अभियान

गंगा घाट पर की सफाई, असहायों को किया वस्त्रदान

परिवर्तन दूत

वाराणसी (प.सं.)। काशी के आर्य महिला पीजी कॉलेज वाराणसी के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई ए-डी द्वारा दुगार्कुंड क्षेत्र में एक दिवसीय स्वच्छता अभियान चलाया गया। इकाई-ए द्वारा सेवा बाजार लगाया गया, जिसमें एनएसएस से जुड़ी स्वयं सेविकाओं ने गरीबों को कपड़े दान दिए। इकाई में शामिल छात्राओं ने सभी से स्वच्छता बनाए रखने की अपील भी की।

कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर स्वप्ना बंदोपाध्याय ने कहा कि पूरे देश के सभी लोगों को अपने आसपास के गरीबों और असहाय लोगों को अपनी क्षमता के अनुसार वस्त्र का दान करना चाहिए। जिससे गरीब लोगों को काफी सहायता मिल सकती है। वहीं स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए इकाई-डी की कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर ममता गुप्ता ने छात्राओं को शपथ दिलाई कि हम न गंदगी करेंगे और न करने देंगे। इस अवसर पर छात्राओं ने

स्वच्छता, प्लास्टिक मुक्त परिसर, यातायात नियमों और पर्यावरण संबंधित विषयों से मलिन बस्ती के लोगों को जागरूक किया।

शिविर का प्रारम्भ लक्ष्य गीत से हुआ तथा समापन शपथ ग्रहण समारोह से किया गया। इस एक दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सहायता करना तथा समाज सेवा की भावना विकसित करना और राष्ट्र सेवा की भावना जागृत करना है। इस आयोजन में प्रो. बिंदु लहरी, डा.अनामिका सिंह, डा.संध्या श्रीवास्तव, डा.सुनीता यादव, डा.आशीष साहू सहित अन्य लोग मौजूद रहे। वाराणसी के अस्सी घाट पर जीएसके इम्पालाइ द्वारा सोशल एक्टिविटी किया गया। जिसमें सभी सदस्यों ने गंगा घाट की सफाई करते हुए लोगों को जागरूक किया। इसके बाद संस्था द्वारा चित्र प्रतियोगिता, निबंध लेखन, क्विज प्रतियोगिता के साथ ही अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे नृत्य, देश भक्ति गीत की प्रस्तुति की गई।

पेपर लीक में बार-बार फॉर्म का पैसा होता है बर्बाद

बीजेपी ने नौजवानों को बना दिया डिलीवरी ब्वॉय-कांग्रेस

परिवर्तन दूत

वाराणसी (प.सं.)। उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस आउटरीच प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में बेरोजगारी के मुद्दे पर जमकर प्रहार किया गया। युवा कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि युवा नौकरी के लिए भटक रहा। उसके पास फॉर्म भरने तक पैसे नहीं हैं। पेपर लीक और एग्जाम रद्द होने से कई बार एप्लिकेशन फॉर्म भरना पड़ता है। मैदागिन स्थित पार्टी कार्यालय में महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने कहा कि जो लोग ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की बात करते हैं उन्होंने नौजवानों को डिलीवरी ब्यॉय बना दिया है। क्या भाजपा सरकार के पास नौजवानों के लिए यही रोजगार है। राघवेंद्र चौबे ने कहा कि भाजपा सरकार में अपराध, भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रही है। कानून व्यवस्था पर जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो हो चुका है। पूरे उत्तर प्रदेश में यूपी में बहन-बेटियों के साथ आपराधिक घटनाएं लगातार बढ़ रहीं हैं। किसानों की

आय दोगुनी नहीं हुई। महंगाई बढ़ती जा रही है और बेरोजगारी चरम पर है। खेती का लागत मूल्य बढ़ गया। किसानों को फसलों की कीमत नहीं मिली। वर्तमान समय मे 90 फीसदी नौजवान बेरोजगार है। जिनकी नौकरियां थी उसे छीन लिया।

युवा कांग्रेस आउटरीच प्रकोष्ट के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद आदिल ने कहा कि देश में युवा नौकरी के लिए भटक रहा है। फॉर्म भरने में उनके और परिवार के हजारों रुपये बर्बाद हो रहे हैं। काफी छात्र गरीबी रेखा के नीचे हैं। और छात्र जब सेंटर पर पहुंचता है तो परीक्षा रद्द हो जाती है। परीक्षा देने के बाद पेपर लीक हो जाता है और बेरोजगार युवा नौकरी की उम्र पार होने की वजह से हताश और निराश हो जाता है।

मैत्री मैच में महाप्रबंधक एकादश विजयी

परिवर्तन दूत

वाराणसी (प.स.)। बरेका खेल संघ के तत्वाधान में बरेका स्टेडियम में आज का मैत्री पूर्ण मैच बनारस डिवीजन डीआरएम एकादश, एनईआर बनाम महाप्रबंधक एकादश, बरेका के बीच खेला गया। जिसमें मुख्य अतिथि बरेका महाप्रबंधक श्री बासुदेव पांडा द्वारा उद्धघाटन किया गया। जिसमे टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए डीआरएम एकादश ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 103 रन बनाये। जिसमे रहमान ने सर्वाधिक 19 रन, पंकज ने 15 रन बनाए। महाप्रबंधक एकादश बरेका की ओर से अंकित ने 2 विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी महाप्रबंधक एकादश बरेका ने 15.5 ओवरों में 7 विकेट खोकर 105 रन बनाया । अनुज ने सर्वाधिक 37 रन , नीरज ने 15 रन। डी.आर.एम. एकादश की ओर से बालेंद्र ने 4 विकेट लिए। महाप्रबंधक एकादश बरेका 3 विकेट से विजयी रही। जिसमे

मैन ऑफ द मैच अनुज कटियार, उप.मु. वि.इजी.लोको, बेस्ट बैट्समैन श्री शेख रहमान सीनियर डी सी एम बेस्ट बॉलर बालिंदर पाल सीनियर डीएसओ को चुना गया, पुरस्कार वितरण के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक बासुदेव पांडा एवं महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षता श्रीमती नीलिमा पांडा तथा डीआरएम एनईआर वी के श्रीवास्तव द्वारा किया गया। जिसमे वी. के. श्रीवास्तव डीआरएम,श्री एस. के श्रीवास्तव पी.सी.ई.ई नीरज वर्मा पी.एफ.ए, सुनील कुमार सी.एम.ई.पी.एंड एम., शिशिर दत्त पी.सी.एम.ई, आर आर प्रसाद सी.डी.ई./डीजल, अंकित प्रधान ए.एफ.ए, आर के सिंह ए.डी.आर.एम, आर एल यादव ए.डी.आर.एम, अन्य अधिकारी गण व खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर याद किये गये पं. दीनदयाल उपाध्याय

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। भाजपा मंडल रामनगर ने रविवार को शक्तिकेंद्र सुल्तानपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि मनाई गई। मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में पंडित जी को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रामनगर मंडल प्रवासी हाथरस के निवर्तमान जिला अध्यक्ष गौरव आर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन राष्ट्र सेवा और उसके प्रति समर्पण का एक विशाल प्रतीक है। उनका मानना था कि कोई भी देश अपनी संस्कृति के मूलभूत मूल्यों की उपेक्षा करके प्रगति नहीं कर सकता। कार्यक्रम में अजय प्रताप सिंह, अशोक पटेल, मानसिंह मौर्य, संतोष श्रीवास्तव, अश्विनी मिश्रा, देवेंद्र सिंह, राम इकबाल सिंह, अन्नपूर्णा मौर्य, कन्हैयालाल, कैलाश कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

बीएचयू कैंपस में तिरंगा झंडा लगाने की मांग

हस्ताक्षर अभियान चलाकर कुलपति को सौंपा ज्ञापन

परिवर्तन दूत

वाराणसी (प.सं.)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय स्थित विश्वनाथ मंदिर के सामने विश्वविद्यालय कैंपस में तिरंगा झंडा स्थापित करने की मांग को लेकर छात्रों ने हस्ताक्षर अभियान चलाया। इसको लेकर छात्रों द्वारा कुलपति को पत्र दिया था। छात्रों ने कहा कि जब कोई पहल नहीं हुई तो हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह को भी पत्र दिया।

छात्र विवेक सिंह ने बताया कि आज तिरंगा स्वाभिमान आन्दोलन के अगली कड़ी में हम सभी छात्रों द्वारा काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर स्थित विश्वनाथ मंदिर के सामने हस्ताक्षर अभियान चलाया। विवेक सिंह ने कहा कि हम लोगों ने इसको लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन को पत्रक दे चुके हैं और जब वहां से कोई जवाब नहीं आया तो पीएम और गृहमंत्री को

पत्रक भेजा हैं। विवेक ने कहा कि हस्ताक्षर अभियान में बढ़-चढ़कर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं अध्यापक हिस्सा ले रहे हैं उनका भी कहना है कि विश्वविद्यालय में एक स्थल होना चाहिए जहां पर तिरंगा झंडा लगा चाहिए। विवेक ने कहा कि देश में ऐसे बहुत से विश्वविद्यालय हैं जिनमें मुख्य द्वार पर ही बड़ा तिरंगा झंडा लगाया गया है तो बीएचयू में क्यों नही लगवाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन पहल कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से मुख्य रूप से विवेक सिंह अभिषेक,पवन सिंह,अंकित, देवराज सिंह देवांश शुक्ला,पवन कुमार आदि मौजूद रहे।

अतिक्रमण के खिलाफ थाने पर प्रदर्शन

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के गौर गांव के दर्जनों महिला व पुरुष रविवार को गांव के सार्वजनिक सड़क पर अतिक्रमण को लेकर थाने पर पहुंच विरोध प्रदर्शन किया। सभी ने अतिक्रमणकारियों पर विरोध करने के पर गाली गलौज देते हुए जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। जानकारी के मुताबिक, गौर निवासिनी राधिका देवी वार्ड नंबर 2 से सदस्य हैं। इन्होंने मिर्जामुराद थाने की पुलिस को लिखित शिकायत दर्ज कराया कि गौर गांव निवासी जितेंद्र राजभर, सुरेंद्र व सुमित आदि गांव के एक आम रास्ते (सड़क) को अवरुद्ध करके उस पर अतिक्रमण कर दिए हैं। जिससे कि लोगों को वहां से आने-जाने में परेशानी हो रही है। उन्होंने रास्ते पर कब्जा करने की नियत से ईट रख दिया है और रास्ते पर बाथरूम का निर्माण कराया जा रहा है। मना करने पर विपक्षियों ने गाली गलौज देते

पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि मनाई गई

छात्रों ने कागज पर उकेरी तस्वीरें, 60 समाजसेवियों का सम्मान

परिवर्तन दूत

वाराणसी (प.सं.)। जनसंघ के संस्थापक पं. दीन दयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि रविवार को मनाई गई। वाराणसी में कार्यक्रम कर पं. उपाध्याय को याद किया गया। जानकारी के लिए बता दें कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मृत्यु 11 फरवरी 1968 में हुई थी। उनकी 56वीं पुण्यतिथि पर वाराणसी के दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्थल पर उन्हें खास तरीके से याद किया गया। उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा के साथ हवन, पेंटिंग कॉम्पटीशन, कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। नन्हें-मुन्ने बच्चों ने कागज पर पेंसिल, रंग और ब्रश के जरिए उनकी तस्वीरों को उकेर उन्हें याद किया। इसके आलावा स्थानीय लोगों के

उत्तम स्वास्थ्य लाभ के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं दवा वितरण किया गया। दीनदयाल के पुण्यतिथि पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिस पर बच्चों ने उनकी विचारधारा को शब्दों में सहेजा और उन्हें याद कर उनके दिखाए कदमों पर चलने के लिए लोगों को जागरूक किया। दीनदयाल उपाध्याय सेवा प्रतिष्ठान द्वारा दूसरी बार वाराणसी में इसका आयोजन हुआ था। प्रतिष्ठान के प्रदेश संयोजक हेमंत राज ने बताया कि आज उनके पुण्यतिथि पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

हेमंत ने बताया कि आयोजनों में पेंटिंग प्रतियोगिता, कवि सम्मेलन, सांस्कृतिक आयोजन, हवन और समाज में सेवा भाव से काम करने वाले 60 समाज सेवियों का सम्मान भी किया गया है। इसके अलावा, बच्चों ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी पर खूबसूरत पेंटिंग भी बनाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रतिष्ठान के उपाध्यक्ष व भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संजय चौधरी ने दीनदयाल की दृष्टि अंत्योदय,मंत्र अन्त्योदय रहा है। उन्होंने यह बताया कि केवल भौतिक सुख से किसी शांति मिलती है। राष्ट्र और राज में अंतर है राज सत्ता का प्रकटीकरण है जबकि राष्ट्र संस्कृति का उद्घोषणा करती है।

पंडित जी के सिद्धांतों व आदर्शों पर चलने का लिया गया संकल्प

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पिछड़ा मंडल मोर्चा के ओर से पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 56वीं पुण्यतिथि मनाई। इस दौरान बीजेपी कार्यकताओं ने पंडित जी के आदर्शों व उनके बताए रास्तों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में लालजी गुप्ता, शोभनाथ मौर्या, शोभनाथ यादव, संजय कुशवाहा, अमित सौरभ, मनोज तिवारी, नीरज शर्मा, मुन्ना लाल यादव, सुरेश यादव आदि उपस्थित रहे।

परिवर्तन दूत

संपादकीय

विश्व युद्ध की नींव रखता चीन

प्रेम शर्मा

भारत ही नही बल्कि चीन ने पूरी दुनिया को अपना दुश्मन बना लिया है. चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग बारूद के ढेर पर बैठकर आग से खेल रहे हैं। ऐसे में इस आशंका को नकारा नही जा सकता कि कहीं वे चीन के लिए भस्मासुर साबित नहीं हो जाएं. उनका हर कदम भड़काऊ रहता है। नाटो देश भी यह बॉत अच्छी तरह समझ चुके है कि चीन दुनिया की शांति के लिए खतरा बन गया है। चीन अपनी नीतियों की वजह से दुनिया के लिए सबसे बड़ी मुसिबत बनता जा रहा है। चीन अपनी इस नीति के जरिए 150 से ज्यादा देशों में 112 लाख करोड़ से ज्यादा रकम कर्ज या निवेश के तौर पर लगा चुका है।चीन की हाल ही में बैलिस्टिक मिसाइलों को दागने के लिए की गई तैयारी इस बॉत का संकेत दे रही है कि उसकी यह तैयारी केवल भारत के लिए नही बल्कि विश्व युद्ध की नींव रखने की तैयारी है। बीजिंग से करीब 2000 किलोमीटर पश्चिम में मौजूद बंजर रेगिस्तान को चीन सरकार इन दिनों जगह-जगह खोद रही है। यह कोई विकास की योजना नहीं, बल्कि अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों, यानी आईसीबीएम से परमाणु हथियारों को दागने के लिए सैकड़ों किमी लंबा-चौड़ा मैदान है। चीन अपने उत्तर-पश्चिमी प्रांत यूमेन के करीब रेगिस्तान में 110 से ज्यादा अंडरग्राउंड ठिकाने बना रहा है। ऐसे ठिकाने को साइलोऔर ऐसे ठिकानों से भरे पूरे इलाके को साइलो फील्ड कहा जा रहा है। इनसे ऐसी बैलिस्टिक मिसाइलें दागी जा सकती हैं। जिनकी मारक दूरी 5,500 किमी से ज्यादा होगी। यह खुलासा कॉमर्शियल सैटेलाइट्स से ली गई तस्वीरों की एनालिसिस से हुआ है। यह साइलो फील्ड चीन के झिंजियांग क्षेत्र के पूर्वी हिस्से में है। यह इलाका हामी शहर में चीन के कुख्यात रीएजुकेशन शिविरों से ज्यादा दूर नहीं है। पिछले हफ्ते द फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट ने प्लैनेट लैब्स सैटेलाइट्सश् की तस्वीरों के जरिए इसकी पहचान की है। फेडरेशन ने ये तस्वीरें न्यूयॉर्क टाइम्स से भी शेयर की हैं। यह हामी शहर से 60 किमी दक्षिण-पश्चिम में उइगर मुसलमानों के लिए बनाए गए सरकारी रीएजुकेशन सेंटर के करीब है। इन सेंटर्स में उइगर मुसलमानों को कट्टरता से बाहर निकालने के नाम पर कैद में रखा जाता है।एक्सपर्ट्स के अनुसार सैटेलाइट तस्वीरों में परमाणु मिसाइलों के सैकड़ों लॉन्च ठिकानों का पता लगना कोई इत्तेफाक नहीं है। दरअसल, यह साइलोज बनाए ही इसलिए गए हैं ताकि दुनिया को दिख जाएं। दरअसल, आर्थिक और तकनीकी महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षा के चलते चीन अपने परमाणु हथियारों का जखीरा अमेरिका और रूस जितना बढ़ा कर उनकी नुमाइश करना चाहता अभी कुछ हफ्ते पहले भी इसी तरह के एक और इलाके का पता चला था। उसमें भी परमाणु मिसाइलों को लॉन्च करने के लिए 100 से ज्यादा साइलोज बनाए जाने का खुलासा हुआ था। यह इलाका यूमेन से करीब 500 किलोमीटर दूर रेगिस्तान के हामी इलाके में है। सैटेलाइट की इन तस्वीरों से ही हामी से कुछ दूर चीन के एक लेजर गन के ठिकाने का भी पता चला है। इनका इस्तेमाल दूसरे देशों के सैटेलाइट मार गिराने में किया जाएगा। यानि 210 से ज्यादा साइलोज से दागी जाने वाली आईसीबीएम की चपेट में पूरी दुनिया आ सकती है। अब सवाल यह उठता है कि परमाणु हथियारों को लेकर अब तक न्यूनतम सिद्धांत पर चल रहा चीन अधिकतम पर क्यों चला गया? इस सवाल को लेकर कई तरह की थ्योरी हैं। विशेषज्ञ इस बदलाव के लिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग की विस्तारवादी नीति को मुख्य वजह बता रहे है। चीन अब खुद को एक आर्थिक, तकनीकी और सैन्य सुपर पावर मानता है और चाहता है कि उसका परमाणु जखीरा भी बाकी दोनों सुपरपावर यानी अमेरिका और रूस जैसा बड़ा हो। लेकिन चीन अमेरिका के मिसाइल डिफेंस, भारत के तेजी से बढ़ते परमाणु जखीरे और रूस के नए हाइपरसॉनिक और ऑटोमैटिक परमाणु हथियारों को लेकर चिंतित है। चीन इन तीनों चुनौतियों को बड़ी संख्या में दूर तक मार करने वाले परमाणु हथियार बनाकर काउंटर करना चाहता है। दरअसल, दुनिया का अच्छे से अच्छा मिसाइल डिफेंस बड़ी संख्या में दागी गईं अलग-अलग तरह की मिसाइलों से चकरा सकता है। चीन को चिंता है कि जमीन से दागी जाने वाली उसकी मिसाइल हमले की स्थिति में तबाह हो सकती हैं। ऐसे में दो जगहों पर 200 से ज्यादा साइलो बनाकर चीन अपने दुश्मन को चौंकाना चाहता है। अमेरिका से युद्ध की स्थिति में अगर चीन 20 परमाणु मिसाइलों को इन 200 से ज्यादा साइलोज में घुमाता रहा तो अमेरिका मिसाइलों का अंदाज ही लगाता रह जाएगा। यही नही हामी इलाके से करीब 420 किमी पश्चिम में एक सुव्यवस्थित परिसर में ऐसी बिल्डिंग्स का भी पता चला है, जिनकी बड़ी-बड़ी छत आसमान की ओर खुल सकती हैं। हाल ही में विशेषज्ञों ने इस परिसर को चीन के उन पांच ठिकानों में से एक बताया है जहां से वह अंतरिक्ष में चक्कर लगाते निगरानी सैटेलाइट्स को लेजर बीम दागकर गिरा सकता है। लेजर बीम सैटेलाइट्स के नाजुक ऑप्टिकल सेंसर को खराब कर देती है। भारत को लेकर चीन का रवैया लुकाछिपी वाला रहा है। नियंत्रण रेखा से सैनिक हटाने के समझौते के बावजूद चीनी सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में दाखिल होकर एक बार फिर सीमावर्ती विवाद को गर्मा चुका है। बीते साल मई के महीने में भारत और चीन के बीच शुरु हुए सीमा विवाद को अब एक साल हो गया है। इस बीच दोनों मुल्कों के कूटनीतिज्ञों और सैन्य अधिकारियों के बीच कई दौर की बातचीत हुई है। लेकिन इस मामले का अब तक कोई हल नहीं निकला। 31 जुलाई को भारत और चीन के सैन्य शीर्ष कमाण्डरों की 12 बैठक में भी कोई हल नही निकल पाया।

फिर खतरा बनता अफगानिस्तान

संजय गुप्त

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के सत्ता संभालते ही यह बात स्पष्ट होने लगी थी कि अमेरिका अफगानिस्तान से जल्द ही अपनी सेनाओं को वापस बुला लेगा। आखिरकार ऐसा ही हुआ। कुछ समय पहले बाइडन ने अचानक यह घोषणा कर दी कि 31 अगस्त तक अमेरिकी सेनाएं अफगानिस्तान से अपने साजो-सामान के साथ लौट आएंगी। इस घोषणा के साथ ही तालिबान ने अपनी सैन्य सक्रियता और बढ़ा दी। वह अमेरिका के साथ हुए समझौते को दरकिनार कर अफगानिस्तान के ज्यादा से ज्यादा इलाके पर कब्जा करना चाह रहा है। वह सीमांत इलाकों को खास तौर पर कब्जाने की कोशिश कर रहा है, ताकि अफगानिस्तान सरकार को कमजोर किया जा सके। वह बड़े शहरों पर भी कब्जा करने की फिराक में है। इसी सिलसिले में उसने कंधार की घेरेबंदी शुरू की और पिछले दिनों पाकिस्तान से लगते स्पिन बोल्डाक इलाके पर कब्जा करने की कोशिश की। यह वही इलाका है, जहां तालिबान ने भारतीय फोटो पत्रकार दानिश सिद्दीकी की बर्बरता से हत्या की। उनकी हत्या इसीलिए की गई, क्योंकि वह भारतीय थे। इससे यही पता चलता है कि तालिबान भारत से घृणा करते हैं।तालिबान की लड़ाई आसान बनाने के लिए पाकिस्तान से लश्कर और जैश के लड़ाके भी अफगानिस्तान पहुंच गए हैं। जब अमेरकिा की बची-खुची सेनाएं अफगानिस्तान से लौटने की तैयारी कर रही हैं, तब अमेरिका ने यह भी घोषणा की कि वह इराक से भी एक साल के अंदर अपनी सेनाओं को वापस बुलाएगा। अमेरिका ने दो दशक पहले अफगानिस्तान और पश्चिम एशिया से आतंक को समाप्त करने के लिए यहां अपने कदम रखे थे, लेकिन वह ऐसा किए बगैर ही अपनी सेनाओं को वापस बुला रहा है। अफगानिस्तान और इराक से सेनाएं लौटाने का डेमोक्रेटिक पार्टी का फैसला अमेरिकी नागरिकों की इस सोच पर आधारित है कि आखिर उनके अपने लोग दूसरे देशों में अपनी

जान क्यों गंवाएं? अमेरिका अब इस नीति पर पहुंच रहा है कि जिन देशों में आतंकी संगठन सक्रिय हैं और वे अमेरिकी हितों के लिए खतरा बन सकते हैं, वहां की जमीन पर अपने सैनिकों को उतारने से बचा जाए। इसके बजाय वह ड्रोन या हवाई हमलों से आतंकियों को निशाना बनाने का काम करेगा। इन दिनों वह यही काम अफगानिस्तान में तालिबान के खिलाफ कर रहा है। फिलहाल यह कहना कठिन है कि अमेरिका के हवाई हमले तालिबान को कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं, क्योंकि वे अपने कदम पीछे खींचते अथवा उस समझौते का पालन करते नहीं दिखते, जो अमेरिका के साथ हुआ था। अफगानिस्तान छोडने के अमेरिका के फैसले से भारत का चिंतित होना स्वाभाविक है, क्योंकि वहां उन तालिबान के काबिज होने की आशंका उभर आई है, जो न केवल किस्म-किस्म के आतंकी संगठनों को पनाह देते हैं, बल्कि पाकिस्तान के पिट्ठू हैं। तालिबान के खतरनाक इरादों से अफगानिस्तान में भारतीय हितों के लिए गंभीर खतरा पैदा होने के साथ ही इसकी भी आशंका बढ़ गई है कि पाकिस्तान तालिबान की मदद से कश्मीर में आतंकवाद बढ़ाने का काम कर सकता है। भारत अफगानिस्तान के निर्माण में जुटा हुआ था। उसने इस देश में स्कूल, सड़कें, संसद भवन समेत बुनियादी ढांचा खड़ा करने का एक बड़ा काम किया है। वह अफगानिस्तान को एक लोकतांत्रिक देश के रूप में स्थापित करने के लिए हर संभव मदद दे रहा था। तालिबान अफगानिस्तान के साथ-साथ मध्य एशिया के देशों और भारत के लिए भी एक गंभीर चुनौती है। इस चुनौती के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भारत आए और उनसे भारतीय नेताओं की अफगानिस्तान पर व्यापक बातचीत हुई। उनके बाद अमेरिकी सेना प्रमुख भी भारत यात्रा पर आए। अफगानिस्तान को लेकर भारत और अमेरिका के बीच चर्चा इसलिए जरूरी है, क्योंकि जिस समय अमेरिकी विदेश मंत्री भारत में थे, उसी समय चीनी विदेश मंत्री तालिबान नेताओं को चीन बुलाकर बातचीत कर रहे थे। चीन ने तालिबान नेताओं की जिस तरह आवभगत की, उससे अमेरिका और भारत की चिंता बढ़ी है। यह अंदेशा गहरा रहा है कि चीन और पाकिस्तान मिलकर अफगानिस्तान को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश करेंगे।अफगानिस्तान में अमेरिका की नाकामी पर हैरानी नहीं। वह वहां इसीलिए नाकाम हुआ, क्योंकि उसने तालिबान को संरक्षण देने वाले पाकिस्तान पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इसके पहले रूस भी अफगानिस्तान में नाकाम हो चुका है। जब रूसी सेनाएं अफगानिस्तान में थीं, तब अमेरिका ने मुजाहिदीन तैयार कर उन्हें हथियार दिए। बाद में उनका स्थान तालिबान ने ले लिया। इन्हें पाकिस्तान ने प्रशिक्षित किया और अमेरिका ने भी उनकी सहायता की। तब शायद अमेरिका को यह पता नहीं था कि जिस तालिबान की वह मदद कर रहा है, वही उसके सीने में खंजर घोप देगा। तालिबान ने उस अलकायदा को पाला-पोसा, जिसने 9-11 हमले को अंजाम दिया। तालिबान और अलकायदा जितना खतरनाक इस्लामिक स्टेट भी है, जिसने सीरिया और इराक में सिर उठाया। यह आतंकी संगठन भी अमेरिकी की गलत नीतियों से उभरा। ऐसे ही आतंकी संगठन लीबिया में भी उभरे। यह अंदेशा है कि अफगानिस्तान में तालिबान के काबिज होने से कोई नया आतंकी संगठन उभर सकता है, क्योंकि यह साफ दिख रहा कि वह अलकायदा और इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकी संगठनों को अपना समर्थन देना जारी रखेगा। यह भी तय है कि पाकिस्तान तालिबान का पूरा साथ देगा। पाकिस्तान भले ही यह कह रहा हो कि वह तालिबान का प्रवक्ता नहीं, लेकिन सच यही है कि वह उसे हर तरह का सहयोग और समर्थन दे रहा है। इसका पता पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के इस बयान से चलता है कि तालिबान कोई सैन्य संगठन नहीं, वे सामान्य नागरिक हैं। पाकिस्तान ने हमेशा भारत के प्रति शत्रुवत रवैया अपनाया है। वह आज भी कश्मीर को हथियाने का सपना पाले हुए है। चूंकि वह आमने-सामने के युद्ध में भारत से नहीं जीत सकता, इसलिए वह कश्मीर में छद्म युद्ध छेड़े हुए है। इस छद्म युद्ध में वह तालिबान की भी सहायता ले सकता है। इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि कश्मीर में सक्रिय रहने वाले लश्कर और जैश तालिबान के सहयोगी हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कि मोदी सरकार अफगानिस्तान के मामले में किस नीति पर चलेगी, लेकिन उसकी जैसी विदेशी नीति रही है, उससे यह तय है कि वह न तो हाथ पर हाथ रख कर बैठे रहेगी और न ही अफगानिस्तान को तालिबान के हाथों में जाता हुआ देखती रहेगी।

विपक्षी महारथियों ने टरकाया तब ममता बनर्जी को समझ आया, 'दिल्ली अभी दूर है'

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पाँच दिवसीय दिल्ली दौरे से पहले ऐसा माहौल बना दिया गया था कि दिल्ली में बड़ा राजनीतिक भूचाल आने वाला है और विपक्ष का नेता कौन होगा, इस सवाल का जवाब मिलने वाला है। ममता बनर्जी खुद भी बड़ी उम्मीदों और आशाओं के साथ दिल्ली आईं लेकिन केंद्र की राजनीति के विपक्षी महारथियों ने उन्हें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से साफ संकेत दे दिये कि अभी उनसे पहले कई लोग कतार में लगे हैं। लेकिन ममता बनर्जी भी योद्धा हैं वह दिल्ली की राजनीति कई वर्षों तक कर चुकी हैं इसीलिए जानती हैं कि यहाँ वापस से जगह बनाना इतना आसान नहीं है इसलिए दीदी ने तय किया है कि वह हर दो महीने में दिल्ली आयेंगी ताकि उनकी सक्रियता यहाँ बनी रहे।वैसे विपक्षी महारथियों ने भले ममता को नेतृत्व के मुद्दे पर टरका दिया हो लेकिन उन्हें एक बात जान लेनी चाहिए कि यदि वह ममता बनर्जी को अपना नेता मानने को तैयार नहीं हैं तो ममता बनर्जी भी उनमें से किसी को आसानी से अपना नेता मानने को तैयार नहीं होंगी। ममता बनर्जी ने सोनिया गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं के साथ मुलाकात के बाद भले कह दिया हो कि भाजपा के खिलाफ बनने वाले गठबंधन का नेतृत्व कौन करेगा यह मुद्दा ही नहीं है और वक्त आने पर नेता का नाम तय हो जायेगा लेकिन सच्चाई यह है कि असल मुद्दा नेतृत्व ही है और इस बात को लेकर विपक्षी दलों के बीच अच्छी-खासी खींचतान भी है।जरा टाइमिंग पर गौर कीजियेगा जिस समय मोदी सरकार को घेरने के लिए ममता बनर्जी विपक्ष के नेताओं से बातचीत के लिए दिल्ली आईं ठीक उसी समय कांग्रेस बेहद सक्रिय हो गयी। राहुल गांधी और कांग्रेस के आला नेता लगातार विपक्ष के नेताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं और मीडिया को भी संयुक्त रूप से संबोधित कर रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस के नेता राष्ट्रीय राजनीति के परिदृश्य से एकदम गायब थे। भले यह कहा जा सकता है कि अभी संसद का सत्र चल रहा है इसलिए कांग्रेस को सक्रिय होना ही था लेकिन जानकार सूत्रों का यही कहना है कि कांग्रेस की ओर से अप्रत्यक्ष रूप से ममता बनर्जी को संदेश दिया गया है कि बिना उसकी भागीदारी और बिना उसके नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन बन ही नहीं सकता और बन भी गया तो चल नहीं सकता। भारत का राष्ट्रीय राजनीतिक इतिहास भी यही कहता है कि कांग्रेस ने अपने समर्थन से चलने वाली किसी भी सरकार को कार्यकाल पूरा नहीं करने दिया है। हाँ, कांग्रेस के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकारें जरूर अपना कार्यकाल पूरा कर पायी हैं।खैर ममता बनर्जी पर ही केंद्रित रहा जाये तो यह साफ दिख रहा है कि तीन बार बंगाल का मैदान जीतने वालीं तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने इस बार अपने लिये बड़ा लक्ष्य तय कर लिया है। इसके लिए उन्होंने रणनीति बनाकर मेहनत भी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के और किसी सुझाव को वह भले नहीं मानें लेकिन आत्मनिर्भर बनने का मोदी का रास्ता उन्हें जरूर भा गया है। इसीलिए तृणमूल कांग्रेस हिंदी पट्टी के राज्यों में अपना आधार बढ़ाने के लिए जल्द ही वहाँ चुनावी मैदान में उतरेगी। तृणमूल कांग्रेस का प्रयास रहेगा कि पश्चिम बंगाल के बाहर भी चुनाव जीता जाये जिससे समय आने पर अन्य दल उसके नेतृत्व में या उसके साथ खड़े हो सकें। देखा जाये तो राजनीति में महत्वाकांक्षी होना गलत नहीं है और शीर्ष पद की आकांक्षा सबको रखनी ही चाहिए लेकिन अपने लिये बड़ी आकांक्षा रखने और लोगों की आकांक्षाएं पूरी करने में बड़ा फर्क होता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में आज कई समस्याएं हैं और वर्तमान सरकार की ओर से कई बड़ी चुनौतियों पर विजय पाना अभी बाकी है। ऐसे में विपक्ष की ओर से यदि देश के सामने विकल्प पेश करने का प्रयास किया जा रहा है तो इसमें कुछ गलत नहीं है। लेकिन विपक्ष को समझना होगा कि सिर्फ मोदी विरोधी एजेंडे के जरिये ही भाजपा का मुकाबला नहीं किया जा सकता। भाजपा का मुकाबला करना है तो आपको जनता के सामने इस बात की रूपरेखा पेश करनी होगी कि वर्तमान चुनौतियों और समस्याओं से वह कैसे निबटेंगे। साथ ही विपक्षी दलों को समस्याओं का हल निकालने का अपना ट्रैक रिकॉर्ड भी जनता को बताना होगा क्योंकि इस देश ने देखा है कि कैसे किसानों की कर्ज माफी या अन्य लोक लुभावन वादों के सहारे सत्ता हासिल करने वाले दल बाद में अपने वादों पर चुप्पी साध जाते हैं। विपक्ष को यह बात भी समझनी होगी कि नेतृत्व के लिए उसके बीच जितना झगड़ा होगा वह उसके लिए उतना ही नकारात्मक सिद्ध होगा क्योंकि जनता कभी नहीं चाहेगी कि वह एक स्थिर सरकार को हटा कर ऐसी सरकार लाये जिसमें प्रधानमंत्री की कुर्सी के लिए नेता आपस में ही भिड़ते रहें। देश की जनता को आज पूर्ण बहुमत की सरकार द्वारा लिये जाने वाले कड़े और बड़े फैसलों के महत्व, उन फैसलों के परिणाम और उसमें आने वाले आनंद का पता लग चुका है इसलिए अब केंद्र में दोबारा से गठबंधन सरकार का बनना बेहद मुश्किल है। जनता यह भूली नहीं है कि साल 2011 में अपने एक संवाददाता सम्मेलन में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को भ्रष्टाचार संबंधी सवाल के जवाब में कहना पड़ा था कि गठबंधन सरकार की कुछ मजबूरी होती है। उन्होंने कहा था कि अगर हरेक बात पर कार्रवाई होने लगे तो हर छह महीने में चुनाव कराने पड़ेंगे। तो ऐसी स्थिति को इस देश की जनता ने देखा है, भुगता है और उसे सबकुछ याद भी है। इसलिए सरकार चलाने के लिए सहयोगी दलों को जनता के पैसे की लूट करने की छूट देने का अवसर अब किसी दल को नहीं मिलने वाला। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस भले तकनीकी लिहाज से राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता रखती हो लेकिन उसका गठन क्षेत्रीय आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए हुआ था। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में तमाम ऐसे क्षेत्रीय दल हैं जो अपनी जनता के भले के लिए काम कर रहे हैं लेकिन राष्ट्रीय राजनीति एक अलग विषय है। इसलिए अगर ममता बनर्जी प्रधानमंत्री पद की आकांक्षा रखती हैं तो उन्हें यह भी बताना चाहिए कि आर्थिक, विदेश, रक्षा आदि गंभीर मुद्दों पर तृणमूल कांग्रेस की क्या सोच है और क्या नीति है।

खैर ममता बनर्जी पर ही केंद्रित रहा जाये तो यह साफ दिख रहा है कि तीन बार बंगाल का मैदान जीतने वालीं तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने इस बार अपने लिये बड़ा लक्ष्य तय कर लिया है। इसके लिए उन्होंने रणनीति बनाकर मेहनत भी शुरू कर दी है।

पहाड़ों से छेड़छाड़ के घातक नतीजे

पंकज चतुर्वेदी

बरसात के मौसम में पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन जनित घटनाएं बहुत आम होती जा रही हैं। पिछले दिनों महाराष्ट्र के कई गांवों में बरसात तबाही लेकर आई। पहाड़ों की गोद में बसे कई गांव देखते ही देखते नजरों से लुप्त हो गए। महाराष्ट्र के रायगढ़ के महाड़ में पहाड़ खिसका और बस्ती मलबे में बह गई। रत्नागिरी के पोसरे बोद्धवाड़ी में भी तबाही हुई। राज्य के करजात, दाभोल, लोनावला आदि में पहाड़ सरकने से खूब नुकसान हुआ। उत्तराखंड के चमोली में पहाड़ के मलबे ने कई गांवों को बर्बाद कर दिया। हिमाचल प्रदेश, कश्मीर और सिलीगुड़ी से भी ऐसी ही खबरे हैं कि पहाड़ों का सीना काटकर जो सड़कें बनाई गई थीं, अब वहां बरसात के बाद मलबा बिछ गया है। ऐसी घटनाएं अभी बारिश के तीन महीनों में खूब सुनाई देंगी। जब कहीं मौत होगी तो कुछ मुआवजा बांटा जाएगा, लेकिन तबाही के असल कारणों को कुछ लोग जानबूझकर नजरअंदाज कर रहे हैं। सुना है कि महाराष्ट्र सरकार अब पहाड़ के तले बसे गांवों को अन्यत्र बसाने की तैयारी कर रही है।पहाड़ खिसकने के पीछे असल कारण उस बेजान खडी संरचना के प्रति बेपरवाही ही होती है। पहाड़ खिसकने की त्रासदी का सबसे खौफनाक मंजर अभी कुछ साल पहले उत्तराखंड में केदारनाथ यात्रा के मार्ग पर देखा गया था। देश में पर्यावरण संरक्षण के लिए जंगल, पानी बचाने की तो कई मुहिम चल रही हैं, लेकिन मानव जीवन के विकास की कहानी के आधार रहे पहाड़-पठारों के नैसघाक स्वरूप को उजाडने पर कम ही विमर्श हो रहा है। समाज और सरकार के लिए पहाड़ अब जमीन या धनार्जन का माध्यम बनकर रह गए हैं और पहाड़ अपने और समाज को सहेजने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हजारों-हजार साल में गांव-शहर बसने का मूल आधार वहां पानी की उपलब्धता होता था। पहले नदियों के किनारे सभ्यता आई, फिर ताल-तलैयों के तट पर बस्तियां बसने लगीं। किसी भी आंचलिक गांव को देखें, जहां नदी का तट नहीं है, वहां कुछ पहाड़ और पहाड़ के निचले हिस्से में झील तथा उसे घेरकर बसी बस्तियों का ही भूगोल दिखेगा। वहां के समाज ने पहाड़ के किनारे बारिश की हर बूंद को सहेजने तथा पहाड़ पर नमी को बचाकर रखने की तकनीक सीख ली थी। हरे-भरे पहाड़, खूब घने जंगल वाले पहाड़ जिन पर जड़ी-बूटियां, पक्षी और जानवर होते थे। जब कभी पानी बरसता तो पानी को अपने में समेटने का काम वहां की हरियाली करती, फिर बचा पानी नीचे तालाबों में जुट जाता। भरी गर्मी में भी वहां की शाम ठंडी होती और कम बारिश होने पर भी तालाब लबालब। बीते चार दशकों में तालाबों की जो दुर्गति हुई सो हुई, पहाड़ों पर हरियाली उजाड़ कर झोपड़-झुग्गी उगा दी गईं। नंगे पहाड़ पर जब पानी गिरता है तो सारी पहाडी काट देता है। अब तो पहाड़ों में पक्की सड़कें भी बनाई जा रही हैं। पहाड़ को एक बेकार-बेजान संरचना समझकर खोदा जा रहा है, लेकिन यह ध्यान नहीं दिया जा रहा है कि नष्ट किए गए पहाड़ के साथ उससे जुड़ा पूरा पर्यावरणीय तंत्र ध्वस्त होता है। अब गुजरात से देश की राजधानी को जोडने वाली 692 किलोमीटर लंबी अरावली पर्वतमाला को ही लें। अदालतें बार-बार चेतावनी दे रही हैं कि पहाड़ों से छेड़छाड़ मत करो, लेकिन बिल्डर लॉबी सब पर भारी है। कभी सदानीरा कहलाने वाले इस इलाके में पानी का संकट खड़ा हो गया है। सतपुड़ा, पश्चिमी घाट, हिमालय, कोई भी पर्वतमालाएं लें, खनन ने पर्यावरण को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। रेल मार्ग या हाईवे बनाने के लिए पहाड़ों को मनमाने तरीके से बारूद से उड़ाने वाले इंजीनियर इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं कि पहाड़ स्थानीय पर्यावास, समाज, अर्थव्यवस्था, आस्था और विश्वास का प्रतीक होते हैं। पारंपरिक समाज भले ही इतनी तकनीक न जानता हो, लेकिन इंजीनियर तो जानते हैं कि धरती के दो भाग जब एक-दूसरे की तरफ बढ़ते हैं या सिकुड़ते हैं तो उनके बीच का हिस्सा संकुचित होकर ऊपर की ओर उठकर पहाड़ की शक्ल लेता है। जाहिर है कि इस तरह की संरचना से छेड़छाड़ के भूगर्भीय दुष्परिणाम उस इलाके के कई-कई किलोमीटर दूर तक हो सकते हैं। पुणे जिले के मालिण गांव से कुछ ही दूरी पर एक बांध है। उसके निर्माण में वहां की पहाडियों पर बारूद का खूब इस्तेमाल हुआ। जुलाई 2014 को यह गांव पहाड़ लुढ़कने से पूरा तबाह हो गया। यह जांच का विषय है कि इलाके के पहाड़ों पर हुई तोडफोड़ का इस भूस्खलन से कहीं कुछ लेना-देना था या नहीं?किसी पहाड़ी की तोडफोड़ से इलाके के भूजल स्तर पर असर पडने, कुछ झीलों का पानीपाताल में चले जाने की घटनाएं तो होती ही रहती हैं। यदि गंभीरता से देखें तो मनुष्य के लिए फिलहाल पहाड़ों का छिन्न-भिन्न होता पारिस्थितिकी तंत्र चिंता का विषय ही नहीं है। इसका विमर्श कभी पाठ्य पुस्तकों में होता ही नहीं है। आज हिमालय के ग्लेशियर और वहां के पर्यावरण को बचाने के लिए तो सरकार सक्रिय हो गई है, लेकिन देश में हर साल बढ़ते बाढ़ और सुखाड़ वाले इलाकों में पहाड़ों से छेड़छाड़ पर कहीं गंभीरता नहीं दिखती।

आज का राशिफल

मेषः- किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी में ब्यस्तता से मन बोझिल होगा। निराशा त्याग मन को आशावादी विचारों से सिंचित करें। किसी महत्वपूर्ण क्षेत्र में सगे-संबंधियों का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कार्य क्षमता का लाभ मिलेगा।

बृषभः- भौतिक आकांक्षाएं बलवती होंगी। राजनीति से जुड़े लोगों की क्रियाशीलता बढ़ेगी। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें। खराब संगत से दूरी बनाकर रखें। शिक्षा में परिश्रम तीव्र होगा।

मिथुनः- महत्वपूर्ण घरेलू दायित्वों की पूर्ति हेतु मन में चिंता संभव। कायरे की अत्याधिक व्यस्तता से मन बोझिल होगा। पारंपरिक कायरें में व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन साथी से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

कर्कः- क्रोध व शंकाए छोड़ संबंधों में प्यार बिखेरेंगे। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। क्षमता से अधिक व्यय भविष्य के लिए चिंता उत्पन्न करेगा। किसी नये कार्य की ओर मन केंद्रित होगा। घर में खुशहाल स्थिति रहेगी।

सिंहः- जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय लेकता है। जीवन साथी के साथ मधुरता बनायें।

कन्याः- किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक होगा किंतु प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढाएंगी। परिवार में सुखद माहौल बनेगा। जरूरी कायरे को समय से करें।

तुलाः- हर समय स्वयं को लाचार बनाये रखना अच्छा नहीं है। समय का पूर्ण उपयोग करें और स्वयं को सकारात्मक दिशा की ओर केंद्रित करें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

वृश्चिकः- शासन-सत्ता के सहयोग से कार्यक्षेत्र के अवरोध समाप्त होंगे। तामसी व गैर सांस्कारिक कायरे की ओर आकर्षित मन पर अंकुश लगाने का प्रयास करें। जरूरी कायरे को समय से पूर्ण करने का प्रयास करें।

धनुः- कोई नई योजना उत्साहित करेगी। भौतिक जगत की चकाचौंध प्रभावित होंगे। रोजगार से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में सफलता मिलेगी। व्यवहारकुशलता द्वारा मान-मर्यादा बढ़ेगी।

मकरः- कुछ बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग सगे-संबंधियों में कटुता ला सकता है। नैतिक जिम्मेदारियों में सजगता काबिले तारीफ होगी। पूर्वाग्रहवश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मकता को कतई न पाले।

कुंभः- अपनी दिनर्चया को सुधार समय का पूर्ण उपयोग करें। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन में चिंता होगी। पारिवारिक जरूरतों की पूर्ति हेतु साधनाभाववश मन चिंतित होगा। मधुर वाणी से संबंधों में प्रभावशाली होंगे।

मीनः- भौतिक सुख-साधनों की ओर मन आकर्षित होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

भाजपा के भ्रष्टाचार पर आप ने रखा उपवास

आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबी हुई है नरेंद्र मोदी की सरकार-संतोष कुमार

चंदौली (परितवर्तन दूत)। जिले मे आम आदमी पार्टी चंदौली ने रविवार को दीनदयाल उपाध्याय नगर के सुभाष पार्क में नरेंद्र मोदी सरकार के भ्रष्टाचार और आप नेताओं को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बार-बार परेशान किए जाने, आम आदमी पार्टी के नेताओं के घर सम्मन भिजवाने तथा चंडीगढ़ मेयर चुनाव में की गई धांधली को लेकर उपवास किया तथा सरकार विरोधी नारे लगाए।

इस अवसर पर अधिवक्ता आप के जिला अध्यक्ष संतोष कुमार पाठक एडवोकेट ने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबी हुई है, नरेंद्र मोदी की सरकार पूरे देश को लूट रही है भ्रष्टाचार का नंगा खेल चल रहा है , सारे भ्रष्टाचारियों को भाजपा में शामिल किया जा रहा है तथा विधायकों को खरीद कर विरोधी दलों की सरकारों को गिराया जा रहा है। चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में आम आदमी पार्टी के ज्यादा पार्षद होते हुए भी बेईमानी करके भाजपा ने अपना मेयर बना दिया, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या है, और वोट चार भी है।

संतोष कुमार पाठक एडवोकेट ने कहा कि आम अदमी पार्टी के तेजी से बढते जनाधार से डरकर आम आदमी पार्टी के नेताओं को नरेंद्र मोदी बार-बार परेशान कर रहे हैं, हमारे उत्तर प्रदेश के प्रभारी राज्यसभा सांसद संजय सिंह को नरेंद्र मोदी की ईडृ डीडृ ने फर्जी तरीके से जेल में बंद कर रखा है,वर्ल्ड क्लास स्कूल बनवाने के कारण मनीष सिसोदिया को भी जेल में डाल रखा है, अब अरविंद केजरीवाल को बार-बार सम्मन भेज करके परेशान किया जा रहा है। लेकिन अरविंद केजरीवाल के पास जितने सम्मन जाएंगे अरविंद केजरीवाल उतने ही स्कूल वर्ल्ड क्लास स्कूल और अस्पताल बनवाएंगे। क्योंकि अरविंद केजरीवाल राजनीति में इसलिए आए हैं की वे देश के गरीबों के बच्चों को बेहतरीन मुफ्त शिक्षा दे सकें, गरीबों के लिए बेहतरीन मोहल्ला क्लीनिक और अस्पताल बनवा सके और उन्हें मुफ्त इलाज दे सकें, लोगों को मुफ्त बिजली दे सकें, पानी दे सकें, माता-पिता बुजुर्गों को मुफ्त में तीर्थ यात्रा करा सके, जिसके लिए लगातार अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान काम कर रहे हैं। इसी वजह से नरेंद्र मोदी बौखला गये हैं और वे आम आदमी पार्टी को खत्म करना चाहते हैं। संतोष कुमार पाठक एडवोकेट ने कहा कि आम आदमी पार्टी के लोग दूसरी मिट्टी के बने हैं, हम लोग लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए राजनीति में आए हैं और लगातार गरीबों के बच्चों के लिए वर्ल्ड क्लास स्कूल,गरीबों के मुफ्त इलाज के लिए विश्व स्तरीय अस्पताल, मोहल्ला क्लीनिक ,मुफ्त बिजली ,पानी, बुजुर्गों को मुफ्त तीर्थ यात्रा, महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा इत्यादि जनहित के मुद्दों पर मजबूती से काम करते रहेंगे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संतोष कुमार पाठक एडवोकेट, जिला उपाध्यक्ष ज्ञान पांडेय, जिला मीडिया प्रभारी प्रवीण चौबे, जिला महासचिव संतोष कुमार, जिला सचिव राजकुमार,नगर अध्यक्ष रंजीत कुमार, शिवानंद चौबे, चकिया विधानसभा अध्यक्ष राजेश द्विवेदी , विवेक शर्मा, लाल बिहारी चौब, कैलाश कुमार, रामकुमार मिश्र आदि लोग उपस्थित रहे।

तेज आवाज में डीजे बजाने से हृदय रोगियों को परेशानी

रोक लगाने की मांग

गोपीगंज (परिवर्तन दूत)। आजकल शादी विवाह में तेज गति से डीजे बजाने से हृदय रोगियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है ।कई रोगियों को डीजे के चलते अस्पताल में भर्ती होना पड़ रहा है ।नागरियों ने तेज आवाज से डीजे पर रोक लगाने की मांग की है।

मालूम हो कि जहां शासन प्रशासन द्वारा मस्जिदों व मंदिरों से लाउडस्पीकर उतारे जा रहे हैं। वही शादी विवाह में इन दोनों 10 बजे रात्रि के बाद तेज आवाज से डीजे बजाया जा रहा है। घनी बस्ती में डीजे बजाने से हृदय रोगियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

वही मैरिज ब्यूरो स्थान से भी डीजे की तेज आवाज से बजाए जाने पर लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। नागरिकों ने आरोप लगाया है कि जहां शासन प्रशासन द्वारा मस्जिदों का मंदिरों पर से लाउडस्पीकर उतारे जा रहे हैं ।वहीं पर शादी विवाह में डीजे तेज गति से बजाने की छूट दे रखी है। जिसस डीजे की आवाज इतना तेज गति से बजाई जाती है। की घरों के दीवाल तक हिल जा रहे हैं ।

वही ऐसे हृदय रोगियों के ऊपर क्या बिताता होगा वही जानते होंगे। कई हृदय रोगी डीजे के चलते अस्पताल में भर्ती होकर इलाज कर रहे हैं। किंतु शासन प्रशासन के कानों में जू नहीं एक रेंग रहा है। नागरिकों ने शासन प्रशासन से मांग किया है कि अभिलंब डीजे के आवाज पर रोक लगाने की मांग की है ।यदि इस पर रोक नहीं लगाया गया तो नागरिक सीधे मुख्यमंत्री के पास जाने के लिए विवश हो जाएंगे। नागरिकों ने सुझाव दिया है कि मैरिज हाल के संचालकों से भी रोक लगाने की मांग की है कि ऐसी स्थिति में तेज गति से डीजे ना बजने दे।

नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा ने सपरिवार अयोध्या रामलला के किए दर्शन

मोहित मिश्रा

मीरजापुर (परिवर्तन दूत)। विंध्याचल में बन रहे कारिडोर नगर में तमाम विकास कार्यों को कराने वाले लगातार विकास को लेके सजग रहने वाले नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा ने सपरिवार योगी कैबिनेट के साथ रामलला के दर्शन किए, बातचीत में बताया कि देश नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तरक़्क़ी की राह पे है, डबल इंजन की सरकार लगातार देश और प्रदेश में विकास का काम कर रही है, इसी तरह विंध्याचल में कारिडोर का काम जोरो पर हो रहा है, इससे विंध्याचल में भीड़ बढ़ी है और स्थानियों को इसका बड़ा फायदा हो रहा है, योगी सरकार ने विंध्याचल सहित प्रदेश छोटे बड़े मंदिरों के लिए खजाना खोल रखा है जबकि पिछली सरकारों ने प्रदेश को बस लूटने का काम किया है, जहां एक ओर प्रदेश की वर्तमान सरकार कारिडोर बनाने का काम कर रही वही पिछली सरकारे बस नाचने गाने में करोड़ों खर्च कर देते थे, आज पूरा देश उत्तर प्रदेश को आशा भरी निगहों से देख रहा।

समीक्षा अधिकारी की प्रारम्भिक परीक्षा सम्पन्न

भदोही। जनपद के कुल-19 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित "समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी की प्रारम्भिक परीक्षा" को निष्पक्ष, पारदर्शी व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत डॉ0 मीनाक्षी कात्यायन, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सभी परीक्षा केन्द्रों, प्रमुख स्थानों/ चौराहों पर क्यूआरटी टीम सहित पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है। पुलिस उच्चाधिकारीगण सहित समस्त थाना/चौकी प्रभारियों द्वारा परीक्षा के दौरान विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण/भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था हेतु लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को चेक किया जा रहा है साथ ही ड्यूटीरत कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। परीक्षा केंद्रों पर लगातार भ्रमणशील रहते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जा रहा है। सभी केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ यातायात व्यवस्था के भी व्यापक प्रबंध किये गये हैं। सोशल मीडिया पर भी उक्त के दृष्टिगत सतत निगरानी रखी जा रही है।

समस्त थानों पर प्राप्त 82 प्रार्थना पत्रों में से तीन का निस्तारण

भदोही। शासन की मंशा के अनुरूप फरियादियों को त्वरित न्याय की व्यवस्था हेतु प्रत्येक शनिवार आयोजित "थाना/सम्पूर्ण समाधान दिवस" पर जनपद के समस्त थानों पर "थाना समाधान दिवस" का आयोजन किया गया। समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा प्रशासनिक टीम के साथ सर्किल के थानों एवं समस्त थाना प्रभारियों द्वारा संबंधित थानों पर राजस्व टीम के साथ समाधान दिवस का आयोजन कर जनता की समस्याओं को सुना गया व उनका निस्तारण राजस्व कर्मियों की उपस्थिति में किया गया। जन सुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए कुछ का मौके पर ही निस्तारण किया गया तथा कुछ प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके। जमीन सम्बंधित थाना स्तर, आइजीआरएस या अन्य सभी माध्यमों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों को थाना समाधान दिवस रजिस्टर में अंकित करने एवं दोनों पक्षों को सूचित करते हुए पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर प्रकरण का निस्तारण करते हुए रिपोर्ट आख्या दोनों पक्षों के समक्ष ही बना कर उनके हस्ताक्षर कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

आज आयोजित थाना समाधान दिवस के दौरान समस्त थानों पर प्राप्त कुल-82 (राजस्व विभाग से सम्बंधित-81 व पुलिस-01) प्रार्थना पत्रों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए 03 (राजस्व विभाग से सम्बंधित-02 व पुलिस-01) शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम का गठन कर त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देश दिये।

छात्र-छात्राओं ने अपने सीनियरों को दी भावभीनी विदाई

चन्दौली। जिले मे डॉ. राम मनोहर लोहिया इंटर कॉलेज गंजख्वाजा में कक्षा 10 व 12 के छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह मनाया गया। इस दौरान जूनियर छात्र-छात्राओं ने अपने सीनियरों को भावभीनी विदाई दिया। डॉ. राम मनोहर लोहिया इंटर कॉलेज गंजख्वाजा में समारोह पूर्वक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इसमें जूनियर वर्ग की छात्र-छात्राओं ने सीनियरों को भावभीनी विदाई देने का काम किया। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इसके मुख्य अतिथि प्रबंधक श्याम सुंदर यादव ने कहा कि यह विदाई नहीं बल्कि इन छात्र-छात्राओं को उज्जवल भविष्य की कामना हम लोगों द्वारा की जा रही है। ताकि अपने जीवन में तरक्की का रास्ता अपना सके। यह विद्यालय उन छात्र-छात्राओं का आज भी है और भविष्य में रहेगा जो इस विद्यालय में पढ़कर अपने मुकाम हासिल करने में सफल होंगे। इस मौके पर प्रधानाचार्य दीपक कुमार, केदार यादव, सरोज देवी, मनोज यादव, सुजीत, रामचंद्र पाल, प्रेम कुमार, संतोष, संगीता देवी आदि अध्यापक उपस्थित रहे।

सुबह साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभप्रद-अनिरुद्ध

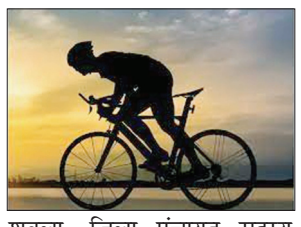

भदोही (परिवर्तन दूत)। साइकिलिंग क्लब के तत्वाधान में अताउल अंसारी की अध्यक्षता में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए प्रत्येक सप्ताह की तरह इस रविवार भी सुबह भोर में गोपीगंज बड़ा चौराहा से निकाली गयी। साइकिल यात्रा में शामिल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ एस एस यादव लोगों को जागरूक करते हुए गोपीगंज, सोनखरी, थानीपुर, इब्राहीमपुर, सिंहपुर होते हुए दिव्या लॉन ज्ञानपुर पहुंचे ।

वहां पहुँचने पर भदोही के जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी भारी संख्या में अपने समर्थकों के साथ वहां मौजूद रहे । सभी साइकिल चालकों का जोरदार स्वागत किया और कहा कि सुबह सुबह साइकिल चलाना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभप्रद है, सभी को सुबह उठ कर कुछ न कुछ योग व्यायाम करना चाहिए जिससे वो स्वस्थ रहे और मस्त रहे । साथ में जिला पंचायत सदस्य अंजनी शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र पाल बघेल भी मौजूद रहे । जिला पंचायत अध्यक्ष ने साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं साइकिल लेकर यात्रा में शामिल हुए ।

साइकिल यात्रा पुनः आरंभ होकर पुलिस लाइन का भ्रमण करते हुए हिंदुस्तान जिंदाबाद, स्वस्थ रहे मस्त रहे, करो योग रहो निरोग, हम सबने ये ठाना है पुरे भदोही को स्वस्थ्य बनाना है, सुबह की हवा सौ रोगों की दवा, भारत माता की जय, वन्दे मातरम का नारा लगाते हुए लोगों को सुबह उठने, योग, व्यायाम करने, साइकिल चलाने के फायदे के बारे में जागरूक करते हुए जी.आई.सी. मैदान में में इसका समापन हुआ ।

संक्षिप्त खबरे...

बस स्टैंड पर चाय की गुमटी में लगी आग

चिरैयाकोट(मऊ)। नगर के वार्ड 13 जमीन दुर्गा स्थित रोडवेज बस स्टैंड के पास पलक धारी यादव निवासी वार्ड 8 अब्दोपुर मानपुर की गुमटी में चाय की दुकान थी। जिसमें अज्ञात कारणों से रात्रि में आग लग गई है। पुलिस के साथ ही स्थानीय लोगों की सक्रियता से आग बुझाई गई। उसमें रखे सभी सामग्री जलकर राख हो गया है। जिसकी लगभग 30 हजार रुपए कीमत बताई गई है। चिरैयाकोट नगर के रोडवेज बस स्टैंड पर स्थित एक गुमटी में चाय की दुकान थी। जिसमें अज्ञात कारणों से आग लग गई है। गुमटी में आग लगने पर मौके पर मौजूद पुलिस ने आग को बुझाने के साथ ही स्थानीय लोगों से आग बुझाने में काफी मदद लिया। जिसके बाद काफी मस्तक के बाद काबू पाया जा सका।

भारतीय ज्ञान परंपरा के ऋषि थे पं. दीनदयाल उपाध्याय- रामाधीन पांडे

दोहरीघाट। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल अध्यक्ष रामाधीन पांडे ने रविवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि मनाई और उन्हें याद किया। सर्व प्रथम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष रामअधीन पांडे ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय ज्ञान परंपरा के उत्पन्न युग ऋषि थे। उनका जीवन हम सबके लिए उत्प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक है। उन्होंने आगे कहा कि हम सबको संकल्प लेना होगा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बताए गए रास्ते पर चलते हुए भारत को श्रेष्ठ भारत के निर्माण में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि आज की वर्तमान सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को साकार करने का निरंतर प्रयास कर रही है। इस अवसर पर राहुल गुप्ता राहुल जायसवाल पंकज मद्धेशिया मुन्ना चौहान इंदल पासवान सतीश प्रजापति लालू चौहान आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कला-विज्ञान की लगी प्रदर्शनी

घोसी/मऊ । स्थानीय नगर के नदवासराय रोड स्थित शबनम चिल्ड्रेन इंग्लिश स्कूल में रविवार को बच्चों में वैज्ञानिक सोच व कला को विकसित करने के उद्देश्य से कला और विज्ञान से जुड़ी एक विशाल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।इस प्रदर्शनी में स्कूल के छात्र- छात्राओं द्वारा विभिन्न विषयों पर अपना मॉडल बनाकर प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया। इसमें सड़क सुरक्षा, पर्यावरण, सौर मंडल, सौर ऊर्जा सहित अलग-अलग विषयों को प्रदर्शित किया गया। इस वार्षिक आयोजन में स्कूल प्रबंधन ने विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी आमंत्रित किया। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष नूपुर अग्रवाल सहित बड़रांव ब्लाक प्रमुख पूजा मिश्रा, नगर पंचायत चेयरमैन मुन्ना प्रसाद गुप्ता, समाजसेवी हरिकृष्ण उर्फ पज्जू मिश्रा, अनिरुद्ध सिंह आदि ने छात्रों के बनाए मॉडल और उनकी प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज इनोवेशन का जमाना है।

जिला सलाहारकार समिति के सदस्य बने भानु प्रताप चौहान

चंदौली (परिवर्तन दूत)। केन्द्रीय युवा व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के निर्देश पर महानिदेशक नितेश कुमार मिश्रा द्वारा चंदौली जनपद के डेढ़ावल निवासी भानु प्रताप चौहान को नेहरू युवा केन्द्र संगठन का जिला युवा सलाहकार समिति का सदस्य नामित किया है। शनिवार को देर शाम उपनिदेशक /ओएसडी अनिल कुमार सिंह ने नामित किये जाने का पत्र सौपा। केन्द्रीय मंत्री व सांसद डा. महेन्द्रनाथ पांडेय को चौहान समाज के लोगों ने धन्यवाद दिया है। डेढ़ावल गांव निवासी भानु प्रताप चौहान भाजपा युवा मोर्चा के जिला मंत्री है। लम्बे समय से सामाजिक सेवा युवा कार्य व शिक्षा सहित संस्कृति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जिसे लेकर केन्द्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के निर्देश पर महानिदेशक नितेश कुमार मिश्रा ने नेहरू युवा केन्द्र संगठन से संदर्भित युवा कार्यक्रम पर जिला सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। उपनिदेशक /ओएसडी अनिल कुमार सिंह ने नामित किये जाने का पत्र सौपा। भाजपा नेता सूर्यमुनी तिवारी, विजय गुप्ता, मोनू पांडेय, पूनम चौहान, रमाशंकर खरवार,आशीष जायसवाल सहित अन्य चौहान समाज के लोगों ने केन्द्रीय मंत्री व सांसद डा. महेन्द्रनाथ पांडेय को धन्यवाद करते हुए नवनियुक्त जिला सलाहकार समिति के सदस्य भानु प्रताप चौहान को बधाई दिया है।

बिना बताये घर से निकली सात वर्षीय छात्रा गुमसुदगी रिपोर्ट दर्ज

अहरौरा, मिजार्पुर। जिगना निवासी धर्मेन्द्र कुमार ने स्थानीय थाने में लिखित तहरीर देते हुए बताया कि मेरी पुत्री शिल्पा कुमारी 12 वर्ष जो क्षेत्र के धुरिया गांव में स्थित विद्यालय में पड़ती है कक्षा 7 की छात्रा हैं। 7 फरवरी को दोपहर स्कूल से छुट्टी होने पर लगभग शाम चार बजे मेरी पुत्री शिल्पा घर से कपड़ा चेंज करके गुमती दुकान गई और थोड़ी देर बाद बिना बताए अन्यत्र हो गई। पुत्री शिल्पा अपने साथ पॉलीथिन में एक सेट कपड़ा और घर की स्क्रीन टच मोबाइल अपने साथ लेकर गयी है। देर शाम तक पुत्री को घर न आने से पिता ने आस-पास पड़ोस रिश्तेदार में पूछताछ की। बताया कि मोबाइल कभी कभी खुल रहा है और बन्द हो जा रहा है। शिल्पा के घर न आने से पिता धर्मेंद्र ने अहरौरा थाने में शिल्पा की गुमसुदगी दर्ज कराई।

पशुओ के लिए रखा पुआल जलकर राख

चन्दौली। जिले के धीना थाना क्षेत्र के बैरी कलां गाँव मे रखा धान का पुआल का जलकर राख हो गया बतादें कि गांव के ही किसान बलिराम उपाध्याय अपने पशुओं के लिए धान का पुआल रखा हुआ था जिसमे कि अज्ञात कारणो से आग लग गई रविवार को सुबह करीब साढ़े नौ बजे घर के लोगो ने पुआल से धुआ निकलते देख शोर मचाने लगे गांव लोग जब तक मौके पर पहुंचे आग काफी बढ़ कर विकराल रूप ले चुकी थी गांव के लोगो ने हैंडपंप के जरिए आग बुझाना शुरू किया लेकिन आग लगातार बढ़ रही थी उक्त समय पर बिजली भी नही थी फिर गांव के ही राहुल पाण्डेय ने अमड़ा विद्युत उपकेंद्र पर कार्यरत जेई इन्द्रजीत सिंह को घटना कि जानकारी दी जिसको संज्ञान मे लेते हुए जेई द्वारा धीना फिडर का शटडाउन वापस कर तत्काल बिजली सप्लाई चालू कराया गया जिससे कि गांव मे लगे समरसेबल कि मदद से आग को पूरी तरह बुझाया गया।

मंडलस्तर पर दो दिवसीय कुश्ती दंगल का आयोजन

विधायक प्रभु नारायण यादव ने पहलवानों को हाथ मिलाकर किया शुभारंभ

चन्दौली। जिले के सकलडीहा विकास खंड क्षेत्र के सरेसर स्थित वन विभाग के प्रांगण में रविवार को दो दिवसीय मंडल स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि सकलडीहा विधायक प्रभु नारायण यादव ने पहलवानों को हाथ मिलाकर इसका शुभारंभ किया।

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सरेसर वन विभाग के प्रांगण में मंडल स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें चंदौली वाराणसी गाजीपुर जौनपुर मिजार्पुर के नामी पहलवानों ने भाग लेकर एक दूसरे को पटखनी देने के लिए अपने कला का प्रदर्शन किया। इस दौरान सकलडीहा विधायक प्रभु नारायण यादव ने कहा कि कुश्ती जमीनी कला है। यह हमारे पूर्वजों के जमाने से चली आ रही है। इसको जीवित रखने के लिए हम सभी लोगों को मिलकर ऐसे आयोजनों को करने की जरूरत है। इसे प्रतिभा करने वाले पहलवानों का हौसला बढ़ता है। यही नहीं आगे मुकाम भी हासिल करने में सफलता हासिल करते हैं। रही बात संसाधनों और सुविधाओं की तो सरेसर वन विभाग के प्रांगण ही नहीं बल्कि आलमपुर में अखाड़ा बनाने के साथ ही सुविधा दिलाने का प्रयास करूंगा। इस मौके पर खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के पूर्व सदस्य संतोष यादव, आयोजन कृष्णाकांत पप्पू, मिथिलेश यादव, राकेश यादव, अरविंद यादव, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि भानु प्रकाश यादव,पूर्व प्रधान रामविलास यादव ,शीतल यादव, प्रदीप यादव, दशरथ प्रधान सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। निर्णायक की भूमिका में अशोक सोनकर रहे।

कैनाल से जुड़े माइनर निर्माण के बाद पानी की आपूर्ति होते ही हुए ध्वस्त

चन्दौली इलिया। शहाबगंज विकासखंड के वनभीषमपुर पंप कैनाल के मरम्मत में मानक की जमकर धज्जियां उड़ाई गई हैं। वहीं पंप कैनाल से जुड़े माइनर निर्माण के बाद पानी की आपूर्ति होते ही ध्वस्त हो गई। जिससे किसानों की सैकड़ो एकड फसल पानी में डूबकर बर्बाद हो गई।

मुसाखांड बांध से निकले कर्मनाशा नदी सिस्टम पर दशको पूर्व पंप कैनाल का निर्माण किया गया। पंप कैनाल से पाइप लगाकर गांव के किसानों की खेतों की सिंचाई की जाती रही है। समय बीतने के साथ ही पाइप कई जगह क्षतिग्रस्त हो गया। जगह-जगह पानी लिक करने लगा, जिससे खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा था जिसके कारण सिंचाई कार्य बाधित होने लगी। और किसानों के समक्ष विकट समस्या उत्पन्न हो गया था। किसानों के लंबे समय से मांग के बाद पंप कैनाल के मरमत तथा माइनर निर्माण हेतु डेढ़ करोड़ से ज्यादा की धनराशि अवमुक्त हुई। मगर मरम्मत तथा निर्माण कार्य में मानक की जमकर धज्जिया उड़ाई गई। आरोप है कि पंप कैनाल की क्षतिग्रस्त भवन की नवनिर्माण की जगह सिर्फ मरम्मत कराया गया, पेयजल के लिए लगाया गया हैंडपंप में सामान्य बोरिंग करके काम पूरा दिखा दिया गया है जिससे गर्मी के दिनों में पीने की पानी की किल्लत होने की गंभीर समस्या उठ खड़ी हो गई है। वहीं किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए साढे तीन सौ मीटर माइनर का निर्माण कराया गया, निर्माण के बाद पिछले दिनों माइनर में पानी छोड़ गया आपूर्ति होते ही 50 मीटर की दूरी तक माइनर ध्वस्त हो गया जिससे लगभग 700 एकड किसानों के गेहूं की फसल पानी में डूब कर बर्बाद हो चुकी है। इस मामले में पिछले दिनों किसान घनश्याम यादव ने एडीएम अभय कुमार को प्रार्थना पत्र देकर मामले से अवगत कराया था। जबकि किसान नंदलाल यादव, प्रेम यादव, बृजेश, रवि, बीरबल, सुरेंद्र, रामजन्म, निर्मल, वीरेंद्र, उमेश, चिरंजीवी, ललता बनवासी, रामसूरत, विष्णुशरण, राजेश यादव आदि किसानों ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार द्वारा माइनर मरम्मत में दोयम दर्जे का ईट, मानक के विपरीत सीमेंट तथा कर्मनाशा नदी के बालू का उपयोग किया गया है।

इस संदर्भ में अवर अभियंता मौर्य का कहना है कि पंप कैनाल से जुड़े सारे कार्य कराए जा रहे हैं। माइनर की नए सिरे से आरसीसी ढलाई के साथ कार्य कराया जाएगा, कार्य में पूरी तरह से गुणवत्ता का ध्यान दिया जा रहा है।

परिवर्तन दूत

पुलिस को जीतना होगा भरोसा

प्रकाश सिंह

भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महत्वपूर्ण बातें कही हैं कि पुलिस तंत्र को जनता का पूरा भरोसा हासिल करना है. निश्चित रूप से पुलिसकर्मियों ने कोरोना संकट में प्रशंसनीय भूमिका निभायी है, लेकिन जब तक सामान्य पुलिसिंग का काम अच्छी तरह से नहीं करेंगे, हमें जनता का विश्वास प्राप्त नहीं होगा. सामान्य पुलिसिंग का मतलब यह है कि थाने पर कोई व्यक्ति शिकायत लेकर आता है, तो उसके प्रति हमारा रवैया कैसा है.उसकी रिपोर्ट दर्ज होती है या नहीं होती, इसमें समय कितना लगता है और उसे सही ढंग से दर्ज किया जाता है या नहीं, फिर रिपोर्ट दर्ज होने के बाद मामले की जांच-पड़ताल कितनी दक्षता से की जाती है, अपराधी की गिरफ्तारी या माल बरामद करने में कितनी तत्परता दिखायी जाती है, असली पुलिसिंग की परीक्षा इन्हीं अहम सवालों से होती है. ठीक है कि आपने कोविड काल में लोगों की मदद की, दवाई और खाना पहुंचा दिया, बहुत अच्छा है, पर यह एक तात्कालिक मामला है. यदि दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में देखा जाए, तो पुलिस की जो बुनियादी जिम्मेदारी है, अगर वह ठीक से नहीं निभायी जायेगी, हम जनता का भरोसा नहीं जीत सकते हैं.पुलिस व्यवस्था के विरुद्ध रिश्वत लेने, अनावश्यक बल प्रयोग करने, महिलाओं एवं वंचित समुदायों के साथ अनुचित रवैया अपनाने आदि की शिकायतें हैं. शिकायतें ऐसी भी हैं कि धनी और रसूखदार लोगों की बातें तो पुलिसकर्मी सुन लेते हैं, पर गरीबों की सुनवाई नहीं होती. जनता में पुलिस पर भरोसा बहाल करने के लिए इन शिकायतों को दूर करना होगा. नयी पीढ़ी के पुलिस अधिकारियों के समक्ष बड़ी और नयी चुनौतियां हैं.बहुत सारे ऐसे अपराध हो रहे हैं, जिनके बारे में हमें अधिक पता भी नहीं था. ऐसे अपराधों में संगठित अपराध, साइबर अपराध आदि गंभीर हैं. नशीले पदार्थों का कारोबार, महिलाओं की तस्करी, पैसे का अवैध लेन-देन जैसे मामले जटिल और संगठित स्तर पर हैं. पहले तो हत्या, चोरी-डकैती जैसे अपराध ही मुख्य थे. अब अपराध का स्वरूप बदलता जा रहा है. इसी अनुपात में पुलिस व्यवस्था की चुनौतियां भी सघन होती जा रही हैं. नये अधिकारियों को कौशल और दक्षता से इनका सामना करना होगा.चुनौतियों और समस्याओं की बढ़ोतरी की स्थिति में पुलिस तंत्र को और अधिक संबल और समर्थन प्रदान करने की आवश्यकता है. जब पुलिसकर्मी अच्छा काम करते हैं, उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए और उनका हौसला बढ़ाया जाना चाहिए. यदि पुलिस व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कानूनी प्रावधानों में बदलाव की जरूरत पड़े, तो सरकार को उस दिशा में ध्यान देना चाहिए.यह बात पिछले कुछ बरसों से लगातार कही जा रही है कि देशभर में पुलिसकर्मियों के लगभग पांच लाख पद खाली हैं. जनशक्ति के अभाव के साथ विभिन्न प्रकार के संसाधनों की कमी भी है. सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस संबंध में निर्देश दिया है, लेकिन सरकारों के आश्वासन के बावजूद संतोषजनक प्रगति नहीं हुई है. सरकारों और राजनेताओं द्वारा पुलिस के रोजमर्रा के कामकाज में हस्तक्षेप करने की प्रवृत्ति में सुधार की आवश्यकता है.सरकारों को चाहिए कि वे पुलिस को अपेक्षित स्वायत्तता प्रदान करें, ताकि वे अपना काम प्रभावी ढंग से कर सकें. पुलिस आपराधिक चुनौतियों का सामना तो अपनी तरफ से करेगी ही, लेकिन अधिकारियों को यह अहसास होना चाहिए कि उन्हें अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी से निभाने में कोई रुकावट नहीं है.पुलिस अधिकारियों को अपने मातहतों को उचित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने और संवेदनशील बनाने पर भी ध्यान देना चाहिए. इससे भी अहम पहलू है उनका कल्याण सुनिश्चित करना. संसाधनों की कमी के कारण आम पुलिसकर्मियों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है. मुझे लगता है कि उच्च अधिकारियों तथा सामान्य कर्मियों के बीच खाई उत्पन्न हो गयी है. इससे भी कामकाज पर नकारात्मक असर पड़ता है.अधिकारियों को इस दूरी को पाटने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना चाहिए ताकि पूरा पुलिस बल एकजुट होकर अपराधों की रोकथाम और जांच-पड़ताल का काम ठीक से कर सके. विभिन्न परेशानियों की वजह से सिपाही यह सोचने लगते हैं कि अधिकारी केवल अपने सुख और सुविधा की चिंता करते हैं, वे अपनी गाड़ी ठीक रखते हैं, अपने कार्यालय में एयर कंडीशनर लगाते हैं, पर आम पुलिसकर्मियों की परवाह नहीं करते कि उनके लिए पीने के पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधा भी है या नहीं.नये पुलिस अधिकारियों को अपने मातहतों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील होना होगा. उन्हें सिपाहियों की समस्याओं का संज्ञान लेना चाहिए और अपने स्तर पर उनके समाधान की कोशिश करनी चाहिए. ऐसा होने पर ही वे उत्साह के साथ अपना कर्तव्य निभा सकेंगे.निष्कर्ष के तौर पर यही कहा जा सकता है कि पुलिस व्यवस्था के भीतर जब तक जरूरी सुधार नहीं किये जायेंगे, तब तक ठीक से कामकाज भी नहीं होगा और जनता का भरोसा जीत पाना भी मुश्किल होगा. सरकारों तथा उच्च पदस्थ अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पुलिस सुधार से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन किया जाए. यह सवाल अहम है कि इसमें देरी क्यों हो रही है. पुलिस बल को उत्कृष्ट बनाने के लिए अनेक स्तरों पर ध्यान दिया जाना चाहिए.

गुणवत्तायुक्त दूध चाहिए तो गायों की देशी नस्लें बचानी होंगी

आलोक शुक्ला

कृषि के साथ गोपालन भारत के आद्य व्यवसायों में शामिल है। पुरातन भारत में किसी व्यक्ति की समृद्धि इस बात से आंकी जाती थी कि उसके पास कितना गोधन है। भारतीय संस्कृति में गाय का महत्व इतना अधिक है कि गाय को माता का स्थान दिया गया है और आदर व सम्मान के साथ गौ माता कहकर उसकी पूजा की जाती है। हिन्दुओं का कोई भी धार्मिक संस्कार गाय के दूध और दुग्ध निर्मित पदार्थों जैसे दही, मक्खन, घी, गौमूत्र तथा गोबर के बिना संपन्न नहीं होता। आयुर्वेद में विस्तार से बताया गया है कि दूध से निर्मित दही, घी, छाछ, खोवा, पनीर आदि का सेवन किस ऋतु में कब और कैसे करना चाहिए। भारतीय समाज में गाय का इतना महत्व होने के बावजूद आज भारतीय देशी गायों एवं गोवंश की स्थिति संतोषजनक नहीं है। विदेशी नस्लों के साथ संकर करने के कारण देशी गायों की नस्लें बिगड़ रही हैं। पहले देशी गायों की 64 नस्लें थीं जो घटकर 45 से 48 के बीच रह गई हैं। सभी भारतीय देशी नस्ल की गायों का त्वचा सतह क्षेत्र अधिक, खुर मजबूत व जुड़े होने के साथ ही पीठ पर हम्प यानि एक उभार होता है। यही इसकी पहचान होती है।भारतीय गायों का महत्व विदेशी नस्ल की गायों की तुलना में इसलिए अधिक है क्योंकि इन गायों का दूध ज्यादा स्वास्थ्यप्रद एवं सुपाच्य होता है। आधुनिक अनुसंधान के अनुसार देसी नस्ल की गायों, यथा गिर, साहिवाल, काकरेज, रेड सिंधी, मेवाती, थारपारकर, निर्मारी, देवनी, अम्बला चोरी, डोंगी, अमृतमहल, हरियाणा, राठी, लाल कंधारी, कोसली आदि के दूध में बीसीएम-7 यानी बिटा कैसो मारफिन-7 नहीं होता। इसे ए-2 (बिटा कैसीन प्रोटीन) दूध कहते हैं, जिसके कई फायदे हैं। इसमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड फिटनेस एवं प्राण शक्ति बढ़ाता है, वहीं इसमें मौजूद सेरेब्रोसाइड्स बुद्धि के विकास में मदद करता है। इसमें मौजूद

बिटा केरोसिन कैंसर, सिरदर्द, हार्टअटैक, रक्तचाप, मानसिक रोग, बांझपन, सोरायसिस आदि बीमारियों से सुरक्षा भी प्रदान करता है।इसमें पाया जाने वाला सीएलएल डायबीटिज, हार्टअटैक कैंसर जैसी घातक बीमारियों से रक्षा करता है। न्यूजीलैंड के वैज्ञानिक किथ बुडफोर्ड द्वारा संकलित पुस्तक डेविल इन दी मिल्क के अनुसार यूरोपीय देशों की बिना ककुद (हम्प यानि इन गायों की पीठ पर भारतीय देशी गायों की तरह उभार नहीं होता) वाली हाईब्रिड एवं क्रॉसब्रिड नस्ल की गायों के अनुवांशिक गुणों में परिवर्तन हो जाने के कारण इनके दूध के सेवन से बीसीएम-7 जैसे हानिकारक कैसिन प्रोटीन का निर्माण होता है जिसके कारण स्वास्थ्य संबंधी अनेक तरह की बीमारियां होती हैं। इस दूध को ए-1 मिल्क कहा जाता है। इसके सेवन से हृदय रोग, मधुमेह, पाचनतंत्र संबंधी समस्याओं समेत अन्य बीमारियों की आशंकाएं रहती हैं। स्पष्ट है कि ए-2 दूध स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है परंतु ए-2 दूध का उत्पादन हमारे देश में भी बहुत कम हो रहा है। देश में दूध की खपत एक अनुमान के अनुसार 67 करोड़ लीटर से भी अधिक की है परंतु उत्पादन 14 से 15 करोड़ लीटर ही है। मतलब उत्पादन से 4 गुना अधिक खपत है। जाहिर है कि केमिकल मिला हुआ दूध धड़ल्ले से उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा रहा है जो उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हर 3 भारतीयों में से दो मिलावटी दूध पी रहे हैं और तीसरे को भी पूरी तरह से शुद्ध दूध नहीं मिलता है। संसद में तत्कालीन पशुधन मंत्री संजीव बालियान ने कहा था कि देशी गाय और विदेशी गाय या क्रॉसब्रिड गायों के दूध में कोई अंतर नहीं है जबकि ए-2 मिल्क शोध संस्थान, रायपुर के डायरेक्टर राजेंद्र तम्बोली का कहना है कि भारतीय देशी नस्ल की गायों, विदेशी गायों और संकर गायों के दूध में बहुत अंतर है। इसे स्पष्ट करने की आवश्यकता है। तंबोली का शोध संस्थान भारत में अपनी तरह का अनूठा है जहां लैब में दूध की जांचकर प्रमाणित किया जाता है कि अमुक दूध ए-2 है या ए-1। इनके पास शुद्ध देशी नस्लों की गायें हैं जिनके संरक्षण के लिए भी ये कार्य कर रहे हैं। ए-2 मिल्क की गुणवत्ता के कारण भारतीय गायों की मांग विदेशों में, खास तौर पर ब्राजील और अमेरिका में बहुत ज्यादा है। ब्राजील ने काफी संख्या में भारतीय गायों का आयात किया है। अब देशी गायों के संरक्षण के लिए विदेशों में भी काम हो रहा है। देशी गायों के संकरण का काम सत्तर के दशक में उस समय आरंभ हुआ जब दुग्ध क्रान्ति या ऑपरेशन फ्लड या कहें कि श्वेत क्रांतिश् की शुरुआत हुई। यह योजना 13 जनवरी, 1970 को लागू हुई। दूध की मांग तो बढ़ रही थी पर मवेशियों की संख्या सीमित थी और दूध का उत्पादन भी कम था इसलिए गाय और भैंस की ब्रीड्स को अपग्रेड किया गया। गायों को एक्सोटिक सीमेन से ब्रीड कराकर उनकी उत्पादन क्षमता बढ़ाई गई। अधिक दूध उत्पादन और पैसे के लालच में हमने देशी गायों से संकरण को बढ़ावा दिया लेकिन इसका नुकसान यह हुआ कि कृत्रिम गर्भाधान और संकरण के कारण अब देशी गायों की नस्लें बची ही नहीं। इन दिनों जिन्हें हम देशी गाय कहते हैं वे संकरित नस्ल की गायें हैं जिनके जींस में कुछ हिस्सा देशी गायों का भी है। देशी गायों का संकरण विदेशी नस्ल की जर्सी और होस्टिन फ्रीजियन गायों से किए जाने के कारण देशी गायों में विदेशी नस्ल के पशुओं की आनुवांशिकी विकसित हो गई है और दो-तीन बार संकरण होने के बाद देशी गायें जर्सी और होस्टिन फ्रीजियन नस्ल की बन रही थीं। इन गायों के अनुकूल यहां न तो अमेरिका व हालैंड की तरह मौसम है और न ही उन्हें वांछित आहार मिलता था। परिणाम यह हुआ कि दुग्ध उत्पादन अपेक्षा के अनुरूप नहीं बढ़ाय और दूसरी खतरनाक बात यह थी कि इन संकरित गायों में बांझपन की समस्या आने लगी। समस्या की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने 2014 में राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना की शुरुआत की। इस योजना का उद्देश्य गौवंशीय पशुओं की नस्लों में सुधार और संरक्षण करना है। इसके अलावा, दूध की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ ही रोगमुक्त उच्च आनुवांशिक गुण वाली मादा आबादी को बढ़ाकर और रोग को नियंत्रित कर बोवाइन आबादी के दुग्ध उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करना है। गिर, साहिवाल, राठी, देओनी, थारपरकर, लाल सिंधी जैसी उत्कृष्ट स्वदेशी नस्लों का उपयोग कर गोपशुओं का उन्नयन करना भी इस कार्यक्रम का हिस्सा है। भारतीय गायों के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश के अलावा छत्तीसगढ़ में भी प्रमुखता से हो रहा है। लुधियाना की कामधेनु गौशाला में साहिवाल गायों के संरक्षण का काम किया जा रहा है। साहिवाल गायें प्रतिदिन 15 से 20 लीटर दूध देती हैं। यह देशी नस्ल की गायें पूरे देश में वितरित की जा रही हैं। साहिवाल बैल का वीर्य भी उपलब्ध कराया जा रहा है। गिर, देवनी, रेडसिंधी, थारपारकर, अम्बला चोरी, डोंगरी, डोंगी आदि देशी नस्लों के संरक्षण के लिए भी जोरदार मुहिम चलाने की आवश्यकता है ताकि शुद्ध दुग्ध एवं इससे निर्मित खाद्य पदार्थ आम जनता तक आसानी और विश्वास के साथ पहुंच सकें।

खेलों में खराब प्रदर्शन के लिये सरकार की खेल नीति जिम्मेदार

राकेश अचल

23 जुलाई से शुरू हुए 32वें ओलम्पिक की करीब 500 स्पर्धाओं में भाग लेने दुनिया भर के 200 से अधिक देशों के खिलाड़ी जापान की राजधानी टोक्यो में हैं। खेलों के एक सप्ताह बाद जो परिणाम सामने आये हैं उन्हें देखकर ऐसा बिलकुल नहीं लगता कि हम खेलों के क्षेत्र में कभी भी विश्वगुरु बन पाएंगे। सवाल यह है कि भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को जिम्मेदार माना जाये या फिर देश के कर्णधारों को?खेलों के क्षेत्र में भारत दशकों से चीन और अमेरिका की बराबरी करना तो दूर उनके आगे-पीछे भी नजर नहीं आता, जबकि डींग मारने में भारत सबसे आगे रहता है। भारत में संगीत, नृत्य और खेलों में गुरु-शिष्य परम्परा का बोलबाला रहा है। हम अपने बच्चों को द्रोणाचार्य और एकलव्य की कहानियां पढ़ा-सुनाकर प्रेरित करते हैं किन्तु असल जिंदगी में हमने अपने गुरुकुल सियासत के आगे समर्पित कर दिए हैं। भारत में जितनी भी खेल संस्थाएं हैं उनमें कुछ अपवादों को छोड़कर सभी पर नेताओं का कब्जा है। नेताओं को फुरसत नहीं है तो उनके बेटे, भाई,भतीजे इन संस्थाओं पर काबिज हैं। नतीजा एक बार फिर हमारे सामने है। ओलम्पिक खेलों की पदक सूची में भारत फिलहाल 62वें स्थान पर है।खेलों की दुनिया में हमारी स्थिति भारत के जनजातीय समाज जैसी है। इसके लिए हम देश की आबादी को ढाल या कारण नहीं बना सकते। आबादी तो चीन की हमसे ज्यादा है लेकिन चीन हमेशा से नंबर एक या दो ही रहता आया है। जाहिर है कि हम सियासत के खेल के अलावा कोई दूसरा खेल न खेलना जानते हैं और न ही खेलना चाहते हैं। प्रतिस्पर्धाएं तो दूर की बात हैं। इस समय दुनिया में चीन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसे देश पिछले अनेक दशकों से काफी आगे हैं और हमारी तमाम योजनाएं हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नंबर एक, दो, तीन तो छोडिये नंबर दस तक में शामिल करने में समर्थ नहीं हैं।भारत के लिए ओलम्पिक खेल कोई नयी प्रतिस्पर्धा नहीं है। भारत बीसवीं सदी के शुरू से ही यानि सन् 1900 से इस खेल में शामिल होता आ रहा है किन्तु दुर्भाग्य यह है कि बीते 120 वर्षों में भी भारत उस मुकाम को हासिल नहीं कर पाया जो उसे मिलना चाहिए था। भारत ने वर्ष 1900 के पेरिस ओलम्पिक प्रतियोगिता में हिस्सा लेना प्रारंभ किया था, तब नॉर्मन पिट्चर्ड ने भारत की तरफ से दौड़ प्रतियोगिता में भाग लिया था और 2 रजत पदक जीते थे। 2016 के ओलम्पिक खेलों की पदक तालिका में हम 67वें स्थान पर थे। 2012 में हमारा स्थान 57वां था। हमें स्वर्ण पदक मिल जाये तो सातवां आश्चर्य होता है क्योंकि हम भारतीय रजत और कांस्य पदक को ही अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि समझ बैठे हैं।अपने अतीत पर नजर डालें तो आप पाएंगे कि 2016 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक शुरु होने तक भारत के खाते में कुल 26 पदक थे, जो कि सभी ग्रीष्मकालीन खेलों में जीते गए थे। शीतकालीन खेलों में पदक जीतने में भारत को अभी तक सफलता नहीं मिली है। 1920 और 1980 तक के लम्बे समय में ओलंपिक में भारत की राष्ट्रीय हॉकी टीम का दबदबा रहा। इस बीच हुए हुए 12 खेलों में से भारत ने 11 पदक जीते थे, जिनमें 8 स्वर्ण पदक थे। 1928-1956 तक छह स्वर्ण पदक लगातार जीते थे।

जाहिर है कि चाहे कोई प्रधानमंत्री रहा हो भारत के खिलाड़ियों में वह जोश नहीं भर सका जो चीन, अमेरिका और जापान जैसे देशों के ही नहीं अपितु कुछ हजार की आबादी वाले छोटे देशों के खिलाड़ियों के पास है।भारत में लगता है कि खेल प्राथमिकता में हैं ही नहीं। खेलों के लिए न सरकारी क्षेत्र में अधोसंरचना है और न ही निजी क्षेत्र में। भारत की हर सरकार खेलों को शायद अनुत्पादक चीज समझती है क्योंकि खिलाड़ी किसी देश को सिवाय सम्मान के और क्या देता है? भारत को खेलों के जरिए सम्मान हासिल करने का मानो कि कोई शौक ही नहीं है। हमारे विजेताओं की जो कहानियां आजकल अखबारों में आ रहीं है उन्हें पढ़कर जहां खिलाड़ियों पर गर्व होता है वहीं दूसरी तरफ सरकारों से घृणा होती है। इस मुद्दे पर हमारे यहां न सड़क पर बहस होती है और न संसद में। हमारे सीतारामी बजट भी खेल के लिए प्रावधान करने में अपनी हेठी समझते हैंय और क्यों न समझें? क्योंकि खेल-कूदकर कोई नेता तो नहीं बन सकता। ज्यादा से ज्यादा सरकारी नौकर हो सकता है।हैरानी की बात यह है कि जब भी सरकार अपने खर्चे बढ़ने पर मदों में कटौती के बारे में सोचती है तो सबसे पहले उसे खेल दिखाई देता है। आंकड़ों से जाहिर है कि सरकार ने 2018 से ही खेल बजट में कटौती का श्रीगणेश कर दिया था। 2018 में मोदी सरकार ने खेल बजट में 22 फीसदी की कटौती की थी। तब से अब तक खेलों का बजट घटा ही, बढ़ाया कभी नहीं गया। ऐसे में खेल के क्षेत्र में भारत के विश्वगुरु बनने की बात तो छोडिये, ओलम्पिक पदक तालिका में दसवां स्थान मिलना भी नामुमकिन है। खेल की दुनिया में भारत की फजीहत को लेकर हम अपने प्रधानमंत्री या खेल मंत्री को दोष देने की गलती बिलकुल नहीं करेंगे। हमारे प्रधानमंत्री और खेल मंत्री गलती कर ही नहीं सकते। सबसे बड़ी गलती खिलाड़ी की होती है जो अपने साथ खेल भावना लेकर जाता ही नहीं है। विसंगति यह है कि ओलम्पिक खेलों में हम सरकार की आलोचना करेंगे तो फौरन देशद्रोही करार कर दिए जायेंगे और चुप बैठेंगे तो बंटाधार होना तय है। भविष्य में खेलों की दुनिया हम पर हंसती नजर आएगी क्योंकि स्थिति बदलने में भारत के हुक्मरान कामयाब हो पाएंगे, इसमें संदेह है। संदेह इसलिए है क्योंकि चाहे केंद्र सरकार हो चाहे राज्य सरकारें, सब खेल को खेल समझती ही नहीं हैं। सरकारों को लगता है कि देश का मान केवल दाढ़ी-मूंछ बढ़ाने और घपले-घोटाले करने से बढ़ता है। देश को समझना होगा कि देश का मान केवल नेता और व्यापारी ही नहीं बढ़ाते बल्कि कलाकार, खिलाड़ी और दूसरे क्षेत्रों में सक्रिय लोग भी बढ़ाते हैं। खिलाडियों के जरिए देश का मान नेताओं के मुकाबले ज्यादा जल्दी बढ़ता है। इसलिए हे हुक्मरानों, देश के बच्चों को खेलने दो! उन्हें खेलने के अवसर दीजिये। बिना खेल भावना के न राजनीति आगे बढ़ेगी और न समाज और न ही देश। उम्मीद करनी चाहिए कि देश की हारी-थकी सरकार आने वाले ओलम्पिक खेलों के जरिये एक नए भारत का सृजन करेगी। बीते सौ साल में भारत अपने यहां ओलम्पिक खेल करने का साहस नहीं जुटा पाया है। शायद भारत के लिए यह सपना ही रहे। फिलहाल तो भारत मोदी जी के नेतृत्व में ओलम्पिक खेलों की पदक तालिका में दसवें स्थान पर आ जाए, यही बहुत होगा।

विषमता को पाटने का विकास मॉडल

शिवानंद द्विवेदी

देश में समान विकास की बात करते हुए क्षेत्रीय आकांक्षाओं की अनदेखी नहीं की जा सकती है. अनेक क्षेत्र प्रगति की दौड़ में पीछे छूट गये. देश में कुल 720 से ज्यादा जिले हैं. अवसरों तथा संसाधनों के मामले में क्षेत्रीय विविधताएं बहुतायत हैं. निश्चित ही सभी जिलों के विकास का स्तर समान नहीं हो सकता है. सभी क्षेत्रों की अपनी परिस्थितियां होती हैं. अपनी चुनौतियां तथा प्राथमिकताएं होती हैं. ऐसे में प्रगति का कोई एक श्सार्वभौमश् मानक लागू करना ठीक भी नहीं होगा.हालांकि, कुछ बिंदु जरूर हैं, जिन्हें मानक के तौर पर उपयोग में लिया जा सकता है. स्वास्थ्य की स्थिति, कृषि क्षेत्र में संभावना, आधारभूत संरचना का विकास, रोजगार के अवसर, शिक्षा की स्थिति, पोषण तथा मानव जीवन प्रत्याशा, गरीबी उन्मूलन सही मानव विकास सूचकांकों के आधार पर क्षेत्रीय प्रगति का मूल्यांकन किया जा सकता है.विकास कोई एकीकृत प्रणाली नहीं है, जो देश के भू-भागीय फैलाव में मौजूद संसाधनों तथा वहां की जरूरतों व चुनौतियों की अनदेखी करके हासिल कर ली जाये. जब तक हमारे विकास संकेतकों में विविधताओं वाले क्षेत्रों की स्थिति, वहां की संभावनाओं तथा आकांक्षाओं को शामिल नहीं किया जायेगा, विकास के वास्तविक लक्ष्य को हासिल करना कठिन होगा. भारत को श्राज्यों के संघश् के तौर पर आगे ले जाने के पीछे भी यही उद्देश्य रहा होगा.आजादी के बाद देश विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जिन आर्थिक मॉडल की तरफ बढ़ा, उनमें से महत्वपूर्ण मॉडल था- ट्रिकल डाउन. सांख्यिकी विज्ञानी प्रशांत चंद्रा शायद पंडित नेहरू को यह विश्वास दिला पाये थे कि देश विकास करेगा तो हाशिये के लोग उसमें अपने आप शामिल होते जायेंगे. कुछ हद तक ऐसा होता भी है. लेकिन, भारत जैसे विविधताओं वाले देश में यह रामबाण नहीं साबित हो सकता था. स्वीकार करने से हमें गुरेज नहीं होना चाहिए कि कहीं न कहीं स्थानीय आकांक्षाओं की अनदेखी लंबे समय तक हुई है.प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्नेशनल एंबिशन और रीजनल एस्पिरेशंसश् का नारा दिया था. उनका इशारा राष्ट्र की प्रगति में क्षेत्रीय आकांक्षाओं की भागीदारी को तय करने को लेकर था. इसके पहले 2018 में श्आकांक्षी जिला कार्यक्रमश् शुरू किया गया. इसके तहत 115 ऐसे जिलों को सरकार ने चिह्नित किया, जो प्रगति की दौड़ में पिछड़ गये थे. आकांक्षी जिलों की सूची में सभी राज्यों के कुछ न कुछ जिले शामिल हैं.सर्वाधिक जिले बिहार, झारखंड और ओडिशा के शामिल हैं. इसमें वामपंथी उग्रवाद का दंश झेल रहे उन जिलों को शामिल किया गया है, जो बुनियादी विकास की चुनौतियों से जूझ रहे हैं. ऐसे जिलों को चिह्नित करके उनका मूल्यांकन करने से यह जरूर पता चलता है कि ये क्षेत्र अथवा जिले कहां-कहां और किन-किन कारणों से पिछड़ रहे हैं.स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचा, मानव जीवन प्रत्याशा, पोषण, शिक्षा के अवसर, कृषि तथा पेयजल सहित बिंदुओं को ध्यान में रखकर केंद्र व राज्य सरकारों की योजनाओं को इन जिलों तक पहुंचाने के लिए सरकार द्वारा प्रयास किया गया है. नागरिकों तथा स्थानीय प्रशासन के परस्पर सहयोग के माध्यम से भी स्थानीय चुनौतियों को दूर करने का प्रयास भी इसके तहत हो रहा है. इस कार्यक्रम की एक बड़ी विशेषता यह है कि जिलों के बीच एक सकारात्मक प्रतिस्पर्धा होने से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने की संभावनाओं को बल मिल रहा है.इसमें संदेह नहीं होना चाहिए कि प्रतिस्पर्धा शिथिलता की शत्रु होती है. अतरू आकांक्षी जिलों के कार्यक्रम में यथास्थिति से निकलकर आगे बढ़ने की लालसा भी क्षेत्र इकाइयों में अनुभव की गयी है. निरूसंदेह इस कार्यक्रम को शुरू हुए अभी तीन वर्ष से थोड़ा अधिक समय हुआ है, लेकिन इसके शुरुआती परिणाम अच्छे दिख रहे हैं. विकास संकेतकों का आंकड़ा बदल रहा है.जून, 2018 के बाद जनवरी, 2019 में ही महिलाओं के स्वास्थ्य आदि कुछ मानकों में इसका सकारात्मक असर बदलाव के रूप में देखा गया था. अभी हाल के महीने में आयी संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की एक रिपोर्ट में भी भारत के इस पहल को श्स्थानीय क्षेत्र के विकास का एक अत्यंत सफल मॉडलश् बताते हुए इसकी सराहना की गयी है. रिपोर्ट में कहा गया है कि श्ऐसे कई अन्य देशों में भी इसे सर्वोत्तम प्रथा के रूप में अपनाया जाना चाहिए जहां कई कारणों से विकास में क्षेत्रीय असमानता मौजूद हैं.दरअसल, इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से जब हम क्षेत्रीय विषमता की खाई को पाटने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ते हैं, तो इसमें महिलाओं के स्वास्थ्य, शिशु मृत्यु दर व गरीबी सहित ग्रामीण भारत की उन अनेक समस्याओं को समाहित कर लेते हैं, जो देश में चल रहे बड़े-बड़े विकास कार्यक्रमों में कहीं पीछे छूट जाती हैं. देश का निर्माण छोटी-छोटी क्षेत्रीय इकाइयों, वहां की क्षमताओं, विविधताओं तथा उनके स्थानीय कौशल की भागीदारी से ही होता है.अगर देश इसे छोड़कर विकास की दौड़ लगाना चाहेगा,

राज्यों के बीच बढ़े आपसी संवाद

अंबर कुमार घोष

असम और मिजोरम में क्षेत्रीय विवाद तो पुराना है, लेकिन बीते दिनों जो घटनाएं घटी हैं, उन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए. यह ध्यान देने की बात है कि दोनों राज्यों में एक ही दलश्गठबंधन की सरकारें होने के बावजूद तनातनी बहुत बढ़ गयी और दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से कठोर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। तब यह प्रश्न उठा था कि दोनों राज्य आपसी बातचीत से तनाव को समाप्त करने का प्रयास क्यों नहीं कर रहे हैं.अंततः केंद्रीय गृह मंत्रालय और गृह मंत्री अमित शाह के हस्तक्षेप के बाद अब संवाद प्रक्रिया शुरू हुई है. ऐसे विवाद राजनीतिक प्रक्रिया से ही सुलझ सकते हैं. पूर्वोत्तर भारत की पृष्ठभूमि जटिल है और उन राज्यों में परस्पर सीमा विवादों के अलावा जातीय विविधता, नागरिकता, भाषा आदि को लेकर प्रश्न हैं.ऐसे में असम और मिजोरम के हिंसक झड़प के घटना को एक सबक के रूप में लेना चाहिए. देश के संघीय ढांचे, केंद्र-राज्य और राज्य-राज्य संबंधों के बारे में यह धारणा रही है कि यदि एक दल या गठबंधन के सरकारें दोनों जगह हों, तो विवाद या तनाव की स्थिति पैदा नहीं होती, लेकिन हालिया मामले में यह बात भी नहीं हुई.देश में जहां कहीं भी राज्यों में विवाद हैं, उनके समाधान के संबंध में हमें दो बिंदुओं से दिखाना चाहिए. एक, केंद्र और राज्यों के बीच क्या संबंध है, और दूसरा, राज्यों के बीच किस तरह का संवाद चल रहा है. जब भी संघीय ढांचे के बात होती है, तो आम तौर पर केंद्र और राज्य के संबंधों को लेकर चर्चा होती है, लेकिन संघीय व्यवस्था के सफलता के लिए यह भी आवश्यक है कि राज्यों में भी आपसी तालमेल हो.हमारे देश के विभिन्न क्षेत्रों- पूर्वोत्तर, मध्य भारत, उत्तर भारत, दक्षिण भारत- के लिए क्षेत्रीय काउंसिल भी गठित किये गये हैं.इस व्यवस्था का उद्देश्य यह है कि इन क्षेत्रों के राज्य नियमित रूप से आपस में बैठक कर समस्याओं के समाधान के कोशिश करें. पुराने विवादों के अलावा अभी हमने महामारी के दौर में भी मेडिकल सामानों की उपलब्धता और आप्रवासी कामगारों के पलायन को लेकर खींचतान देखने को मिली. इन मामलों में भी पड़ोसी राज्यों के बीच तालमेल के आवश्यकता महसूस हुई. यह चिंताजनक है कि केवल पूर्वोत्तर के क्षेत्रीय विकास काउंसिल की बैठक ही बीच-बीच में होती रही है, लेकिन अन्य समूहों की बैठकें न के बराबर होती हैं.विवाद में एक अहम पहलू पहचान का भी है. उदाहरण के लिए, जैसे कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी नदी के पानी को लेकर विवाद है, वह केवल पानी का मसला नहीं है. क्षेत्रीय पहचान का तत्व पूर्वोत्तर में भी बहुत महत्वपूर्ण है. इन विवादों को लेकर समझौता करने में क्षेत्रीय गौरव का प्रश्न बहुत प्रभावी हो जाता है. ऐसे में जो राजनीतिक दल होते हैं, वे आम सहमति बनाने या कुछ छोड़ने के लिए तैयार नहीं होते. उन्हें लगता है कि ऐसा करना उनकी हार समझी जायेगी और उनके राज्य में उन्हें राजनीतिक तौर पर नुकसान उठाना पड़ेगा.सो, गतिरोध हमेशा बना रहता है. राज्यों के विवाद का सरल समाधान है- संवाद. जिन राज्यों के बीच विवाद है, वे लगातार आपस में बातचीत करें.

मुसीबतों को बुलावा देती है सोते समय सिरहाने रखीं ये चीजें

वास्तु अनुसार, हमारे आसपास की चीजें एकदम व्यवस्थित होनी चाहिए। असल में ये सब चीजें हमपर अपना सकारात्मक व नकारात्मक असर डालती है। वहीं सोते समय सिरहाने के पास कुछ चीजें रखने के खासतौर पर बचना चाहिए। नहीं तो इसका नेगेटिव असर जीवन पर पड़ने से परेशानियो का सामना करना पड़ सकता है। चलिए जानते हैं कि वास्तु अनुसार, सिरहाने के पास किन चीजों को रखकर सोने से बचना चाहिए...

शीशा

आमतौर पर हर किसी के बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल होता है। मगर इसे सिरहाने के पास रखने से बचना चाहिए। वास्तु अनुसार, सोते समय शीशे में आपकी परछाई नहीं दिखना चाहिए। नहीं तो वैवाहिक जीवन में समस्या हो सकती है।

किताबें, अखबार आदि

किताबें, अखबार, बुक आदि चीजें भी सिरहाने के पास रखकर नहीं सोना चाहिए। वास्तु अनुसार, ये सब चीजें व्यक्ति की जिंदगी में नेगेटिव असर डालती है। इसके अलावा इससे जीवन में तनाव बढ़ता है।

दवाइयां

अक्सर लोग सिरहाने के पास ही दवाइयां रखकर सोते हैं। मगर वास्तु अनुसार, इससे सेहत पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में अगर आप या आपके घर में कोई बीमार है तो उसे सोने से पहले दवा खिला दें। इसके साथ ही बाकी की दवाइयों को सिरहाने से दूर ही रखें।

पानी

अक्सर लोग सोने से पहले सिरहाने के पास पानी बोतल, गिलास आदि रखकर सोते हैं। मगर वास्तु में ऐसा करना अशुभ माना जाता है। वास्तु अनुसार, इससे कुंडली में चंद्रमा प्रभावित होता है। इसके कारण मानसिक तौर पर परेशानियां झेलनी पड़ सकती है।

तेल

वास्तु अनुसार, सिरहाने कभी भी तेल रखकर सोने से बचना चाहिए। नहीं तो जीवन में कई तरह की परेशानियों को झेलना पड़ सकता है।

जूते-चप्पल

अक्सर लोग बेड के पास ही जूते-चप्पल उतार कर सो जाते हैं। मगर वास्तु में इसे अशुभ माना जाता है। वास्तु अनुसार बेड वह सिरहाने के पास जूते-चप्पल रखकर सोने से बचना चाहिए। नहीं तो इनसे निकलने वाली नेगेटिविटी जीवन में बुरा असर डाल सकती है।

इलेक्ट्रॉनिक चीजें

सिरहाने के पास इलेक्ट्रॉनिक चीजें जैसे कि मोबाइल, घड़ी, फोन, लैपटॉप भी रखकर सोने से बचना चाहिए। वास्तु अनुसार, इन चीजों का जीवन में नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इन चीजों से निकलने वाली किरणें व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक तौर पर बीमार करने का काम करती है।

पर्स

आमतौर पर लोग अपना पर्स भी सिरहाने के पास रखकर सोते हैं। मगर ऐसा करने से बचना चाहिए। वास्तु अनुसार, इससे जीवन में आर्थिक परेशानी झेलनी पड़ सकती है। इसके अलावा रिश्तों में भी खटास आने लगती है। ऐसे में अगर आप भी सिरहाने पर्स रखकर सोते हैं तो अपनी इस आदत को तुरंत बदल लें।

व्रत दौरान इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए खाएं ये चीजें

सावन का पावन महीना शुरु हो चुका है। इस दौरान शिव जी की पूजा करने के साथ उपवास भी रखते हैं। व्रत में सफेद नमक, लहसुन, प्याज आदि चीजें खाने से परहेज रखा जाता है। मगर व्रत दौरान इम्यूनिटी कमजोर होने की सबसे ज्यादा परेशानी रहती है। ऐसे में आप अपनी डाइट में कुछ इम्यूनिटी बूस्ट चीजें शामिल कर सकती है। चलिए जानते हैं व्रत दौरान खाई जाने वाली इम्यूनिटी बूस्ट फूड्स...

ड्राई फ्रूट्स

व्रत दौरान शरीर में कमजोरी व थकान से बचने के लिए आप ड्राई फ्रूट्स का सेवन कर सकती है। अखरोट, किशमिश, बादाम, काजू आदि सूखे मेवों में पोषक तत्व, एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण होते हैं। ऐसे में इनका सेवन करने से इम्यूनिटी बढ़ने में मदद मिलती है। इनमें फाइबर अधिक होने से लंबे समय तक भूख शांत रहती है। आप इसे भूनकर, दूध, खीर या हलवा में मिलाकर खा सकती है।

समक समा चावल

सावन में समक के चावल व इससे बनी अन्य चीजों का सेवन किया जा सकता है। इससे शरीर की डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया तेज होती है। पाचन तंत्र बेहतर होने में मदद मिलती है। थकान, कमजोरी दूर होकर दिनभर एनर्जेटिक महसूस होता है। ऐसे में आप व्रत दौरान इसका सेवन कर सकती है।

मखाना

मखाना पोषक तत्व, एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर होता है। साथ ही यह जीरो कैलोरी वाला सुपर फूड माना जाता है। इसके सेवन से खून में मौजूद विषाक्त पदार्थ डिटॉक्सीफाई होते हैं। आप इसे स्नैक्स के तौर पर भूनकर खा सकती है। इसके अलावा इसका खिचड़ी या खीर बनाकर सेवन किया जा सकता है।

सिंघाड़े का आटा

सिंघाड़े के आटे में विटामिन ए, बी, सी, आयरन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसे खासतौर पर व्रत में खाया जाता है। आयुर्वेद अनुसार, इसे खाने से शरीर को सभी जरूरत तत्व आसानी से मिल जाते हैं। साथ ही बेहतर शारीरिक विकास होने में मदद मिलती है। आप सावन व्रत में सिंघाड़े के आटे से रोटी, हलवा या अपनी कोई मनपसंद डिश बनाकर खा सकती है।

सीजनल फ्रूट्स

व्रत दौरान सीजनल फ्रूट्स खाना फायदेमंद होता है। इससे सेहत दुरुस्त रहने के साथ लंबे समय तक भूख शांत रहती है। आप व्रत में फलों का जूस बनाकर भी पी सकती है।

बेल पत्र

बेल पत्र भगवान शिव की प्रिय चीजों में एक माना जाता है। ऐसे में लोग शिव जी कृपा पाने के लिए सावन के पवित्र महीने में शिवलिंग पर बेल पत्र जरूर चढ़ाते हैं। मगर इसमें मौजूद पोषक तत्व सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। व्रत दौरान इसका जूस पीने से पाचन तंत्र सही रहता है। इसके साथ ही इससे इम्यूनिटी तेज होने में मदद मिलती है। ऐसे में थकान, कमजोरी दूर होकर दिनभर एनर्जेटिक महसूस होता है।

खांसी-जुकाम ही नहीं, नाखूनों में बदलाव भी देते हैं कोरोना का संकेत

बाकी त्वचा की तरह नाखून भी कोरोना होने का संकेत दे सकते हैं। दरअसल, कोरोना के कारण कुछ मरीजों के नाखूनों में भी बदलाव देखने को मिले। ऐसे में वैज्ञानिकों ने अपील की है अगर नाखूनों पर ये लक्षण दिख रहे हैं तो इसे इग्नोर ना करें। सिर्फ कोरोना ही नहीं, नाखूनों में होने वाले बदलाव से डायबिटीज, थायराइड, आयरन की कमी, स्किन इंफेक्शन जैसी कई गंभीर बीमारियों का पता लगाया जा सकता है। चलिए आपको बताते हैं कि नाखूनों से कैसे पहचाने आपको कोरोना है या नहीं।

नाखूनों से कैसे पहचाने बीमारी?

अगर नाखून पर सफेद अर्धचंद्र के अंतिम मार्जिन को घेरता हो तो सतर्क हो जाए। यह माइक्रोवैस्कुलर चोट या कमजोर इम्यूनिटी का इशारा है।

1. वहीं, कोरोना की शुरूआत में भी नाखूनों पर लाल रंग की लाइन बन जाती है इसलिए इसे नजरअंदाज ना करें।

2. नाखून प्लेट पर ब्लू लाइन दिखना भी कोरोना का संकेत हो सकता है। दरअसल, कोरोना के दौरान अस्थाई रुकावट के कारण नाखूनों पर ब्लू कलर की लाइन दिखने लगती है।

नाखूनों का फीका पड़ना

कोरोना संक्रमित मरीजों में नाखूनों का रंग फीका पड़ने की समस्या भी देखने को मिल रही है। वहीं, कुछ मरीजों में नाखून का आकार बदलने की परेशानी भी देखी गई। वैज्ञानिकों ने इस समस्या को 'कोविड नाखून' का नाम दिया है।

कोविड-19 में गिर सकते है नाखून

कई बार कोरोना के चलते नाखूनों की ग्रोथ भी रुक जाती है, जिसकी वजह से नाखून की प्लेट उंगलियों से उतरने लगती है। यहां, तक कि कोरोना के कारण नाखून गिरने का डर भी रहता है, जिसे मेडिकल भाषा में ओनिकोमाडेसिस कहते हैं।

हो सकते हैं ये कारण भी

. इंफेक्शन, गंभीर बीमारियां, दवाओं या ऑटोइम्यून रोग के कारण भी नाखून में ये परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं।

. बेवजह तनाव में रहना, डिप्रेशन का असर भी नाखून पर असर डालता है, जिसके कारण यह समस्याएं हो सकती है।

ब्रेस्टफीड करवाने वाली मां क्या खाएं और किससे रखें परहेज

मां का दूध शिशु के लिए संपूर्ण आहार व सबसे अधिक फायदेमंद माना जाता है। इसमें वे सभी जरूरी तत्व मौजूद होते हैं जो बच्चे को शारीरिक व मानसिक विकास में मदद करते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार, मां का दूध बच्चे के लिए पहले टीकाकरण का काम करता है। इसके सेवन से बच्चे की इम्यूनिटी तेज होकर बीमारियों से बचाव रहता है। ब्रेस्टफीडिंग करवाने से शिशु के साथ महिलाओं को भी ब्रेस्ट कैंसर, ओवेरियन कैंसर, मोटापे आदि समस्याओं से बचाव रहता है। मगर स्तनपान करवाने वाली महिलाओं को अपनी डेली डाइट का खास ध्यान रखना चाहिए। ताकि मां और बच्चे की सेहत बरकरार रहें।

चलिए आज हम आपको विश्व स्तनपान सप्ताह के मौके पर बताते हैं कि ब्रेस्टफीडिंग करवाने वाली महिलाओं को क्या खाना चाहिए और किससे परहेज रखना चाहिए...

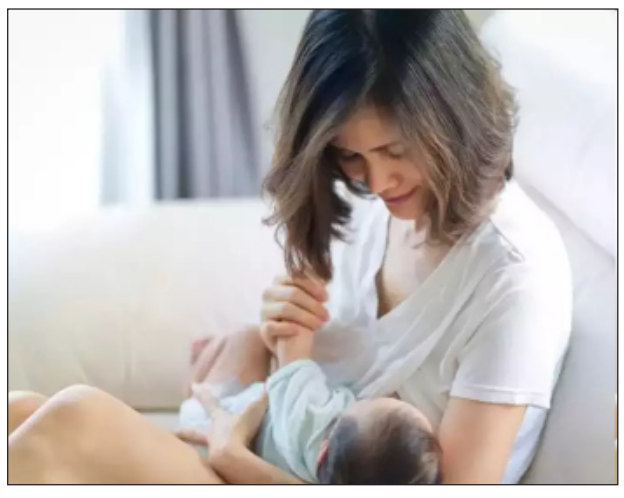

इन चीजों का करें सेवन

हरी पत्तेदार सब्जियां

स्तनपान करवाने वाली महिलाओं को पालक, साग, सहजन के पत्ते आदि पत्तेदार सब्जियां खानी चाहिए। इससे इम्यूनिटी बूस्ट होने के साथ दूध बढ़ाने में मदद मिलती है।

दाल

इस दौरान महिलाओं को हैल्दी रहने के लिए दालों का सेवन करना चाहिए। इससे ब्रेस्ट मिल्क बढ़ाने में मदद मिलती है।

अंकुरित अनाज

अंकुरित अनाज पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर होते हैं। इनका सेवन करने से ब्रेस्ट मिल्क बढ़ता है और मां व शिशु का बेहतर शारीरिक विकास होता है।

ताजे व मौसमी फल और सब्जियां

इस दौरान महिलाओं को मौसमी फल व सब्जियों का सेवन करना चाहिए। सुबह नाश्ते में ताजे फल व सब्जियों से तैयार जूस या सूप का सेवन भी किया जा सकता है।

ड्राई फ्रूट्स

सूखे मेवों में सभी जरूरी तत्व, एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण आदि होते हैं। ऐसे में इसे खाने से मां के दूध में बढ़ावा होता है। साथ ही स्तनपान करने से शिशु का बेहतर शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलती है।

इन चीजों से रखें परहेज

मसालेदार भोजन

इस दौरान अधिक मसालेदार व ऑयली चीजें खाने से एसिडिटी, ब्लोटिंग, अपच आदि समस्या होती है। ऐसे में मां का दूध पीने से शिशु भी इस समस्या से परेशान हो सकता है।

विटामिन सी से भरपूर चीजें

स्तनपान करवाने वाली महिलाओं को विटामिन सी से भरपूर खट्टी चीजों का कम मात्रा में सेवन करना चाहिए। खासतौर पर शिशु को दूध पिलाने से पहले इसका सेवन करने से बचना चाहिए। इसे अधिक खाने से शिशु का पाचन तंत्र खराब हो सकता है। इसके साथ इस दौरान आम खाने से एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

कैफीनयुक्त चीजें

अधिक मात्रा में चाय, कॉफी आदि का सेवन करने से नींद ना आने की परेशानी होती है। ऐसे में ब्रेस्टमिल्क पीने से यह समस्या बच्चे को भी हो सकती है। शिशु की नींद पूरी ना होने से वह बीमार होने के साथ चिड़चिड़ा स्वभाव करने लगता है।

लहसुन

वैसे तो लहसुन पोषक तत्व, एंटी-बैक्टीरियल व औषधीय गुणों से भरपूर होता है। मगर इसका अधिक सेवन करने से दूध में लहसुन की महक आ सकती है। इसके कारण बच्चा दूध पीने में आनाकानी कर सकता है। ऐसे में बच्चे का पेट ना भरने से उसकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।

मूली, ब्रोकली

ब्रोकली, मूली, पत्तागोभी, गोभी आदि का सेवन करने से गैस, अपच, एसिडिटी, पेट में जलन आदि की समस्या हो सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, मां को ये समस्या होने से उसका दूध पीने से ये परेशानी बच्चे को भी हो जाएगी। ऐसे में इस दौरान इन चीजों का सेवन ना करने में ही भलाई है।

जानिए महिलाओं में मेनोपॉज की क्या है सही उम्र

महिलाओं में जब प्राकृतिक रूप से मासिक धर्म चक्र आना बंद हो जाता है तो इसे मेनोपॉज कहते हैं। मेनोपॉज की उम्र 45 से 50 साल के बीच होती है। इस दौरान महिलाओं के शरीर में कई बदलाव आते हैं। लेकिन एक अध्ययन के मुताबिक करीब 4 प्रतिशत महिलाओं में 29 से 34 वर्ष की उम्र में मेनोपॉज हो रहा है। आइए जानते हैं मेनोपॉज की सही उम्र, संकेत और उसे कंट्रोल करने का तरीका

क्या होता है मेनोपॉज

मेनोपॉज को हिंदी में रजोनिवृत्ति कहते हैं। यह कोई बीमारी नहीं बल्कि महिलाओं में एक उम्र के बाद होने वाला बदलाव है। इसमें मासिक धर्म यानी पीरियड्स चक्र बढ़ती उम्र साथ बंद होता जाता है। जिसके बाद महिलाएं गर्भवती नहीं हो पातीं। महिलाओं में होने वाला यह परिवर्तन सामान्य है।

मेनोपॉज की सही उम्र

महिलाओं में मेनोपॉज की उम्र 45 से 50 साल के बीच है। ज्यादातर महिलाओं में मेनोपॉज के लक्षण लगभग चार साल से पहले से नजर आने लगते हैं। कई महिलाओं को मेनोपॉज होने के एक साल पहले इसके संकेत मिलने लगते हैं।इसके अलावा सर्जरी और कैंसर की स्थिति में अंडाशय (बच्चेदानी) और गर्भाशय को निकालना पड़ जाता है। जिसके कारण समय से पहले महिलाओं में मेनोपॉज हो सकता है।

लक्षण

ऽअनियमित मासिक धर्म

ऽअचानक हद से ज्यादा गर्मी लगना

ऽगर्मी न होने पर भी रात में पसीने से तर हो जाना

ऽमूड स्विंग होना

ऽडिप्रैशन और चिड़चिड़ापन

ऽनींद न आना

ऽथकान और सिरदर्द

कैसे करें कंट्रोल

एसजीएल चौरिटेबल अस्पताल की ऑब्सटेट्रिशियन एंड गायनोकोलॉजिस्ट डॉ. नीलू खन्ना के मुताबिक मेनोपॉज सही समय पर हों या इस दौरान कोई परेशानी न आए, इसके लिए जीवनशैली में थोड़ा बदलाव करके आने वाली परेशानियों को दूर किया जा सकता है। जैसे- रात को ज्यादा पसीना आए तो नहाकर सोएं, पतले कपड़े पहनें, रोजाना व्यायाम करें, वजन ज्यादा है तो उसे कम करें। इसके अलावा धूम्रपान करती हैं तो उसे पूरी तरह बंद कर दें, मन को शांत रखें, अपनी डाइट में पौष्टिक चीजों- सोया, अलसी, हरी साग-सब्जियां, फल को शामिल करें। साथ ही प्रीमेनोपॉज के समय में घार्भाशय ग्रीवा कैंसर और ब्रैस्ट की जांच जरूर करा लेनी चाहिए। परेशानी ज्यादा होने पर डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

बार-बार बीमार पड़ने का कारण कहीं घर का वास्तुदोष तो नहीं

अच्छा स्वस्थ जिंदगी का सबसे अनमोल गहना माना जाता है। सेहत अच्छी होने से हम जिंदगी की कोई भी लड़ाई व मुश्किल का सामना कर सकते हैं। वहीं सेहत खराब होने से हर मोड़ पर परेशानियां झेलनी पड़ती है। वास्तु के अनुसार, बार-बार सेहत के बिगड़ने का कारण घर में वास्तुदोष हो सकता है। ऐसे में आप कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर इससे बच सकते हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में...

घर में कोई पुरानी चीज ना रखें

घर में कोई बेकार व पुरानी चीज रखने से बचें। वास्तु अनुसार इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है। इसके अलावा घर पर पड़ी पुरानी व गंदी चीज से बैक्टीरिया और वायरस से होने वाली बीमारियां जन्म लेती है। ऐसे में सेहत खराब होने का खतरा बढ़ता है। इसके लिए जरूरी है कि आप घर से बेकार सामान फेंक दें। साथ ही घर की सफाई का ध्यान रखें।

घर के सामने गड्ढा या गंदगी न हो

वास्तु अनुसार, मुख्य द्वार के ठीक सामने कोई गड्ढा या गंदगी नहीं होनी चाहिए। इससे घर नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसके कारण घर के सदस्यों को मानसिक रोग और तनाव हो सकता है। ऐसे में अगर आपके घर के ठीक सामने कोई गड्ढा है तो उसे मिट्टी से भर दें। इसके साथ घर के मेन गेट वे इसकी आसपास की सफाई का खास ध्यान रखें।

बेडरूम में बेड के ठीक सामने आईना न लगाएं

वास्तु अनुसार, बेड के ठीक सामने आईना रखने से बचना चाहिए। इससे व्यक्ति की सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इसके ही बेडरूम में भगवान की तस्वीर लगाने से बचें।

बीम के नीचे सोने से बचें

वास्तु अनुसार, बीम के नीचे सोने से मानसिक परेशानियां हो सकती है।

भोजन दौरान इस दिशा में बैठे

हमेशा पूर्व या उत्तर दिशा में मुंह करके खाना चाहिए। इससे पाचन दुरुस्त रहता है। ऐसे में बीमारियों से बचाव रहता है।

घर के सामने कोई पेड़ या खंभा ना हो

घर के ठीक सामने कोई बड़ा पेड़ या खंभा होना अशुभ माना जाता है।

इसलिए लोग होते हैं स्लीप वॉकिंग के शिकार, जानें इसके लक्षण और बचाव

स्लीप वाकिंग को नींद में चलना कहते हैं। यह एक तरह की अजीब बीमारी है जिसमें व्यक्ति गहरी नींद में चलने लगता है और नींद समाप्त होने पर उसे कुछ याद नहीं रहता है। दरअसल यह एक मेडिकल सिचुएशन होता है जिसे सोनामबुलिज्म भी कहा जाता है। ऐसी स्थिति में इंसान नींद में उठकर बैठ जाता है और कई बार तो चलने भी लगता है। इतना ही नहीं कुछ लोग नींद में चलने पर कुछ क्रिया भी करने लगते है जैसे बोलना बड़बड़ाना और खुली आंखो से चलना जैसे की वह व्यक्ति जागा हुआ है। ऐसी समस्या का अगर सही समय पर इलाज करा लिया तो इसे बढ़ने से रोका जा सकता है। आईए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से-

स्लीप वाकिंग के क्या है लक्षण

स्लीपवॉकिंग के लक्षण में रोगी का बिस्तर से उठना,

इधर उधर घूमने लगना,

बिस्तर पर बैठ जाना,

अपनी आंखें खोलकर रखना,

दूसरों के साथ किसी तरह की प्रतिक्रिया या बातचीत न करना, जागने के बाद थोड़े समय के लिए विचलित या भ्रमित होना आदि रहता है।

स्लीप वाकिंग से खतरा

कई बार स्लीपवॉकिंग इतनी भयानक हो जाती है कि सोते वक्त डेली रुटीन की एक्टिवीटज करने लगते है जैसे कि कपड़े पहनना, बात करना या भोजन खाना आदि, घर छोड़कर बाहर चले जाना, नींद में कार चलाना, पेशाब करना, सीढ़ियों या खिड़की से नीचे गिर जाना आदि। कई बार यह जोखिम का कारण भी बन जाता है। ऐसे में इन लोगों को फौरन डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए इसके अलावा मेडिकल कंडीशन एक मात्र सहारा है जिससे ऐसे लोग इस बीमारी से बाहर आ सकते हैं।

स्लीप वाकिंग के कारण क्या है ?

बुखार होना।

तनाव में रहना।

स्ट्रोक होना।

नार्कोलेप्सी।

थायरॉइड।

सिर में चोट लग जाना।

नींद संबंधित समस्या का विकार होना।

स्लीप वाकिंग के बचाव

स्लीप वाकिंग यानि की नींद में चलने की विशेष उपचार नहीं है, हलाकि इस पर शोध जारी है। लेकिन इस बीच हम अपनी कुछ आदतों को सुधार सकते हैं। जैसे कि-

-नींद में चलने वाले लोगो को चोट लगने से बचाव करना चाहिए।

- नींद में चलने की समस्या बड़ो के बजाय बच्चो में अधिक होता है। यह उम्र के साथ बढ़ता जाता है और बाद में जोखिम बन जाता है। -अगर नींद के अलावा स्वास्थ्य से जुडी अन्य समस्या है तो इसका भी उपचार करवाए।

-अगर नींद में चलने की समस्या व्यक्ति को दुर्घटना की तरफ ले जा रहा है तो घर पर सावधानी बरते जैसे कि घर की खिड़किया और दरवाजे को बंद रखे।

-अगर आपका बच्चा सो नहीं पा रहा है तो उसे अकेला न छोड़े बल्कि साथ में सोएं।

शरीर में जिंक की कमी को दूर करने के लिए भोजन में शामिल करें ये 7 चीजें

अच्छे लाइफस्टाइल के लिए सेहत का स्वस्थ रहना बहुत जरूर है। लेकिन आज के बदलते दौर में पोषक तत्वों से भरपूर भोजन मिलना अपने आप में चौलेंज है। हर जगह खाने पीने की चीजों में मिलावट देखने को मिलती है जिसका असर हमारी सेहत पर पड़ रहा है। आपकों बता दें कि भारत में करीब 8.2 करोड़ लोग जिंक की कमी से ग्रस्त हैं। जिंक की कमी से इम्यून सिस्टम कमजोर होता है और दिल संबंधी गंभीर बीमारियां बढ़ती है। जिंक की कमी बच्चों में मलेरिया निमोनिया और दस्त संबंधी बीमारियां भी फैलती है। इतना ही नहीं शरीर में जिंक की कमी से कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा भी रहता है। इसलिए हमारे शरीर में जिंक का पूरा होना बहुत ही जरूरी है। आईए जानते है इसके बारे में-

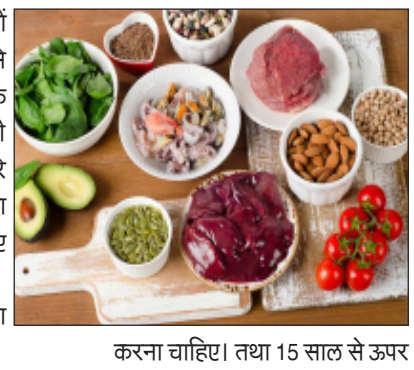

जानिए डेली कितना लेना चाहिए जिंक

डब्लूएचओ के एक रिपोर्ट के अनुसार 15 साल से ऊपर के पुरुषों को रोजाना 11 मिलिग्राम जिंक का सेवन करना चाहिए। तथा 15 साल से ऊपर की महिलाओं को 8 मि.ग्रा और गर्भवती महिलाओं को नियमित तौर पर 11 मिलीग्राम व स्तनपान कराने वाली महिलाओं को रोजाना 12 मि.ग्रा जिंक का सेवन करना चाहिए। वहीं, जिंक बच्चों के शारीरिक विकास में भी मददगार होता है।

आईए जानते हैं जिंक से भरपूर फूड आइटम के बारे में-

तिल

तिल खाने से शरीर को कई तरह से फायदा मिलता है। तिल चाहे काला हो या सफेद इसका हर दाना पोषक तत्वों से भरपूर होता है। विटामिन ए और सी को छोड़कर इसमें सभी पोषक तत्व पाए जाते हैं। तिल में भरपूर मात्रा में जिंक के साथ विटामिन बी6 और आयरन भी पाया जाता है।

डार्क चॉकलेट

चॉकलेट की 100 ग्राम खुराक में 30 प्रतिशत जिंक का आरडीए होता है। ऐसे में शरीर में जिंक की कमी पूरा करने के लिए आप डार्क चॉकलेट का भी सेवन कर सकते हैं।

बाजरा

बाजरा भी हमारे शरीर में जिंक की कमी को पूरा करता है। बाजरा सुपर न्यूट्रिएंट्स और जिंक से भरपूर होता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और फाइबर भी पाया जाता है। बाजरे का सेवन ना केवल खाने के लिए किया जाता है बल्कि आयुर्वेद में इसका इस्तेमाल औषधि के रूप में भी किया जाता है।

पनीर

पनीर जहां शरीर की हड्डियों के लिए लाभदायक है वही यह शरीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन भी प्रदान करता है। लेकिन आपको बता दें दूध, दही और पनीर सभी डेयरी प्रोडक्ट्स में भरपूर मात्रा में प्रोटीन कैल्शियम और विटामिन के साथ जिंक पाया जाता है।

हंसल मेहता ने किया शिल्पा शेट्टी का स्पोर्ट, फिल्मी सितारों की चुप्पी पर कसा तंज

अश्लील फिल्मों के धंधे में बुरी तरह फंसे राज कुंद्रा की गिरफ्तारी के बाद से शिल्पा शेट्टी लोगों का शिकार बन गई हैं। यही नहीं शिल्पा अपने पति राज कुंद्रा के द्वारा किये गए कारनामो की वजह से काफी सुर्खियों में है। राज कुंद्रा पोर्नोग्राफी केस में बुरी तरह फंस चुकें हैं। फिलहाल पुलिस इस केस की जांच करने में जुटी हुई है। वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान निर्देशक हंसल मेहता ने शिल्पा शेट्टी का समर्थन किया और बॉलीवुड सितारों की चुप्पी पर सवाल उठाए और ट्वीट के जरिये कहा अच्छे वक्त में सब पार्टियां करने के लिए होते हैं। शिल्पा शेट्टी के समर्थन में आये हंसल मेहता ने बैक टू बैक तीन ट्वीट किए। वहीं अपने पहले ट्वीट में उन्होंने लिखा अगर आप शिल्पा शेट्टी के साथ खड़े नहीं हो सकते हैं तो कम से कम उन्हें अकेला छोड़ दीजिए और कानून को फैसला करने दीजिए? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो लोग पब्लिक पर्सनालिटीज हैं उन्हें अपना बचाव करने के लिए छोड़ दिया जाता है और न्याय मिलने से पहले ही उन्हें दोषी घोषित कर दिया जाता है। जबकि अपने अगले ट्वीट में हंसल मेहता ने लिखा यह चुप्पी एक तरह का पैटर्न बन चुका है। अच्छे वक्त में सभी लोग पार्टी करने के लिए होते हैं लेकिन जब वक्त खराब हो तो एक सन्नाटा सा छा जाता है और व्यक्ति को अलग कर दिया जाता है। फिर इससे किसी को भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि आखिर में सच क्या है और क्या नहीं। वहीं तीसरे और आखिर ट्वीट में हंसल मेहता ने लिखा, श्बदनाम करने का यह एक पैटर्न है। अगर एक फिल्मी व्यक्ति पर आरोप है तो निजता पर हमला, पहले से राय बना लेना, चरित्र हनन, न्यूज को बकवास गॉसिप से भर देना- यह सब एक व्यक्ति की प्रतिष्ठा की कीमत पर होता है। बता दें कि मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 19 जुलाई को राज कुंद्रा को गिरफ्तार किया था। उन पर पोर्नोग्राफी रैकेट में शामिल होने का आरोप है। राज कुंद्रा की गिरफ्तारी के बाद से शिल्पा शेट्टी पर भी निशाना साधा जा रहा है। बता दें कि मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बीती 19 जुलाई की रात को ही राज कुंद्रा को गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल राज का अश्लील फिल्में बनाने और उन्हें प्रसारित करने का आरोप है। इस साल फरवरी में पोर्नोग्राफी रैकेट केस का भंडाफोड़ मुंबई क्राइम ब्रांच के सामने हुआ था। जिसके बाद से ही क्राइम ब्रांच बिजेनसमैन और शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा से जुड़े हुए हैं और इसकी जांच कर रहे थे। वहीं पांच महीने की जांच के बाद क्राइम ब्रांच को पुख्ता सबूत मिल जाने के बाद उन्होंने राज को हिरासत में ले लिया है।

जब तारा सुतारिया बिकिनी टॉप पहनकर मुंबई में सैर करती आई नजर, लोगों ने कर दिया बुरी तरह ट्रोल

अभिनेत्री तारा सुतारिया की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई है, लेकिन एक्टेस के सोशल मीडिया पर चाहने वालों की कोई कमी है। वैसे इस समय तारा की झोली में एक नहीं बल्कि तीन बड़ी फिल्में है जिसकी तैयारियों में तारा सुतारिया जुटी हुई हैं। लेकिन हाल ही में तारा अपने ड्रेसिंग स्टाइल की वजह से सोशल मीडिया पर बुरी तरह ट्रोलिंग का शिकार हो रही हैं। दरअसल तारा को हाल ही में मुंबई की सड़कों पर पपराजी ने अपने कैमरे में कैद किया। इस बीच हॉट एक्ट्रेस रिप्ड जींस के साथ ब्लू कलर का बिकिनी टॉप पहना हुआ था। लेकिन फेस पर मेकअप नहीं किया हुआ था। उनकी इस तस्वीर को मशहूर सेलिब्रिटी फोटोग्राफर वायरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है, लेकिन एक्ट्रेस की तस्वीरें देखने के बाद लोगों ने भला-बुरा कहने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। एक यूजर ने लिखा है, कपड़े दे दो कोई इसको। तो किसी ने उनके ड्रेस सेंस पर ही सवाल खड़े कर दिए।तारा सुतारिया की ये फोटो देखने के बाद किसी ने एक यूजर्स ने लिखा, बिकिनी टॉप को कैजुअल कपड़ों की जगह पहन रखा है, वाह क्या फैशन सेंस है। वहीं दूसरे ने कमेंट करके लिखा, मुझे लगता है, मैम शर्ट पहनना भूल गईं। यही नहीं किसी ने तारा को कपड़े खरीदने की सलाह दे डाली तो किसी ने उन्हें अपने आउटफिट पर काम करने को कहा। दरअसल लोगों को एक्ट्रेस का जींस के साथ ब्रालेट वाला ऐसा कॉम्बिनेशन कुछ रास नहीं आ रहा है इसलिए उन्होंने सोशल मीडिया पर ऐसे कमेंट करने शुरू कर दिए। वर्क फ्रंट की बात करें तो तारा सुतारिया जल्द ही फिल्म तड़प में लीड रोल प्ले करती नजर आएंगी। इस फिल्म की इसी साल सितंबर तक रिलीज होने की चर्चा है। इस फिल्म के अलावा सारा टाइगर श्रॉफ की फिल्म हीरोपंती 2 में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी हैं। फिल्म में तारा एक विलन रिटर्न्स की शूटिंग भी कर रही हैं।

कंगना रनौत ने बोल्ड ड्रेस में दिखाईं दिलकश अदाएं, फोटोज देख फैंस ने किये मजेदार कमेंट्स

बॉलीवुड की पंगा क्वीन कंगना रनौत अपने बेबाकी के लिए खूब जानी जाती हैं। कंगना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। कंगना उन अभिनेत्रियों में से जो देश से लेकर फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े मुद्दे पर बात करती नजर आती हैं। लेकिन इस बार एक्ट्रेस अपने किसी बयान की वजह से नहीं बल्कि अपनी लेटेस्ट तस्वीरों की वजह से चर्चा का विषय बनी हुई हैं। इसी के साथ उन्होंने गालिब की खूबसूरत शायरी का यूज किया है। हाल ही में कंगना रनौत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर नई तस्वीर पोस्ट की है, जिनमें वो काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं। हालांकि, कंगना की ये तस्वीरें कुछ लोगों को टाइटैनिक फिल्म की ऐक्ट्रेस केट विंसलेट (रोज) के किरदार की याद दिला रही है। दरअसल कंगना की ड्रेस, हेयर स्टाइल और नेकलेस टाइटैनिक ऐक्ट्रेस के किरदार रोज से मिलते-जुलते नजर आ रहे हैं।कंगना ने इन तस्वीरों को शेयर करते इसके कैप्शन में लिखा, निकलना खुल्द से आदम का सुनते आए हैं लेकिन,बहुत बे-आबरू हो कर तेरे कूचे से हम निकले। जहां कई लोग कंगना की जमकर तारीफ कर रहे हैं तो वहीं कुछ ने उन्हें क्वीन ऑफ रायता तो कुछ ने उन्हें भारतीय संस्कार की याद दिलाई है। मालूम हो कंगना इस वक्त अपनी दो फिल्मों की तैयारी में जुटी हैं। बता दें, कंगना ने थलाइवी और धाकड़ से अपने दो अलग-अलग लुक की फोटो पोस्ट की थीं। इन दोनों तस्वीरों जहां पहली वाली में वो जयललिता के रूप में नजर आ रही हैं और दूसरी में धाकड़ के ऐक्शन-ओरिएंटेड ऐक्ट्रेस के रूप में।

फ्लाइट में सोनम कपूर पति आनंद आहूजा संग हुई रोमांटिक, बोलीं- मेरी तुमसे नजर नहीं हटती

बॉलीवुड में अपने अलग ड्रेसिंग स्टाइल के लिए मशहूर सोनम कपूर के पति आनंद आहूजा का बीते 29 जुलाई को जन्मदिन था। इन दिनों सोनम इंडिया में है, जबकि उनके पति आनंद लंदन में हैं। बर्थडे के खास मौके पर भले ही सोनम अपने पति से नहीं मिल पायी हो, लेकिन उन्होंने पुरानी यादों को एक बार दिए से ताजा कर दिया और आनंद आहूजा बिताए खास पलों की फोटोज और वीडियोज अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किए हैं। जो इंटरनेट पर काफी तेजी से वायरल भी हो रहे हैं। दरअसल इस वीडियो में सोनम और उनके पति का बेहद ही रोमांटिक अंदाज देखने को मिला है। वीडियो में ये जोड़ा एक दूसरे को फ्लाइट में किस करते हुए नजर आये। सोनम कपूर ने पति आनंद संग एक थ्रोबैक वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो के कैप्शन में एक्ट्रेस लिखती हैं, तुम सच में इतने स्वीट हो कि तुमसे मेरी नजर नहीं हटती। तुमने मुझे सिखाया है कि असल मायने में धैर्य और प्यार क्या होता है? मुझे यह सब सिखाने के लिए बहुत- बहुत शुक्रिया। मैं सच में बहुत लकी हूं कि मुझे अपने सबसे अच्छे दोस्त से प्यार हो गया। भगवान से यही दुआ करती हूं कि तुम अपने सपनों और लक्ष्यों के करीब पहुंचो। हैप्पी बर्थडे आनंद। इसके अलावा सोनम ने अपने आनंद आहूजा के जन्मदिन के खास मौके पर एक तस्वीर भी शेयर की थीं। तस्वीर के साथ सोनम ने आनंद के लिए प्यार भरा मेसेज भी लिखा। सोनम लिखती हैं,आनंद आप मेरी जिंदगी की रोशनी हो। इस दुनिया ने मुझे आपके रूप में एक तोहफा दिया है। मेरा सबसे अच्छा दोस्त और लाइफ पार्टनर। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनम कपूर को आखिरी बार साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म द जोया फैक्टर में देखा गया था। अब सोनम जल्द ही फिल्म ब्लाइंड में नजर आएंगी।

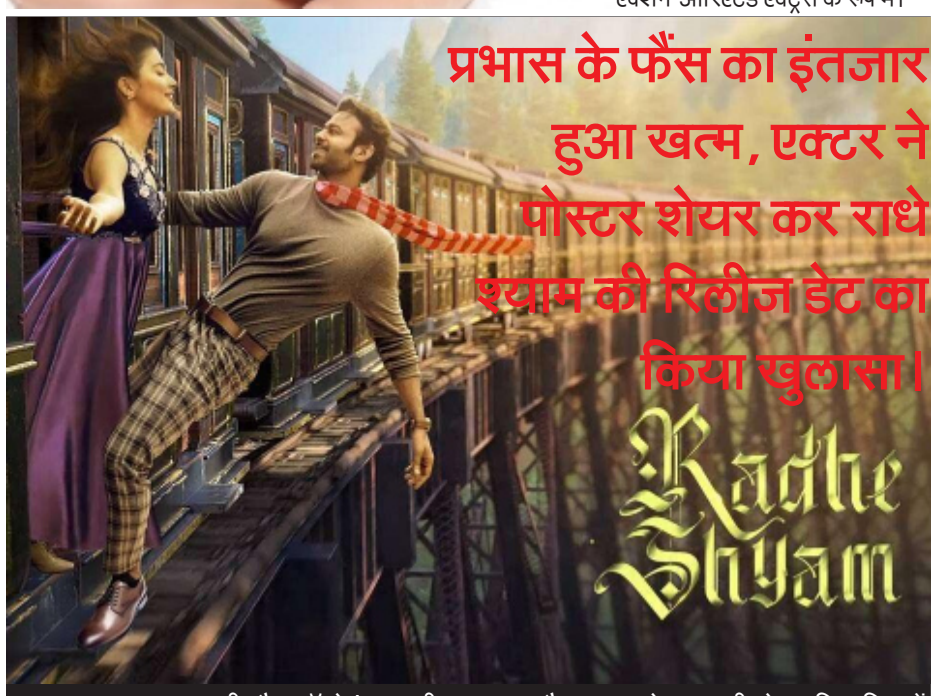

प्रभास के फैंस का इंतजार हुआ खत्म, एक्टर ने पोस्टर शेयर कर राधे श्याम की रिलीज डेट का किया खुलासा।

सुपरस्टार प्रभास की फैन फॉलोइंग काफी जबरदस्त है। बात उनके लुक की हो या फिर फिल्मों की फैंस हमेशा ही एक्टर की एक झलक पाने को तैयार रहते हैं। ऐसे में आखिरकार वो दिन आ ही गया जब फैंस की दुआएं कबूल हो गई हैं, क्योंकि प्रभास की राधे श्याम की रिलीज डेट अब सामने आ गई है। इस फिल्म को देखने के लिए लोग काफी ज्यादा बेताब हैं। वहीं फिल्म की टीम ने एक पोस्टर और अन्य झलक का खुलासा करके सभी बताया है फिल्म किस दिन रिलीज होगी। इस बीच प्रभास ने खुद भी अपनी अपकमिंग फिल्म की डेट का सोशल मीडिया अकाउंट पर ऐलान किया है। एक्टर ने अपने इंस्टा हैंडल और फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उन्हें डेपर लुक में यूरोप की सड़कों पर टहलते हुए देखा जा सकता है। इसके साथ ही पोस्टर में कहा गया है कि फिल्म मकर संक्रांतिध्पोंगल के अवसर पर रिलीज होगी, यानी अगले साल रिलीज होगी। फिल्म के इस नए पोस्टर की बात करें तो इसमें प्रभास सूट पहने हाथ में सूटकेस लेकर सड़को पर चलते नजर आ रहे हैं। प्रभास के आस-पास बड़ी-बड़ी बिल्डिंग्स नजर आ रही हैं। प्रभास ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मेरी रोमांटिक फिल्म राधे श्याम आप सभी को दिखाने के लिए काफी एक्साइटेड हूं। राधे श्याम की ब्रांड न्यू रिलीज डेट 14 जनवरी 2022।खास बात लोग इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और अब फिल्म की रिलीज डेट की खबर ने उत्सुकता को कई ज्यादा बढ़ा दिया है। इस फिल्म के जरिये प्रभास एक बार फिर रोमांटिक शैली में वापसी करते नजर आएंगे। इस फिल्म में प्रभास और पूजा हेगड़े की एक नई जोड़ी देखने मिलेगी और फिल्म से कई पोस्टर सामने आए हैं जिसमें प्रभास को एक लवर बॉय के अवतार में दिखाया गया है। राधेश्याम एक बहुभाषी फिल्म होगी और गुलशन कुमार व टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन राधा कृष्ण कुमार द्वारा किया गया है। यह यूवी क्रिएशंस द्वारा निर्मित है।

श्रद्धा कपूर की चौट हुई लीक, स्पेशल वन को लिखा- तुम मुझे हमेशा ग्रेट फील कराते हो

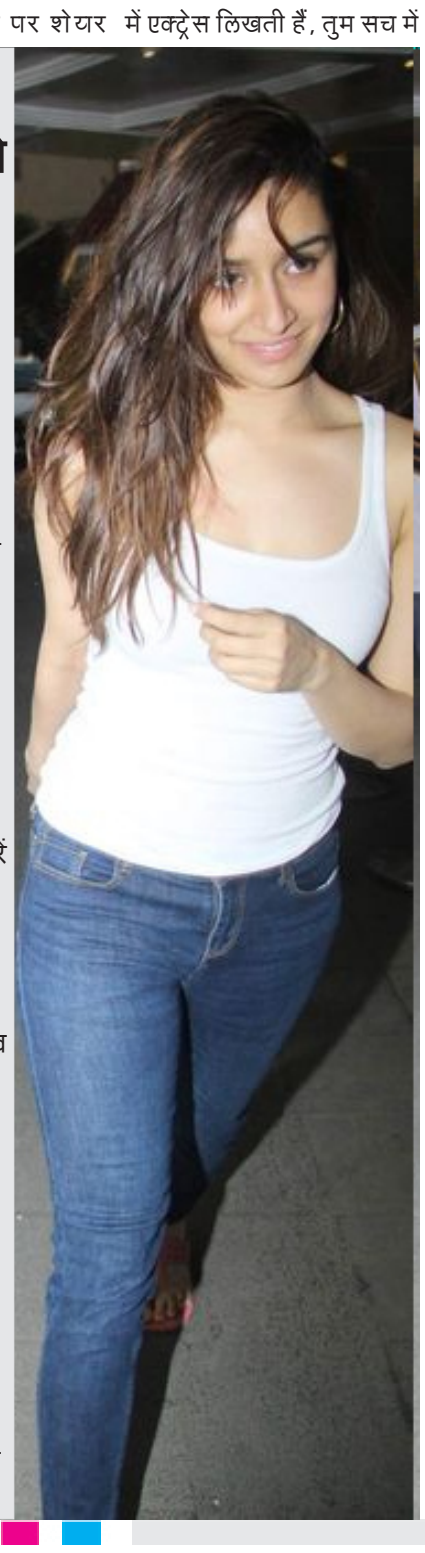

बॉलीवुड सेलेब्स की निजी जिंदगी में क्या हो रहा है, ये जानने के लिए फैंस बेकरार रहते हैं। जिम, शॉपिंग तो कभी मीटिंग्स के लिए आते -जाते अक्सर सेलेब्स स्पॉट होते हैं। हाल ही में बी-टाउन की खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर को पैपराजी ने स्पॉट किया। खूबसूरत श्रद्धा अक्सर पैपराजी को अच्छे से एंटरटेन करती हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने कुछ ऐसा कर दिया, जो खुद एक्ट्रेस को भी पसंद नहीं आएगा। पैपराजी ने श्रद्धा कपूर की व्हाट्सप्प चौट को लीक कर दिया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनके फैंस भी काफी नाराज हैं। हुआ ये कि श्रद्धा अपने फिल्म की शूट पर थीं। फिल्म के सेट पर भी पैपराजी ने उन्हें स्पॉट किया। ब्लू ड्रेस में तैयार हुईं श्रद्धा काफी प्यारी लग रहीं थीं। पर एक्ट्रेस का ध्यान उस वक्त कहीं और था। वो पूरे टाइम अपने फोन में लगीं हुईं थीं। उनकी टाइपिंग स्पीड से लग रहा था कि किसी के साथ चौट करने में बिजी हैं। फोटोग्राफर्स ने उन्हें घेर लिया और तस्वीरें क्लिक करने लगे। इस दौरान पपराजी की नजर श्रद्धा की पर गई और उन्होंने उसे भी कैप्चर कर लिया। जब फोटोज देखी तो पता चला कि श्रद्धा किसी स्पेशल वन से बात कर रही थीं। ऐसा इसलिए कह सकते हैं क्योंकि श्रद्धा जिससे बात कर रहीं थी उसका नाम उन्होंने तीन हार्ट इमोजी से सेव किया है। ऐक्ट्रेस मेसेज में लिखती हैं, मैं कभी अपनी लाइफ में तुम्हारे जैसे किसी इंसान से नहीं मिली। इस पर जवाब आता है, मुझे खुशी है कि तुम इस तरह सोचती हो।इसके बाद श्रद्धा का मेसेज है, तुम सच में मुझे सुनते हो, ऐसा कोई नहीं रहा है!!! तुम मुझे हमेशा ग्रेट फील कराते हो। इस पर दिल वाला इमोजी रिप्लाई में आता है। फिर ऐक्ट्रेस लिखती हैं, हां तुम कराते हो! मेरे सभी सपनों और विशेज को पूरा करने के लिए थैंक्यू। इस पर जवाब आया, श्यह मेरा सौभाग्य है! जब भी कुछ चाहिए हो, मुझसे कहो। वर्क फ्रंट की बात करें तो श्रद्धा अब डायरेक्टर लव रंजन की अगली अनाम फिल्म में रणबीर कपूर के साथ पहली बार स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगी।

बर्थडे के दिन फराह खान के घर में बर्तन धो रहे हैं सोनू सूद? मजेदार वीडियो हुआ वायरल

दिग्गज एक्टर और रियल लाइफ हीरो सोनू सूद 30 जुलाई को अपना 48वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। बर्थडे के खास मौके पर न उनके करोड़ों फैंस बल्कि को-स्टार्स भी सोशल मीडिया के जरिए उन्हें जन्मदिन की बधाइयां दे रहे हैं। इस कड़ी में फिल्ममेकर फराह खान ने भी सोनू सूद को बर्थडे विश किया है, लेकिन उनका अंदाज बाकियों से कुछ हटकर है। दरअसल फराह ने सोनू सूद के बर्थडे पर एक स्पेशल वीडियो शेयर करके उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। इस वीडियो में फराह खान और सोनू सूद दोनों ही किचन के अंदर एप्रेन पहने नजर आ रहे हैं। ऐसे में फराह खान एक्टर को कुछ दिखाते हुए कहती हैं कि सोनू आज तेरा बर्थडे है और देख मैंने तेरे लिए कितना पकाया है। सोनू किचन की सिंक में पड़े बेहिसाब बर्तनों की तरफ इशारा करते हुए फराह से कहते हैं कि पका मत अब इसे साफ कौन करेगा बता ना? इस बात पर फराह खान, सोनू सूद से कहती हैं कि ये बर्तन कौन धोएगा अभी तू ही धोएगा। चल धो। फराह के इतना कहने पर ही सोनू बेचारे हाथ में जूना लेकर कढ़ाई साफ करना शुरू कर देते हैं। सोनू सूद कैमरा की तरफ देखकर कहते हैं कि ये हैप्पी न्यू ईयर (फिल्म) से फराह हम सबसे धुलवा रही है। अब सितारों से। इसके बाद फराह खान, सोनू सूद के पास आकर उनके लिए बर्थडे सॉन्ग गाती हैं और बेचारे सोनू बर्तन धोते रह जाते हैं। फराह ने कैप्शन में लिखा, तुम जानते हो तुम मेरे बेस्ट फ्रेंड हो, जब उसका जन्मदिन उससे बर्तन धोकर मना सकते हैं हैप्पी बर्थडे सोनू। तुम्हारे साथ शूट करके अच्छा लगा। असंभव को करते रहो और ऊंचाइयों तक पहुंचो। लव यू। मालूम हो फराह खान की फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' में सोनू सूद ने साथ में काम किया था। वहीं बीते दिनों फराह और सोनू सूद एक म्यूजिक वीडियो भी शूट किया है।